नीव पोर्टल से शिक्षा संस्थानों में नीति अनुपालन और गुणवत्ता में होगा सुधार – मुख्यमंत्री

पेज-8

संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

हिन्द जनपथ

स्थापना वर्ष : 2002

पंचकूला
शुक्रवार
9 जनवरी, 2026
वर्ष:24 अंक: 197
कुल पृष्ठ:08
मूल्य: 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

पंजाब से सभी गैंगस्टरों और उनके नेटवर्क का होगा सफाया: अरविंद केजरीवाल

हिन्द जनपथ
लुधियाना(ब्यूरो)। एक मजबूत राजनीतिक संदेश देते हुए 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने नव-निर्वाचित जिला परिषद और ब्लॉक समिति सदस्यों से मुलाकात की और जोर देकर कहा कि पंजाब डर, गुंडागर्दी और धांधली वाली चुनावी राजनीति के युग से निर्णायक रूप से बाहर आ चुका है। उन्होंने साथ ही यह घोषणा की कि आम आदमी पार्टी (आप) सरकार अब 'युद्ध नशों के विरुद्ध' की तर्ज पर गैंगस्टरों के खिलाफ बड़े स्तर पर जंग शुरू करेगी।

पंचायत चुनावों में 'आप' की 70 प्रतिशत से अधिक सीटों पर शानदार जीत को साफ-सुथरी राजनीति और ईमानदार शासन के पक्ष में जनादेश बताते हुए 'आप' प्रमुख ने कहा कि पंजाब ने अपने इतिहास में स्थानीय इकाइयों के चुनाव सबसे अधिक पारदर्शिता के साथ होते देखे हैं, जिनमें एक भी वोट नहीं बदला गया। वहीं मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने जोर देकर कहा कि जन-हितैषी शासन ने पारंपरिक पार्टियों को अपने घोषणा-पत्र दोबारा लिखने के लिए मजबूर कर दिया है।

– 'श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष एक विनम्र सिख के रूप में पेश होऊंगा और अकाल तख्त का आदेश सर्वोपरि है: भगवंत सिंह मान

श्री अकाल तख्त साहिब से जुड़े मुद्दे पर भगवंत सिंह मान ने कहा कि वे सभी सबूतों के साथ तख्त साहिब के समक्ष अवश्य पेश होंगे और अनुरोध किया कि पूरी कार्यवाही का सभी चैनलों पर सीधा प्रसारण किया जाए। उन्होंने कहा, "मैं वहां मुख्यमंत्री के रूप में नहीं, बल्कि एक विनम्र सिख के रूप में पेश होऊंगा। श्री अकाल तख्त साहिब हर सिख के लिए पवित्र है और हमारे समुदाय का सबसे पवित्र स्थान है। भले ही उस दिन देश के राष्ट्रपति गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर का दौरा करेंगे, फिर भी मैं श्री अकाल तख्त साहिब के समक्ष अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करूंगा।"

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि उनके लिए श्री अकाल तख्त साहिब सर्वोपरि हैं और वहां से प्राप्त किसी भी आदेश का सच्चे दिल से पालन किया जाएगा। भगवंत सिंह मान ने कहा, "श्री अकाल तख्त साहिब का आदेश मेरे और मेरे परिवार के लिए हमेशा सर्वोच्च था, है और रहेगा। यह एक अत्यंत सम्माननीय स्थान है, जहां से सिखों को शाश्वत शांति और शक्ति मिलती है।"

लुधियाना में चुने हुए प्रतिनिधियों के एकत्रित सम्मेलन को संबोधित करते हुए 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा, "सबसे पहले, मैं आप सभी को बधाई देता हूं, जो इतनी बड़ी संख्या में जिला परिषदों और ब्लॉक समितियों के सदस्य चुने गए हैं। आज आपको खुशी होनी चाहिए क्योंकि लोगों ने आपको एक नई जिम्मेदारी सौंपी है। यह बहुत गर्व की बात है कि इन चुनावों में 'आप' ने कुल सीटों में से 70 प्रतिशत से अधिक पर जीत हासिल की है। ये आपकी पार्टी की सीटें हैं।"

बीते समय को याद करते हुए 'आप' प्रमुख ने कहा कि पारंपरिक रूप से सत्ताधारी पार्टी द्वारा पंचायत चुनाव शक्ति और धांधली के माध्यम से जीते जाते थे। उन्होंने कहा, "2013 में पंचायत चुनाव सरकार बनने के एक साल बाद हुए थे। 2017 में भी सरकार बनने के एक साल बाद 2018 में चुनाव हुए। इसके बावजूद बड़े स्तर पर बूथ कैप्चरिंग, गुंडागर्दी और जबरदस्ती हुई और उसी तरह जीत दर्ज की गई।"

वर्तमान समय से तुलना करते हुए अरविंद केजरीवाल ने कहा, "आज हमारी सरकार के चार साल पूरे होने के बाद ब्लॉक समितियों और जिला परिषदों के चुनाव हुए और बिल्कुल भी जबरदस्ती नहीं की गई। नतीजे देखिए—600 से अधिक सीटें ऐसी हैं, जहां उम्मीदवार 100 से कम वोटों से जीते। इनमें से 350 से अधिक सीटें विपक्ष ने जीती हैं। कई सीटें ऐसी हैं, जहां कांग्रेस या अकाली दल के उम्मीदवार सिर्फ एक वोट से जीते हैं। क्या आपने कभी सुना है कि सत्ताधारी पार्टी का कोई उम्मीदवार एक वोट से हार गया हो?"

उन्होंने आगे कहा कि अगर 'आप' सत्ता का दुरुपयोग करना चाहती तो यह बहुत आसान था। "अगर हम जबरदस्ती करना चाहते तो सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (एस.डी.एम.) को बुलाकर अपने उम्मीदवार को निर्वाचित घोषित कर सकते थे। एक वोट को इधर-उधर करना कोई मुश्किल काम नहीं है, लेकिन हमने ऐसा नहीं किया। हम इस उद्देश्य से राजनीति में नहीं आए हैं। 'आप' जबरदस्ती, भ्रष्टाचार या गुंडागर्दी करने के लिए नहीं बनी है।

स्टार्टअप और एआई उद्यमी भारत के भविष्य के सह निर्माता: मोदी

नयी दिल्ली – प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को भारतीय आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्टार्टअप के प्रतिनिधियों के साथ गोलमेज बैठक की अध्यक्षता की और कहा कि वे भारत के भविष्य के सह निर्माता हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि यह बैठक श्री मोदी के आवास पर हुई। बैठक में अगले महीने देश में होने वाले 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' से पूर्व 'एआई फॉर ऑलः ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज' के लिए चयनित 12 भारतीय एआई स्टार्टअप ने भाग लिया तथा अपने विचारों के साथ प्रस्तुति दी। ये स्टार्टअप कई क्षेत्रों में काम कर रहे हैं, जिनमें भारतीय भाषा फाउंडेशन मॉडल, बहुभाषी एलएलएम, स्पीच-टू-टेक्स्ट, टेक्स्ट-टू-ऑडियो और टेक्स्ट-टू-वीडियो, ई-कॉमर्स, मार्केटिंग और वैयक्तिकृत सामग्री निर्माण के लिए जनरेटिव एआई का उपयोग करके 3डी सामग्री, इंजीनियरिंग सिमुलेशन, सामग्री अनुसंधान और विभिन्न उद्योगों में डेटा-संचालित निर्णय लेने के लिए उन्नत एनालिटिक्स, स्वास्थ्य देखभाल निदान और चिकित्सा अनुसंधान आदि शामिल हैं।

एआई स्टार्टअप ने भारत में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) इकोसिस्टम को आगे बढ़ाने की मजबूत प्रतिबद्धता की सराहना की। उन्होंने एआई क्षेत्र की तीव्र वृद्धि और अपार भविष्य की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एआई नवाचार का केंद्र अब भारत की ओर स्थानांतरित हो रहा है। स्टार्टअप प्रतिनिधियों ने कहा कि भारत में अब एआई विकास के लिए मजबूत और अनुकूल माहौल है जिससे देश वैश्विक एआई मानचित्र पर मजबूती से स्थापित हो गया है।

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने समाज में परिवर्तन लाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत अगले महीने इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट की मेजबानी करेगा, जिसके माध्यम से देश प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत कृत्रिम बुद्धिमत्ता का लाभ उठाकर परिवर्तन लाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि स्टार्टअप और एआई उद्यमी भारत के भविष्य के सह-निर्माता हैं और देश में नवाचार तथा बड़े पैमाने पर कार्यान्वयन, दोनों की अपार क्षमता है। उन्होंने कहा कि भारत को दुनिया के सामने एक ऐसा अनूठा एआई मॉडल प्रस्तुत करना चाहिए, जो 'मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड' की भावना को दर्शाता हो।

श्री मोदी ने कहा कि भारत पर दुनिया का विश्वास ही देश की सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया कि भारतीय एआई मॉडल नैतिक, निष्पक्ष, पारदर्शी और डेटा गोपनीयता सिद्धांतों पर आधारित हों। उन्होंने कहा कि भारतीय स्टार्टअप को विश्व में अग्रणी बनने की दिशा में भी काम करना चाहिए और विश्व स्तर पर किफायती एआई, समावेशी एआई और मितव्ययी नवाचार को बढ़ावा दे सकता है। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि भारतीय एआई मॉडल अलग होने चाहिए तथा स्थानीय एवं स्वदेशी सामग्री और क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना चाहिए।

इस बैठक में अवतार, भारतजेन, फ्रैक्टल, जीएएन, जीईएनएलओओपी, जीएनएएनआई, इंटेलीहेल्थ, सर्वम, शोध एआई, सॉकेट एआई और टेक महिंद्रा सहित भारतीय एआई स्टार्टअप के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों, प्रमुखों और प्रतिनिधियों ने इस बैठक भाग लिया। केन्द्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव तथा केन्द्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने भी बैठक में हिस्सा लिया।

लुधियाना, फिरोजपुर अदालत परिसरों को बम से उड़ाने की धमकी

लुधियाना/फिरोजपुर– लुधियाना के जिला सत्र न्यायाधीश को आज एक ईमेल मिली जिसमें बम विस्फोट की धमकी दी गई थी। धमकी के बाद, पुलिस ने एहतियाती तौर पर अदालत परिसर और जिलाधीश कार्यालय को खाली करा लिया। यह धमकी फिरोजपुर और मोगा में इसी तरह की धमकियों के बाद आई है। धमकी के तुरंत बाद सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। पुलिस अधिकारी मामले की जांच कर रहे हैं और धमकी की गंभीरता का आकलन कर रहे हैं।

अदालत परिसर की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और बम निरोधक दस्ते को तैनात किया गया है। पुलिस धमकी देने वाले की पहचान और उसके मकसद का पता लगाने के लिए साइबर टीमों को लगा रही है। फिलहाल, स्थिति नियंत्रण में है और जांच जारी है। वहीं, फिरोजपुर जिला अदालत को बम से उड़ाने की भी धमकी का समाचार है। जानकारी के अनुसार धमकी के बाद कोर्ट परिसर को खाली करवाया गया और भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। जानकारी के अनुसार एक ईमेल आया जिसमें कोर्ट परिसर फिरोजपुर में आरडीएक्स होने की सूचना दी गई थी।

सोनिया गांधी की हालत स्थिर, जल्द मिल सकती है अस्पताल से छुट्टी

नयी दिल्ली– कांग्रेस सांसद और पूर्व पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी के स्वास्थ्य को लेकर राहत भरी खबर सामने आई है। दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल के चेयरमैन डॉ. अजय स्वरूप ने जानकारी दी है कि सोनिया गांधी की हालत फिलहाल पूरी तरह स्थिर है और वह इलाज का सकारात्मक जवाब दे रही हैं।

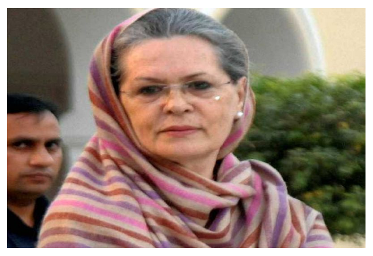

सोनिया गांधी को सोमवार रात सांस लेने में परेशानी के चलते अस्पताल में भर्ती कराया गया था। विस्तृत चिकित्सकीय जांच के बाद डॉक्टरों ने बताया कि दिल्ली में बढ़ती कड़ाके की ठंड और प्रदूषण के खतरनाक स्तर की वजह से उनका ब्रोंकियल अस्थमा थोड़ा बढ़ गया था। एहतियात के तौर पर डॉक्टरों ने उन्हें निगरानी में रखने का फैसला किया।

अस्पताल द्वारा जारी बयान के अनुसार, सोनिया गांधी को वर्तमान में एंटीबायोटिक्स और अन्य सहायक दवाएं दी जा रही हैं। उनकी रिकवरी की गति को देखते हुए डॉक्टरों का कहना है कि उन्हें अगले एक या दो दिनों में अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है।

पिछले 11 वर्षों में देश ने देखा सकारात्मक परिवर्तन, जनता ने महसूस किया कि यह सरकार मेरी है, यही सच्चा सुशासन है- मुख्यमंत्री

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जनकल्याण हेतु किए गए कार्यों और नीतियों के प्रभावी क्रियान्वयन से देशवासियों को आज एक बड़ा सकारात्मक परिवर्तन स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि किसी भी सरकार की मूल जिम्मेदारी जनता के हित में कार्य करना होती है और आज देश व प्रदेश के नागरिक यह अनुभव कर रहे हैं कि यह सरकार वास्तव में उनकी अपनी सरकार है—यही सुशासन का सच्चा स्वरूप है। उन्होंने कहा कि एक समय था जब लोग यह मानते थे कि केवल पाँच वर्ष पूरे करने होते हैं और फिर सरकार बदल ही जाती है, लेकिन आज स्थिति बदल चुकी है। अब जनता बदलाव नहीं, बल्कि धरातल पर दिखाई देने वाला ठोस और परिणाम मुखी कार्य चाहती है।

मुख्यमंत्री वीरवार को पंचकूला में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों और सतत मूल्यांकन के लिए 'नेशनल एजुकेशन इवैल्यूएशन एंड वेलिडेशन (नीव) पोर्टल'का शुभारंभ किया। साथ ही, मुख्यमंत्री की उपस्थिति में 'ज्ञान सेतु' पहल के अंतर्गत स्वर्ण जयंती हरियाणा इंस्टीट्यूट फॉर फिस्कल मैनेजमेंट और विभिन्न विश्वविद्यालयों के बीच एमओयू पर हस्तासक्षर किए गए।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति डिग्री के साथ कौशल और आत्मनिर्भरता पर आधारित दूरदर्शी पहल

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज का दिन हरियाणा के शैक्षणिक इतिहास में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा, क्योंकि आज हरियाणा के शिक्षा परिदृश्य को एक नई दिशा मिली है, जो प्रदेश के भविष्य को सशक्त आधार प्रदान करेगी। आज हुए सभी एमओयू का उद्देश्य दूरदर्शी सोच पर आधारित है, ताकि हरियाणा अपनी जड़ों से जुड़ते हुए मजबूती के साथ आगे बढ़ सके। इसी क्रम में 24 दिसंबर को केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह द्वारा विज़न डॉक्यूमेंट–2047 का शुभारंभ किया गया था। यह संकल्प प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के विजन के अंतर्गत है।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच का परिणाम है, जिसका उद्देश्य ऐसी शिक्षा व्यवस्था विकसित करना है जो केवल काग़ज़ी डिग्रियों तक सीमित न रहे। इस नीति के तहत शिक्षा को कौशल-आधारित बनाया गया है, ताकि युवा शिक्षित होने के साथ-साथ उसके पास ऐसे व्यावहारिक हुनर हों जो उसे आत्मनिर्भर बनाएं और सम्मानजनक आजीविका अर्जित करने में सक्षम करें। इसी सोच के अनुरूप हरियाणा को देश का ग्रोथ इंजन बनाने की बड़ी जिम्मेदारी हम सभी की है और आज हुए एमओयू का लाभ आने वाले समय में प्रदेश की जनता, विशेषकर युवाओं और विद्यार्थियों को मिलेगा।

बजट में पहली बार शोध (रिसर्च) के लिए 20 करोड़ रुपये का प्रावधान

मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में पहली बार शोध (रिसर्च) के लिए 20 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक कदम है। बजट तैयार करते समय हमारी यह स्पष्ट सोच थी कि विश्वविद्यालय शोध के क्षेत्र में आगे आएँ और विद्यार्थी जमीनी समस्याओं के समाधान से जुड़ें। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि आज हम देख रहे हैं कि जलभराव (वाटरलॉगिंग) एक गंभीर समस्या बन चुकी है, इसलिए एक विश्वविद्यालय इस विषय पर गहन शोध कर स्थायी समाधान सुझाए।

मोदी सरकार की जनकल्याणकारी पहलों से बदली देश-प्रदेश की तस्वीर

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि वर्ष 2014 से पहले जिन मुद्दों पर कभी गंभीरता से विचार नहीं हुआ, उन्हें प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ठोस सोच के साथ अमल में लाकर जनकल्याण का माध्यम बनाया। मोदी सरकार की जनकल्याणकारी पहलों से देश-प्रदेश की तस्वीर बदली है। आयुष्मान भारत–चिरायु योजना से करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा मिली, हर घर नल से जल योजना ने ग्रामीण महिलाओं की कठिनाइयाँ कम कीं, 'म्हारा गांव-जगमग गांव' पहल से हरियाणा में अधिकांश गांवों में 24 घंटे बिजली पहुंची और उज्ज्वला योजना से गरीब परिवारों को गैस कनेक्शन मिले। इन पहलों ने बुनियादी समस्याओं का समाधान कर लोगों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का एक स्पष्ट और दूरदर्शी विज़न है—विकसित भारत का। उन्होंने 2014 के बाद संकल्प लिया और विजन रखा कि भारत दुनिया की पाँचवीं आर्थिक शक्ति बनेगा और भारत ने इस लक्ष्य को प्राप्त भी किया। इसके बाद आज भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है और तीसरी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की ओर तेजी से अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में देश में एक व्यापक और स्पष्ट बदलाव दिखाई देता है, जिसकी चर्चा आमजन से लेकर हर वर्ग में हो रही है। आज किए गए एमओयू का उद्देश्य भी यही है कि विकसित भारत की परिकल्पना को विकसित हरियाणा से जोड़ते हुए आने वाले समय में प्रमुख स्तंभों को और सुदृढ़ किया जाए, जिसमें रिसर्च के क्षेत्र को प्राथमिकता दी गई है।

मोटी-मोटी बातें

पंजाब में खौफनाक वारदात: फाइनेंसर ने पत्नी और 2 मासूम बेटियों को गोली मारकर खुद को उड़ाया; बेडरूम में मिलीं 4 लाशें

फिरोजपुर - पंजाब के फिरोजपुर से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। शहर के हरमन नगर इलाके में एक हंसते-खेलते परिवार का बेहद दर्दनाक अंत हो गया। यहां रहने वाले फाइनेंसर और सैलून मालिक माही सोढ़ी (अमनदीप सिंह) ने अपनी पत्नी और दो मासूम बेटियों की गोली मारकर हत्या कर दी और उसके बाद खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया। पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

वारदात का खुलासा तब हुआ जब सुबह घर में काम करने वाली सफाई कर्मचारी पहुंची। उसने काफी देर तक दरवाजा खटखटाया और आवाजें दीं, लेकिन अंदर से कोई हलचल नहीं हुई। घबराकर उसने ऊपर की मंजिल पर रहने वाले किराएदार को सूचित किया। किराएदार ने माही को फोन भी किया, अंदर घंटी बजती रही लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। अनहोनी या गैस चढ़ने की आशंका के चलते किराएदार और पड़ोसी करनजीत सिंह ने जब दरवाजा तोड़ा, तो अंदर का मंजर देख उनके होश उड़ गए। बेडरूम में अमनदीप, उसकी पत्नी जसवीर कौर, 10 वर्षीय बेटी मनवीर और 6 वर्षीय बेटी परनीत की खून से लथपथ लाशें पड़ी थीं।

घटना की जानकारी मिलते ही एसएसपी भूपिंदर सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल से वह पिस्टल भी बरामद कर ली, जिससे गोलियां चलाई गई थीं। एसएसपी भूपिंदर सिंह ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। घर के अंदर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, जिनकी फुटेज को पुलिस खंगाल रही है। इससे यह स्पष्ट हो जाएगा कि घटनाक्रम कैसे हुआ और क्या वाकई माही सोढ़ी ने ही इस वारदात को अंजाम दिया है या इसके पीछे कोई और साजिश है।

इस घटना से पड़ोसियों और रिश्तेदारों में गहरा सदमा है। आसपास के लोगों के मुताबिक, यह परिवार बेहद मिलनसार था। बीती रात ही उन्हें साथ में खुश होकर घूमते हुए देखा गया था, लेकिन सुबह 11 बजे उनकी मौत की खबर ने सबको सन्न कर दिया। किसी को यकीन नहीं हो रहा कि आखिर ऐसी क्या वजह रही होगी कि पिता ने अपनी ही फूल जैसी बच्चियों और पत्नी को मौत की नींद सुला दिया। पुलिस सारी घटनाक्रम की जांच कर रही है यह भी जांच की जाएगी कि यह हत्या है कि आत्महत्या है।

ढाका का बड़ा फैसला, भारत में वीजा सेवा निलंबित, अमेरिका से छूट की गुहार

ढाका– बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने आज कहा कि उसने सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर दिल्ली सहित भारत में स्थित अपने प्रमुख मिशनों से वीजा सेवाएं निलंबित करने को कहा है। विदेश मामलों के सलाहकार एम.तौहीद हुसैन ने अपने कार्यालय में एक मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि बांग्लादेश ने अमेरिका द्वारा हाल में लागू की गई 'वीजा बॉन्ड' की आवश्यकता को भी रद्द करने की मांग की है।

हुसैन ने कहा कि मैंने भारत में स्थित अपने तीनों मिशनों को फिलहाल वीजा संबंधी खंड बंद रखने के लिए कहा है। यह सुरक्षा का मामला है। सलाहकार की यह टिप्पणी तब आई जब कोलकाता स्थित बांग्लादेश के उप उच्चायोग ने रातोंरात वीजा सेवाओं को बंद कर दिया, जबकि दिल्ली और अगरतला में भी इसी तरह के कदम उठाए गए थे, जिनमें व्यापार और कार्य वीजा को इसके दायरे से बाहर रखा गया था।

बांग्लादेश के मुंबई और चेन्नई में भी राजनयिक मिशन हैं, जहां वीजा सेवाएं चालू रहीं। भारत ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए इससे पहले पांच अगस्त 2024 के बाद बांग्लादेशी नागरिकों के लिए वीजा पर रोक लगा दी थी। जुलाई-अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक विरोध प्रदर्शन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के गिरने के बाद से बांग्लादेश और भारत के संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं।

हुसैन ने यह भी कहा कि बांग्लादेश अमेरिका द्वारा हाल में लागू की गई 'वीजा बॉन्ड' की आवश्यकता से छूट प्राप्त करने के लिए राजनयिक प्रयास करेगा। उन्होंने इस निर्णय को 'निश्चित रूप से हमारे लिए दुर्भाग्यपूर्ण और पीड़ादायक' बताया। हालांकि, उन्होंने कहा कि अमेरिकी निर्णय 'असामान्य नहीं' था क्योंकि यह केवल बांग्लादेश पर लागू नहीं हुआ है और अमेरिकी प्रशासन के इस कदम के मद्देनजर कई देशों को आव्रजन संबंधी चुनौतियों का सामना करना पड़ा।

इस बीच, जब विदेश सलाहकार से पाकिस्तान से जेएफ-17 थंडर लड़ाकू विमान खरीदने में बांग्लादेश की 'संभावित रुचि' के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि मैं आज इस बारे में कुछ नहीं कह सकता। (लेकिन) बातचीत चल रही है। चीजों को अंतिम रूप दे दिया जाएगा तो आपको पता चल जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचे वोटर लिस्ट विवाद, 13 जनवरी को होगी अगली सुनवाई

नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट बिहार समेत कई राज्यों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण संबंधी निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह पर 13 जनवरी को सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिन में याचिकाओं की सुनवाई तय की थी।

पीठ ने कहा कि कार्यवाही मंगलवार को फिर से शुरू होगी। निर्वाचन आयोग की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी मामले में अपनी दलीलें पेश करने वाले थे। निर्वाचन आयोग ने छह जनवरी को पीठ को बताया था कि उसके पास मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की शक्ति और क्षमता है।

इसके अलावा यह सुनिश्चित करना एक संवैधानिक कर्तव्य है कि किसी भी विदेशी को मतदाता के रूप में पंजीकृत न किया जाए। बिहार समेत कई राज्यों में एसआईआर कराने संबंधी निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं में चुनाव आयोग की शक्तियों के दायरे, नागरिकता और मतदान के अधिकार से संबंधित महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रश्न उठाए गए हैं।

वेदांता चेयरमैन अनिल अग्रवाल के बेटे अग्निवेश का 49 वर्ष की आयु में निधन

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली– माइनिंग किंग और वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के बेटे अग्निवेश अग्रवाल का अमेरिका में निधन हो गया है। 49 वर्षीय अग्निवेश का निधन कार्डियक अरेस्ट की वजह से हुआ। वह वेदांता समूह की कंपनी 'तलवंडी साबो पावर लिमिटेड' के बोर्ड के सदस्य थे। अपने बेटे को खोने के गम में अनिल अग्रवाल ने सोशल मीडिया पर एक बेहद भावुक पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखा-आज मेरे जीवन का सबसे काला दिन है। मेरा प्यारा बेटा अग्निवेश हमें बहुत जल्दी छोड़कर चला गया। वह केवल 49 वर्ष का था, पूरी तरह स्वस्थ और सपनों से भरा हुआ था। अमेरिका में एक स्कीइंग दुर्घटना के बाद, वह न्यूयॉर्क के माउंट सिनाई अस्पताल में अच्छी तरह से रिकवर हो रहा था। हमें लगा कि सबसे बुरा दौर बीत चुका है, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था और अचानक आए कार्डियक अरेस्ट ने हमारे बेटे को हमसे छीन लिया।

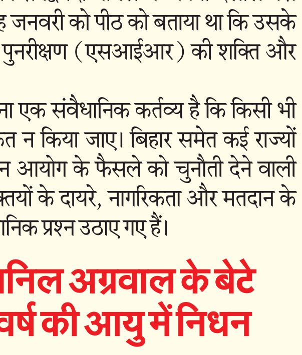

13 जनवरी को होगी आरटीए की बैठक: मनीष सोनी

धर्मशाला। क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण सचिव मनीष कुमार सोनी ने जानकारी दी है कि कांगड़ा क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण की बैठक 13 जनवरी 2026 को क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी कार्यालय धर्मशाला में प्रस्तावित है जिसमें आरटीए से सम्बन्धित मामले जैसे इस कार्यालय के अधीन क्षेत्रों बारे प्रकाशित 55 स्टैज कैरिज रूटों (18 सीटर) हेतू जिन प्राथियों/वाहन मालिकों द्वारा 28 जुलाई 2025 तक आनलाईन आवेदन किया है, उन पर चर्चा व उनका आबंटन किया जाऐगा। इसके अतिरिक्त रूट परमिट ट्रांसफर, बसों की सीट क्षमता बढाने/घटाने व बसों के रूट परमिट में नवीकरण आदि बारे चर्चा की जाएगी। उन्होंने वाहन मालिकों से अनुरोध किया कि वह अपने इन कार्यों से संबंधित आवेदन पूर्ण दस्तावेजो सहित परिवहन विभाग द्वारा संशोधित प्रपत्रों, पर किसी भी कार्यालय दिवस पर 09 जनवरी 2026 तक जमा करवा सकते हैं जिनकी जांच करने के उपरान्त उपयुक्त आवेदनों को बैठक में क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के समक्ष रखने हेतु स्वीकृत किया जाऐगा। उन्होंने कहा कि 09 जनवरी 2026 के उपरान्त प्राप्त आवेदनों पर प्रस्तावित बैठक में चर्चा नहीं की जाऐगी। जिन प्रार्थियों/वाहन स्वामियों द्वारा रूट परमिट को ट्रांसफर करने हेतु आवेदन किया गया है व विभाग द्वारा प्रकाशित रूटों हेतु जिन प्रार्थियों/वाहन स्वामियों ने 28 जनवरी 2025 तक आनलाईन आवेदन किया है, उनसे अनुरोध है कि वे स्वयं क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण की इस बैठक में उपस्थित होना सुनिश्चित करें ताकि उनके आवेदनों पर क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण द्वारा निर्णय लिया जा सकें।

राज्यपाल ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय का कैलेंडर जारी किया

शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज यहां हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, का वार्षिक कैलेंडर-2026 जारी किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. महावीर सिंह, कुलसचिव ज्ञान सागर नेगी तथा राज्यपाल के सचिव सी.पी. वर्मा उपस्थित रहे।

उप-मुख्यमंत्री ने 43वीं परिवहन विकास परिषद् की बैठक में उठाए हिमाचल के अहम मुद्दे

शिमला। उप-मुख्यमंत्री एवं परिवहन मंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने आज नई दिल्ली में परिवहन मंत्रियों की राष्ट्र स्तरीय बैठक एवं 43वीं परिवहन विकास परिषद् की बैठक में भाग लिया। केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में मुकेश अग्निहोत्री ने हिमाचल प्रदेश के परिवहन क्षेत्र से जुड़े कई महत्त्वपूर्ण मुद्दे उठाए और उनके समाधान के लिए केन्द्र सरकार से सहयोग का आग्रह किया।

उप-मुख्यमंत्री ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा टैक्सी परमिट की वैधता वर्तमान में 12 वर्ष निर्धारित है, जिससे वाहन मालिकों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने टैक्सी परमिट की अवधि को कम से कम 15 वर्ष या वाहन के सड़क पर चलने योग्य रहने तक बढ़ाने का आग्रह किया। उन्होंने हिमाचल प्रदेश की कठिन भौगोलिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि राज्य में भूमि की उपलब्धता सीमित है। उन्होंने क्लस्टर योजना के तहत ड्राइविंग टेस्ट स्कूल और ऑटोमेटिक टेस्टिंग स्टेशन को अलग-अलग स्थापित करने की व्यवस्था करने का आग्रह किया, ताकि इस केन्द्रीय योजना का लाभ प्रदेश के लोगों को मिल सके। इसके अलावा, उन्होंने मालवाहक वाहनों जैसे टिप्पर की वाहन क्षमता वास्तविक ढुलाई के अनुसार तय करने का सुझाव भी दिया। मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार राज्य में एक प्रभावी, सुरक्षित और जनहितैषी परिवहन व्यवस्था विकसित करने के लिए केन्द्र सरकार के साथ मिलकर निरंतर प्रयास कर रही है। नितिन गडकरी ने मुकेश अग्निहोत्री को हिमाचल प्रदेश की सभी मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री ने स्वास्थ्य सेवाओं में ऑनलाइन सुविधाओं का समावेश करने के निर्देश दिए

स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में कमेटी का गठन

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज यहां स्वास्थ्य विभाग, नेशनल हेल्थ मिशन और निदेशालय चिकित्सा शिक्षा के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं में अधिक से अधिक ऑनलाइन सुविधाओं का समावेश किया जाएगा, इसके लिए नवीनतम सूचना प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि इसके दृष्टिगत स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल की अध्यक्षता में समिति गठित की जाएगी जो दस दिन के भीतर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऑनलाइन सुविधाएं प्रदान करने से समय और साधनों की बचत होने के साथ ही सेवाओं में सुगमता और गुणवत्ता आएगी। उन्होंने विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों और अस्पतालों में मरीजों के पंजीकरण के लिए ऑनलाइन प्रणाली विकसित करने के भी निर्देश दिए। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि हिमकेयर योजना के तहत मैपिंग का कार्य पंचायत स्तर तक सुनिश्चित किया जाए तथा इसमें मरीज के उपचार से सम्बन्धित डेटा भी शामिल किया जाए। उन्होंने आभा कार्ड का एकीकरण हिम परिवार पोर्टल से करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रदान की जाने वाली सेवाओं के डिजिटलीकरण से लोगों को और बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित होंगी। इससे पारदर्शिता और जवाबदेही में वृद्धि होगी, साथ ही सेवाओं की निगरानी और शिकायत निवारण तंत्र और प्रभावी बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के ऑनलाइन रिकार्ड से बेहतर योजना बनाने में मदद मिलेगी और निर्णय क्षमता भी प्रभावी होगी। इससे नवाचार को बढ़ावा मिलेगा तथा स्वस्थ नागरिक-सशक्त राज्य के लक्ष्य को हासिल करने में भी मदद मिलेगी।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि जापान इन्टरनेशनल कोऑपरेशन एजेंसी (जाइका) के सहयोग से प्रदेश में स्वास्थ्य अधोसंरचना को सुदृढ़ किया जा रहा है ताकि स्वास्थ्य संस्थान आधुनिक उपकरणों से लैस हों और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में और अधिक सुधार लाया जा सके। बैठक में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. (कर्नल) धनी राम शांडिल, मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार (नवाचार, डिजिटल प्रौद्योगिकी एवं गवर्नेंस) गोकुल बुटेल, मुख्यमंत्री के सचिव राकेश कंवर, सचिव स्वास्थ्य प्रियंका बासु इंगटी और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

ज़िला स्तरीय गणतंत्र दिवस की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

सोलन। ज़िला स्तरीय गणतंत्रत दिवस समारोह हर वर्ष की भान्ति इस वर्ष भी सोलन के ऐतिहासिक ठोडो मैदान में आयोजित किया जाएगा। यह जानकारी आज यहां उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा ने इस संदर्भ में आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए दी। मनमोहन शर्मा ने कहा कि मुख्यातिथि सर्वप्रथम कारगिल शहीद स्मारक पर कृतज्ञ प्रदेशवासियों एवं ज़िलावासियों की ओर से स्वतंत्रता सेनानियों तथा शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। मुख्यातिथि द्वारा प्रात: 11.00 बजे ठोडो मैदान में ध्वजारोहण किया जाएगा। पुलिस, होमगार्ड्स तथा अन्य टुकड़ियों द्वारा भव्य मार्चपास्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों एवं अन्य को सम्मानित भी किया जाएगा। उत्कृष्ट कर्मचारियों की सूची सभी विभागों को उपायुक्त कार्यालय सोलन को समय पर उपलब्ध करवानी होगी। उन्होंने कहा कि इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि सांस्कृतिक कार्यक्रम की रिहर्सल 20 जनवरी, 2026 को प्रात: 11.30 बजे से ठोडो मैदान अथवा नगर निगम सोलन के हॉल में आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले विद्यालयों एवं संस्थानों को कार्यक्रम सहित पूरी सूची ज़िला लोक सम्पर्क अधिकारी कार्यालय को 15 जनवरी, 2026 तक प्रस्तुत करनी होगी।

उपायुक्त ने विभिन्न विभागों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए निर्धारित उत्तरदायित्वों का समयबद्ध निपटारा सुनिश्चित बनाएं। उन्होंने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, लोक निर्माण, जल शक्ति, पुलिस, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग तथा नगर निगम सोलन को कार्यक्रम के विषय में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए। मनमोहन शर्मा ने सभी विभागों से आग्रह किया कि समस्त अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों सहित कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित बनाएं।

शिक्षा को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए किए जा रहे अहम बदलाव : बाली

● महाराणा प्रताप इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में रहे मुख्य अतिथि।

नगरोटा। महापुरुष महाराणा प्रताप का जीवन हम सभी को साहस, कर्तव्य निष्ठा और दयालुता की सीख देता है यह उद्गार हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष व पर्यटन विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष (कैबिनेट रैंक) आर.एस. बाली ने नगरोटा के धर्मगिरि स्थित महाराणा प्रताप इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यअतिथि बनकर पहुँचने पर कहे। मुख्य अतिथि का स्कूल प्रबंधक कुलदीप सिंह , प्रधानाचार्य ऐश्वर्या समयाल ,के.एस चंबयाल, टेक चंद और संस्था के समस्त गणमान्यों, अध्यापकों अभिभावकों और बच्चों ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया। संबोधन के दौरान बाली ने महाराणा प्रताप इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल के समस्त प्रशासन बच्चों और अभिभावकों को वार्षिक समारोह के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा नगरोटा का यह स्कूल अनेकों बच्चों के जीवन को उज्जवल करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा यहां बच्चों द्वारा दी गई प्रत्येक प्रस्तुति बेहतरीन है जो कि समाज को एक संदेश देने का काम कर रही है इसके लिए बच्चों और अध्यापकों का परिश्रम सराहनीय है। उन्होंने कहा वर्तमान सरकार ने प्रदेश में विद्यार्थियों के लिए गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए 850 संस्थानों को उत्कृष्टता केंद्र के रूप में विकसित किया है। राजीव गांधी डे बोर्डिंग स्कूल बच्चों के भविष्य को एक नया आयाम देने के लिए अहम साबित होंगे। उन्होंने

कहा कि सरकार ने सरकारी स्कूलों में पहली कक्षा से ही अंग्रेजी माध्यम में पढ़ाई का अपना वायदा भी पूरा किया है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में अत्याधुनिक तकनीक से लैस राजीव गांधी डे.बोर्डिंग स्कूल स्थापित किए जा रहे हैं। जिसमें नगरोटा विस क्षेत्र के कबाड़ी में भी डे बोर्डिंग स्कूल का निर्माण किया जा रहा है। बाली ने कहा कि राजीव गांधी डे-बोर्डिंग स्कूलों में सभी अत्याधुनिक सुविधाओं और व्यवस्थाओं से बच्चों के समग्र विकास पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि बच्चों के सम्पूर्ण विकास हेतु पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों को भी बढ़ावा दिया जाएगा। उन्होंने कहा उच्च शिक्षा को गुणवत्ता पूर्वक बनाने के साथ-साथ प्रारंभिक शिक्षा को सुदृढ़ करने के लिए आने को निर्णय लिए जा रहे हैं जिसका लाभ हर वर्ग के बच्चों को मिलेगा। उन्होंने बच्चों को हमेशा नया सीखने और नशे से दूर रहने की प्रेरणा दी।

इससे पूर्व प्रबंधक कुलदीप सिंह, टेक चंद और के.एस चंबयाल संबोधन के दौरान स्कूल के निर्माण से लेकर अब तक के स्कूल की विकास की गाथा का विवरण दिया। उन्होंने बताया उनकी संस्था द्वारा बच्चों को आगे ले जाने लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा स्कूल में एचपीसीए की डे अकैडमी स्थापित की गई हैं जहां पढ़ाई के साथ बच्चे खेलों में भी भविष्य बनाएंगे। उन्होंने बताया स्कूल में बच्चों और समस्त स्टाफ के लिए हास्टल बनाया गया है। प्रधानाचार्या ऐश्वर्या समयाल ने मुख्य अतिथि के समक्ष वार्षिक रिपोर्ट और स्कूल की समस्त गतिविधियों का विवरण दिया। उन्होंने बताया स्कूल के विद्यार्थी पढ़ाई में निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है तो स्कूल के बच्चे अन्य गतिविधियों में भी आगे रहते हैं और जिला राज्य स्तर तक स्कूल का नाम रोशन कर रहे हैं।

स्कूल के बच्चों ने अनेकों मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। मुख्यअतिथि ने स्कूल के मैदान के निर्माण के लिए 15 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने अपने निजी खाते से 5 लाख रुपये स्कूल के विकास पर खर्च करने के लिए देने की घोषणा की। उन्होंने 50 हजार रुपये स्कूल के बच्चों के लिए भी दिए। मुख्य अतिथि ने परीक्षाओं खेलकूद प्रतियोगिताओं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों को इनाम बांटे उन्होंने गणमान्य को भी स्मृति चिन्ह दिए। यह रहे उपस्थित। मुख्य अतिथि सहित एसडीएम मुनीश शर्मा, प्रबंधक कुलदीप सिंह, प्रधानाचार्या ऐश्वर्या समयाल, के.एस चंबयाल, टेकचंद, सुभाष पठानिया, अन्य गणमान्य, समस्त अध्यापक , अभिभावक और बच्चे मौजूद रहे।

विधान सभा अध्यक्ष से मिला 28 राज्यों के छात्र संसद का प्रतिनिधिमण्डल

शिमला। देश के 28 राज्यों से छात्र संसद के प्रतिनिधियों ने आज अपराह्न 12ः30 बजे हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां से विधान सभा सचिवालय में मुलाकात की तथा संवाद कार्यक्रम के तहत प्रतिनिधियों ने विधान सभा अध्यक्ष के साथ बैठक भी की। गौरतलब है कि देश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से सम्बन्ध रखने वाले ये सभी छात्र ङ्क छात्राएँ छात्र संसद से जुड़े हैं। अधिकतर छात्र आई0आईएम0, आई0आई0टी0, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, प्रतिष्ठित महाविद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। छात्र संसद का यह प्रतिनिधिमण्डल 8 से 10 जनवरी तक हि0प्र0 के प्रवास पर रहेगा तथा कई विभूतियों से मुलाकात कर विचारों का आदान ङ्कप्रदान करेगा।

विधान सभा सचिवालय के मुख्य समिति कक्ष में छात्र संसद के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि हम जहाँ पर बैठे हैं उसे कौंसिल चैम्बर कहते हैं। यह एक विरासत भवन है जिसका निर्माण कार्य वर्ष 1920 से शुरू हुआ तथा वर्ष 1925 में यह बनकर तैयार हुआ था। उस समय इसके निर्माण पर 10 लाख रूपये व्यय हुए थे। विधान सभा अध्यक्ष ने कहा इस ऐतिहासिक भवन का निर्माण राष्ट्रीय असैम्बली के रूप में हुआ था तथा यहाँ देश की प्रथम राष्ट्रीय असैम्बली आयोजित की गई थी।

पठानियां ने कहा कि फ्रेडरिक व्हाईट वर्ष 1919 में राष्ट्रीय असैम्बली के प्रथम मनोनीत अध्यक्ष बनाए गए थे लेकिन बाद में वर्ष 1925 में राष्ट्रीय असैम्बली के अध्यक्ष के लिए चुनाव करवाया गया तथा विठ्ठलभाई पटेल अपने अंग्रेज प्रतिद्वन्द्वी को हराकर राष्ट्रीय असैम्बली के प्रथम निर्वाचित चेयरमैन बने थे।

पठानियां ने कहा कि इसी सदन में महिलाओं को मत देने के अधिकार का प्रस्ताव पारित हुआ था तथा ÷अंग्रेजो भारत छोड़ो÷ का प्रस्ताव भी इसी सदन में पारित हुआ था। उन्होने कहा कि हि0प्र0 विधान सभा में सदस्यों की कुल संख्या 68 है तथा 25 जनवरी,1971 को हिमाचल प्रदेश भारतीय गणराज्य का 18वां राज्य बना था। पठानियां ने कहा कि कौंसिल चैम्बर मे पँजाब विधान सभा के सत्र भी आयोजित किए गए तथा यहाँ पर आकाशवाणी केन्द्र भी हुआ करता था। प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यों को सम्बोधित करते हुए पठानियां ने कहा कि हिमाचल प्रदेश ई- विधान प्रणाली को अपनाने वाला पहला राज्य था तथा 4 अगस्त, 2014 को हि0प्र0 विधान सभा पेपर लैस असैम्बली बन गई थी जिसका अनुसरण देश के 22 राज्य भी कर रहे थे लेकिन बाद में डिजिटल इण्डिया अभियान के तहत राष्ट्रीय ई-विधान प्रणाली नेवा को पूरे देश मे लागू करने के लिए कहा गया और हि0प्र0 विधान सभा भी अब राष्ट्रीय ई-विधान प्रणाली अपना चुकी है।

पठानियां ने कहा कि ई-विधान प्रणाली के तहत हम कई मामलों में काफी आगे निकल चुके थे जबकि राष्ट्रीय ई-विधान अपनाने से हम अभी उस रूप से आगे नहीं बढ़ सके हैं। इस अवसर पर पठानियां ने प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यों को विधान सभा की कार्यप्रणाली, सदन में विधेयकों को कैसे लाया जाता है तथा कैसे उन्हें पास करवाया जाता है व माननीय सदस्यों को चर्चा के दौरान कैसे समय आंबटित किया जाता है पर भी भरपूर जानकारी दी।

बैठके के दौरान प्रतिनिधिमण्डल के सदस्यों ने विधान सभा अध्यक्ष से कुल पॉच प्रश्न पूछे जो मुख्यत- दल ङ्क बदल विरोधी कानून, नेवा तथा हिमाचल ई-विधान में अन्तर, काँगड़ा जिला की फिन्ना सिंह सिंचाई परियोजना, राय की विविधता होने के बावजूद दल-बदल कानून लाना क्या व्यवहारिक है तथा विधान सभा अध्यक्ष रहते हुए आप किस तरह से सदन के अन्दर राजनैतिक मतभेदों को कम करवाकर सदन चलाते हैं पर आधारित थे जिनका विधान सभा अध्यक्ष ने सिलसिलेवार जवाब देकर प्रतिनिधियों को संतुष्ट भी करवाया।

दल बदल कानून पर बोलते हुए पठानियां ने कहा कि भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत एक ऐसा नियम है जो सांसदों और विधायकों को निर्वाचित होने के बाद एक पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी में जाने पर दंडित करता है तथा राजनीतिक स्थिरता को सुनिश्चित करता है। इस अवसर पर प्रतिनिधिमण्डल का नेतृत्व करने वाले शशांक ने विधान सभा अध्यक्ष का अतिथि सत्कार, संवाद के लिए समय आबंटन तथा बैठक के दौरान पूछे गए प्रश्नों का सटीक जवाब देने के लिए आभार व्यक्त किया।

सड़कें विकास का आधार : डॉ. शांडिल

10 लाख रुपए की लागत से मनलोग बागा से चौरां तक एम्बुलेंस मार्ग का किया शिलान्यास

सोलन। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि सड़कें हिमाचल जैसे पहाड़ी प्रदेश में विकास का आधार हैं और वर्तमान प्रदेश सरकार बेहतर सड़क अधोसंरचना प्रदान करने एवं सभी गांव को सम्पर्क सुविधा देने के लिए प्रतिबद्ध है। डॉ. शांडिल आज सोलन विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत तोप की बेड़ में मनलोग बागा से चौरां तक एम्बुलेंस मार्ग की आधारशिला रखने के उपरांत उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। इस मार्ग के निर्माण पर लगभग 10 लाख रुपए खर्च होंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि सड़कें सभी के लिए वरदान बनती हैं। हिमाचल जैसे प्रदेश में सड़कें ही परिवहन ही मुख्य साधन है और हमारे किसान-बागवान सड़कों के माध्यम से ही अपने उत्पाद विपणन मण्डियों तक पहुंचाकर प्रदेश तथा अपनी आर्थिकी को मज़बूत बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने पर विशेष बल दे रही है। उन्होंने कहा कि किसानों और ग्रामीणों की आर्थिकी को सुदृढ़ करने के लिए यथा संभव प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश को विकास के पथ पर अग्रसर करने के लिए ग्रामीण क्षेत्रों के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के गतिशील नेतृत्व में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं आरम्भ की गई हैं जिससे किसानों, बागवानों व पशुपालकों को व्यापक स्तर पर लाभ मिल रहा है।

HIMACHAL PRADESH
PUBLIC WORKS DEPARTMENT

E-Procurement Notice
``NOTICE INVITING TENDERS``

The Executive Engineer, Una Division HPPWD Una H.P. on behalf of Governor of H.P. invites the online bids on percentage rate, in electronic tendering system, in 2 cover system for the under mentioned works from the eligible and approved contractors/ Firms registered with HPPWD Department.

Sr. No.	Name of work	Estimated cost	Staring date of Downloading bid	Earnest Money	Cost of tender (in Rs)	Deadline for submission of bid	Time Limit	Eligible class of contractor.
1	Construction of Health & Wellness Centre Jakhera Tehsil & Distt.Una (HP) (SH: C/O New accommodation with attached toilet and Boundary wall (Deposit work)	6,92,557/-	16.01.2025 (10.00 AM)	14000/-	**350/-**	22/01/2026 up to 10.00 A.M.	Three months	**Class-D & C**
2	Restoration of rain damage on 120 metre span bridge at Rampur on Una Santokhgarh road at RD.1/760 (SH: Protection work on Upstream & down stream side of Rampur bridge) (Under MDRF)	36,09,815/-	16.01.2025 (10.00 AM)	72200/-	**2000/-**	22/01/2026 up to 10.00 A.M.	Two months	**Class-D & C**
3	Restoration of rain damage to Path at Ward No.6 HP Kuthar Kalan Tehsil & Distt.Una (HP) (SH: Slab culvert) (Deposit work)	2,49,804/-	16.01.2025 (10.00 AM)	5000/-	**350/-**	22/01/2026 up to 10.00 A.M.	Two months	**Class-D & C**
4	Repair & maintenance of various bridges in Una Sub-Divn. No.I HP.PWD., Una (SH: Painting on Lalsingi bridge, Foot bridge near DAV school and MS railing including painting on both side approaches of Rampur bridge)	6,93,737/-	16.01.2025 (10.00 AM)	13900/-	**350/-**	22/01/2026 up to 10.00 A.M.	One month	**Class-D & C**
5	Repair of restoration of rain damage of internal road Green Avenue colony Rakkar (SH: C/O 30mm thick BC in various internal road Mohal Tabba km.0/0 to 0/235(Deposit work)	2,95,360/-	16.01.2025 (10.00 AM)	6000/-	**350/-**	22/01/2026 up to 10.00 A.M.	One month	**Class-D & C**
6	Restoration of rain damages of internal road at IRB Bangarh km.0/0 to 1/600 (SH: Repair of pot hole at RD.0/500 to 0/900 & 1/0 to 1/600) (Deposit work)	3,92,539/-	16.01.2025 (10.00 AM)	7900/-	**350/-**	22/01/2026 up to 10.00 A.M.	One month	**Class-D & C**

NOTE-The bidders are advised to note other details of tenders from the departmental website: www.hptenders.gov.in.
The Date of Technical Bid opening 22.01.2026 at 11.00 A.M.

Executive Engineer
Una Division, HP: PWD, Una.
On behalf of Governor of H.P.

R.No. 5545/2025-2026

राज्यपाल ने 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2026' के लिए हिमाचल प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल को किया रवाना

शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने आज लोक भवन से 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग, राष्ट्रीय युवा महोत्सवद्2026' के लिए चयनित हिमाचल प्रदेश के प्रतिभागियों को औपचारिक रूप से रवाना किया। यह प्रतिनिधिमंडल 9 से 12 जनवरी, 2026 तक भारत

मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम में राज्य का प्रतिनिधित्व करेगा, जिसका आयोजन भारत सरकार के युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय द्वारा किया जा रहा है। हिमाचल प्रदेश से कुल 70 प्रतिभागी, जिनमें 65 युवा और पांच एस्कॉर्ट शामिल हैं, इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय मंच पर भाग लेंगे।

युवा नेताओं को बधाई देते हुए राज्यपाल ने उन्हें आत्मविश्वास और दृढ़ विश्वास के साथ अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जीत या हार से अधिक विचारों की प्रभावशीलता और उनकी छाप महत्वपूर्ण होती है। राज्यपाल ने युवाओं से नशे से दूर रहने का आह्वान करते हुए कहा कि केवल स्वस्थ और एकाग्र पीढ़ी ही विकसित भारत के निर्माण में सार्थक योगदान दे सकती है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का विकास होता है और स्वस्थ मस्तिष्क के साथ ही राष्ट्र की प्रगति की कल्पना और उसमें योगदान संभव है। इस अवसर पर उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के शब्दों का स्मरण करते हुए कहा कि सपने वे होते हैं जो खुली आंखों से देखे जाते हैं। राज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि देवभूमि हिमाचल का प्रतिनिधित्व कर रहे ये युवा अपने विचार ऐसे प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करेंगे कि राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा और पहचान प्राप्त हो। इससे पूर्व, एमवाई भारत हिमाचल प्रदेश के सहायक निदेशक विजय कुमार तथा जिला युवा अधिकारी प्रदीप कुमार ने राज्यपाल का स्वागत कर उन्हें सम्मानित किया। प्रदीप कुमार ने चयन प्रक्रिया और डायलॉग के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को नीति, प्रौद्योगिकी, खेल और सतत विकास में नेतृत्व के माध्यम से राष्ट्र निर्माण से जोड़ता है। एनएसएस राज्य नोडल अधिकारी डॉ. सरोज भारद्वाज ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव सी.पी. वर्मा, युवा सेवाएं एवं खेल विभाग के अतिरिक्त निदेशक हितेश आजाद तथा अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। यह राष्ट्रीय कार्यक्रम 12 जनवरी को संपन्न होगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25, स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। **सम्पादकः- एकान्ति रॉय गर्ग,** मुख्य कार्यालयः बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109(हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

2000 रुपये रिश्वत लेते क्लर्क को विजीलैंस ब्यूरो ने किया काबू

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विजीलैंस ब्यूरो ने प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही अपनी मुहिम के तहत नगर निगम, जालंधर की जल सप्लाई और सीवरेज शाखा में तैनात क्लर्क करुण धीर को 2000 रुपये रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों काबू किया है। इसके अलावा दोषी के घर की तलाशी के दौरान विजीलैंस ब्यूरो टीम को 2.72 लाख रुपये बरामद हुए हैं।

आज यहां यह जानकारी देते हुए राज्य विजीलैंस ब्यूरो के प्रवक्ता ने कहा कि उक्त दोषी को राम नगर, जालंधर के एक निवासी द्वारा दर्ज करवाई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है।

प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता पिछले पंद्रह महीनों से जालंधर के दोआबा चौक के पास एक अहाता चला रहा है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि दोषी करुण धीर उसके अहाते पर आया था और उसने शिकायतकर्ता को कथित तौर पर गैर-कानूनी कनेक्शन इस्तेमाल करने और गंदा पानी सीवरेज में डालने की आड़ में उसका पानी और सीवरेज कनेक्शन काटने की धमकी दी थी।

शिकायतकर्ता द्वारा यह बताने के बावजूद कि कनेक्शन लगभग 15 सालों से चल रहा है, दोषी अधिकारी उसे धमकियां देता रहा और रिश्वत की मांग करता रहा।

प्रवक्ता ने आगे बताया कि शिकायतकर्ता ने विजीलैंस ब्यूरो का दरवाजा खटखटाया और आरोप लगाया कि दोषी करुण धीर ने पानी और सीवरेज कनेक्शन न काटने के बदले 2000/- रुपये की रिश्वत मांगी थी। शिकायतकर्ता ने रिश्वत मांगने की पूरी बातचीत सबूत के तौर पर रिकॉर्ड कर ली थी।

'युद्ध नशेयां विरुद्ध' के 313वें दिन पंजाब पुलिस ने 1 किलो हेरोइन सहित 98 नशा तस्कर किए काबू

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रदेश से नशों का पूर्ण खात्मा करने के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरू की गई मुहिम "युद्ध नशेयां विरुद्ध" के 313वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 359 स्थानों पर छापेमारी की, जिसके बाद पूरे प्रदेश में 82 एफआईआर दर्ज करके 98 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इससे 313 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 43,691 हो गई है।

छापेमारी के नतीजे के रूप में गिरफ्तार नशा तस्करों के कब्जे से 1.04 किलोग्राम हेरोइन, 7 किलो गांजा, 105 क्विंटल भुक्की, 20,900 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 14,070 रुपये ड्रग मनी बरामद की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों और एसएसपीज को पंजाब को नशा मुक्त प्रदेश बनाने के आदेश दिए हैं।

पंजाब सरकार द्वारा नशों के विरुद्ध जंग की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब कमेटी भी गठित की गई है।

झज्जर-बचौली जंगली जीव सैंक्चुअरी का नाम श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के नाम पर रखा जाएगा

पंजाब राज्य जंगली जीव बोर्ड की स्टैंडिंग कमेटी ने दी मंजूरी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब राज्य जंगली जीव बोर्ड की स्टैंडिंग कमेटी ने आज एक ऐतिहासिक फैसला लेते हुए रूपनगर जिले की झज्जर-बचौली जंगली जीव सैंक्चुअरी का नाम नौवें सिख गुरु श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी के नाम पर रखने की मंजूरी दे दी है। इसके बाद इस सैंक्चुअरी को श्री गुरु तेग बहादुर जंगली जीव सैंक्चुअरी के रूप में जाना जाएगा।

मीटिंग की अध्यक्षता करते हुए जंगलात एवं जंगली जीव सुरक्षा मंत्री लाल चंद कटारूचक्क ने कहा कि श्री गुरु तेग बहादुर साहिब जी का 350वां शहीदी दिवस पिछले साल 25 नवंबर को श्री आनंदपुर साहिब में धार्मिक उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया था। कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस द्वारा झज्जर-बचौली जंगली जीव सैंक्चुअरी का नाम बदलकर श्री गुरु तेग बहादुर जी के नाम पर रखने की सिफारिश भेजी गई थी।

उल्लेखनीय है कि यह जंगली जीव सैंक्चुअरी तीन गांवों झज्जर, बचौली और लमलेहरी में 289 एकड़ क्षेत्र में फैली हुई है। इनमें से 218 एकड़ क्षेत्र झज्जर में, 55 एकड़ बचौली में और बाकी लमलेहरी में आता है। इसके अलावा, जंगली जीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, जंगली जीव सुरक्षा अधिनियम, 1972 की धारा 18 (1) के अनुसार पूरे 289 एकड़ क्षेत्र को झज्जर-बचौली जंगली जीव सैंक्चुअरी घोषित किया गया था।

इस मौके पर अन्यों के अलावा जंगलात एवं जंगली जीव सुरक्षा विभाग के सचिव प्रियांक भारती, प्रमुख मुख्य वनपाल (जंगलात फोर्स के प्रमुख) धर्मिंदर शर्मा, चीफ वाइल्डलाइफ वार्डन बसंता राज कुमार और सी.सी.एफ. (जंगली जीव) सतिंदर सागर मौजूद थे।

पंजाब विधान सभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां और कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां द्वारा पंजाब राज्य खाद्य आयोग की नई लाइब्रेरी का उद्घाटन

लाइब्रेरी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, संवैधानिक प्रावधानों, न्यायिक फैसलों, कृषि, पोषण तथा लोक कल्याण योजनाओं से संबंधित शोध सामग्री से सुसज्जित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। एक ऐतिहासिक पहल के अंतर्गत आज पंजाब स्टेट फूड कमीशन की नवस्थापित लाइब्रेरी का भव्य उद्घाटन महात्मा गाँधी राज्य लोक प्रशासन संस्थान (मगसीपा) सेक्टर-26, चंडीगढ़ स्थित मुख्यालय में हुआ। इस लाइब्रेरी का संयुक्त रूप से उद्घाटन पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां तथा कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री गुरमीत सिँह खुड्डियां ने किया।

इस अवसर पर फूड कमीशन के चेयरमैन बाल मुकन्द शर्मा ने जानकारी दी कि पंजाब स्टेट फूड कमीशन देश का पहला राज्य फूड कमीशन संस्थान बन गया है जिसने औपचारिक रूप से अपनी लाइब्रेरी स्थापित की है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि पूरे देश के लिए गर्व का विषय है और अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

मुख्य अतिथि कुलतार सिंह संधवां ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की लाइब्रेरियां संवैधानिक संस्थानों को बौद्धिक रूप से सशक्त बनाती हैं और जनहित से जुड़े मामलों में सही दिशा प्रदान करती हैं।

कृषि मंत्री गुरमीत सिंह खुड्डियां ने कहा कि पंजाब स्टेट फूड कमीशन की यह पहल खाद्य सुरक्षा, किसानों के कल्याण तथा गरीब वर्ग के हित में अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी।

फूड कमीशन के सदस्यों—विजय दत्त, चेतन प्रकाश धालीवाल एवं जसवीर सिंह सेखों—ने बताया कि यह लाइब्रेरी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम, संवैधानिक प्रावधानों, न्यायिक निर्णयों, कृषि, पोषण तथा जनकल्याण योजनाओं से संबंधित पुस्तकों एवं शोध सामग्री से सुसज्जित है। इससे फूड कमीशन के कार्यों में पारदर्शिता, गुणवत्ता तथा निष्पक्ष निर्णय-प्रक्रिया को मजबूती मिलेगी। नववर्ष के उपलक्ष्य में पंजाब स्टेट फूड कमीशन द्वारा सुखमनी साहिब का पाठ, शब्द कीर्तन का आयोजन भी किया गया।

कार्यक्रम के समापन पर चेयरमैन एवं सभी सदस्यों ने मुख्य अतिथियों, विशिष्ट अतिथियों, अधिकारियों, कर्मचारियों तथा संगत का हार्दिक धन्यवाद किया।

कृषि-आधारभूत संरचना को मजबूत करने के लिए पंजाब दो पुरस्कारों से सम्मानित: मोहिंदर भगत

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार प्रदेश की कृषि के आधारभूत ढांचे को और मजबूत करने तथा किसानों की आय बढ़ाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। कैबिनेट मंत्री श्री मोहिंदर भगत के दिशा-निर्देशों के तहत बागवानी विभाग, जो ए.आई.एफ. योजना को लागू करने के लिए राज्य नोडल एजेंसी है, ने अपने निरंतर प्रयासों के कारण पंजाब की कृषि आधारभूत संरचना को मजबूत करने में अपनी शानदार कार्यक्षमता के लिए राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त की है। कृषि आधारभूत संरचना फंड (ए.आई.एफ.) योजना के तहत परियोजनाओं को बेहतरीन ढंग से लागू करने तथा प्रभावी निगरानी के लिए पंजाब को दो प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए बागवानी मंत्री श्री मोहिंदर भगत ने बताया कि भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा चंडीगढ़ में आयोजित एक क्षेत्रीय सम्मेलन के दौरान पंजाब को 'बेस्ट परफॉर्मिंग स्टेट' तथा 'बेस्ट स्टेट प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग यूनिट' के रूप में पुरस्कार प्राप्त हुए हैं।

उन्होंने आगे बताया कि 31 दिसंबर, 2025 तक पंजाब में कुल 31,076 परियोजनाओं को ए.आई.एफ. योजना के तहत मंजूरी दी गई है, जिनमें 11,270 करोड़ रुपये का निवेश शामिल है। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं के लिए विभिन्न बैंकों द्वारा 7,221 करोड़ रुपये के ऋण भी मंजूर किए गए हैं।

मिथ्या चेतना का दर्शनशास्त्र

लेखक: श्री हरदीप सिंह पुरी, केंद्रीय मंत्री पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस

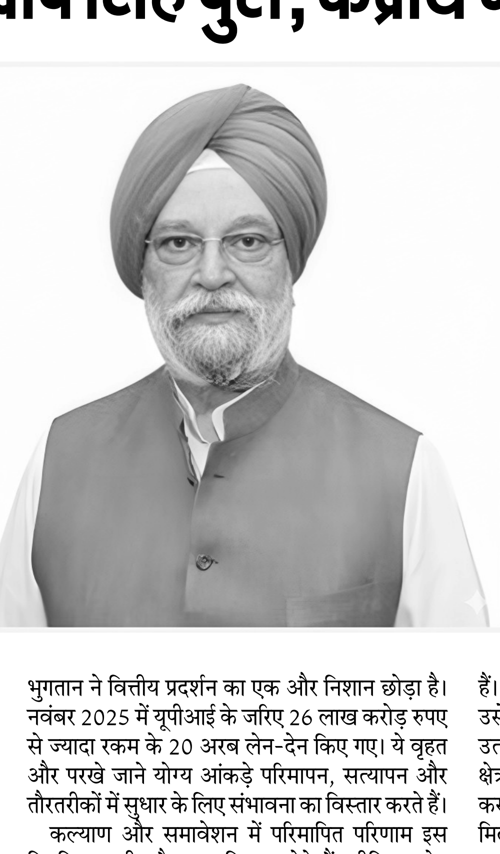

भारत में 2026 के आरंभ में सार्वजनिक बहस नववर्ष के अनुशासन के साथ शुरू होनी चाहिए। हमें पड़ताल और तीखी आलोचनाओं का भी स्वागत करना चाहिए। लेकिन इस बात पर भी जोर देना चाहिए कि बहस के साथ जवाबदेही शामिल हो। कुल 1.4 अरब की आबादी वाले गणराज्य को निराशावाद से नहीं सुधारा जा सकता। रोजगार, उत्पादकता, निर्यात और समावेशन सबसे अच्छे समय में भी आसान नहीं होते। प्रगति डिजाइन, क्रियान्वयन, सुधार और परिमापन के नीरस मेल से आती है। नया साल निराशावाद को संशयवाद से अलग करने का भी क्षण है।

फ्रेडरिक नीत्शे ने 'बेयांड गुड एंड ईवल' में लिखा है: 'दार्शनिक को सिर्फ आलोचक या दर्शक होने के बजाय मूल्यों का सर्जक होना चाहिए। उसे तत्वचिंतन जीवन के खिलाफ नहीं, बल्कि उसके नजरिए से करना चाहिए।' लोकनीति में इसी तरह के दृष्टिकोण की दरकार है। आलोचनाओं का स्वागत है। मगर ये साक्ष्य तथा एक जटिल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र का शासन चलाने की ज्वलंत बाधाओं से आबद्ध होनी चाहिए। जब संशयवाद एक भंगिमा बन जाए तो यह सुधार संभव बनाने वाली संस्थाओं में विश्वास को खत्म करता है।

पिछले वर्षों में टिप्पणी की एक नई विधा सामने आई है। यह संदेह को सुसंस्करण के तौर पर पेश करती है। यह सुधार के कार्य को मजाक में तब्दील कर देती है। यह हर अपूर्ण परिवर्तन को स्थाई नाकामी के सबूत के तौर पर लेती है। यह एक चिरपरिचित सांत्वना पेश करती है: भारत कदाचित अपने ही नीति निर्माताओं से अभिशप्त है। इस दृष्टिकोण के अपने नतीजे हैं। यह आंकड़ों और बाजारों में विश्वास को घटाता है। यह उद्यमियों और निवेशकों में नियतिवाद को प्रोत्साहित करता है। साथ ही यह बाहरी ताकतों को वार्ताओं में भारत को दबाव में लाने के लिए तैयार कथानक भी प्रदान करता है। विशेषज्ञता को तथ्यों के प्रति जवाबदेह बने रहना चाहिए।

जबूत पेशेवर और शैक्षिक पृष्ठभूमि का दंभ भरने वाले कुछ टिप्पणीकारों का इस तरह की भंगिमा का सहारा लेना चिंता की बात है। इनमें से कुछ ऐसे टिप्पणीकारों को मैं जानता हूं जिनकी पहचान और विश्वसनीयता भारत पर आधारित है। लेकिन वे संभवतः ध्यानाकर्षण या अब सरकार का हिस्सा नहीं होने के बावजूद प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए देश के खिलाफ अनाप-शनाप बोल कर अपना कॅरियर बनाने की कोशिश में लगे हैं।

उनका यह आरोप कि भारत के आंकड़े विशिष्ट तौर पर अविश्वसनीय हैं, हमारी विकास की दिशा के साथ मेल नहीं खाते। माल और सेवा कर (जीएसटी) के अंतर्गत टैक्स संग्रह में जो वृद्धि हुई और इसने अनुपालन की जिस संस्कृति को पैदा किया है वह एक दशक पहले नहीं थी। वर्ष 2024-25 में सकल जीएसटी संग्रह 22 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा। यानी औसतन प्रति माह 1.8 लाख करोड़ रुपए जीएसटी का संग्रह किया गया। डिजिटल भुगतान ने वित्तीय प्रदर्शन का एक और निशान छोड़ा है। नवंबर 2025 में यूपीआई के जरिए 26 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रकम के 20 अरब लेन-देन किए गए। ये वृहत और परखे जाने योग्य आंकड़े परिमापन, सत्यापन और तौरतरीकों में सुधार के लिए संभावना का विस्तार करते हैं।

कल्याण और समावेशन में परिमापित परिणाम इस नियतिवाद की और हवा निकाल देते हैं। नीति आयोग के राष्ट्रीय बहुआयामी निर्धनता सूचकांक के अनुसार 2013-14 और 2022-23 के बीच लगभग 24 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर आ गए। अब बहुआयामी निर्धनता लगभग 30 प्रतिशत से घट कर तकरीबन 11 प्रतिशत रह गई है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) से डिलीवरी दुरुस्त हुई है। वर्ष 2025 में 45 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण हुआ। डीबीटी काल में धन के अपव्यय में कमी के जरिए 3.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रकम की बचत हुई। वित्तीय समावेशन 56 करोड़ से ज्यादा जन धन खातों के साथ अब सार्वजनिक अवसंरचना बन गया है।

वित्तीय अनुशासन में सुधार के प्रभाव अब दिखाई देने लगे हैं। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल गैरनिष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) 2018 में 11.2 प्रतिशत से घट कर 2025 में 2.1 प्रतिशत रह गई है। यह सिर्फ खयाली पुलाव बनाने से नहीं हुआ। यह बैलेंस शीट्स की लगातार सफाई, सख्त निगरानी और एक ऐसे तंत्र को प्रतिबिंबित करता है जिसने सदाबहार ऋण और गुप्त हानियों की गुंजाइश को समय के साथ घटाया है। जब आलोचक कहते हैं कि शासन सुधार नहीं कर सकता तो यह आडंबरहीन कायाकल्प उनके लिए पहला जवाब है।

भारत बड़े पैमाने पर निर्माण नहीं कर सकता यह आरोप लगाने वाले मैन्युफैक्चरिंग परिवेश में हुए बदलावों को नज़रअंदाज़ करते हैं। उत्पादन-से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) कार्यक्रम के तहत, 14 क्षेत्रों में 2 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा का निवेश हुआ है जिससे 18 लाख करोड़ रूपए से ज़्यादा का अतिरिक्त उत्पादन और बिक्री हुई और 12 लाख से ज़्यादा लोगों को रोजगार मिला है। इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र इसका सबसे सटीक उदाहरण है: साल 2024-25 में इलेक्ट्रॉनिक्स का कुल उत्पादन 11 लाख करोड़ रुपये के पार पहुँच गया। इसमें अकेले मोबाइल फोन का उत्पादन 5.5 लाख करोड़ रुपये रहा और मोबाइल का निर्यात लगभग 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गया। ये दुनिया के सबसे कठिन क्षेत्र के बाजार की परीक्षा है जिसमें भारत सफल रहा है।

व्यापार में आपकी पकड़ बेहतर प्रदर्शन और निरंतर टिके रहने से बनती है, न कि केवल निराशा जताने से। साल 2024-25 में सामान और सेवाओं का कुल निर्यात 825 अरब अमरीकी डॉलर के रिकॉर्ड स्तर पर पहुँच गया। टैरिफ और संरक्षणवादी प्रतिक्रियाओं की इस दुनिया में साझेदार आपकी क्षमता के आधार पर फैसला करते हैं। भारत की स्थिति तब और मजबूत होती है जब दुनिया उसे एक ऐसे बाजार के रूप में देखती है जो बड़े पैमाने पर उत्पादन करता है और खरीदता भी है और अब देश ज़रूरी क्षेत्रों में भरोसेमंद तरीके से अलग-अलग तरह की आपूर्ति कर सकता है। घरेलू सुधार और बाहरी दुनिया से जुड़ाव मिलकर भारत को मजबूत बनाते हैं और यही मजबूती हमें व्यापार के क्षेत्र में और मजबूत बनाती है।

किसी भी देश की प्रतिस्पर्धात्मक शक्ति केवल एक योजना या एक मंत्रालय से नहीं आती, बल्कि यह बुनियादी ढांचे, लॉजिस्टिक्स और प्रशासनिक सुधारों के मिले जुले प्रभाव का परिणाम होती है। भारत में यह सुधार औद्योगिक गलियारों, मालगाड़ियों की बेहतर कनेक्टिविटी, बंदरगाहों के बेहतर जुड़ाव और एक साथ काम करने वाले डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के रूप में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं, जिससे समय की बचत होती है। इसका मतलब यह नहीं है कि सभी बाधाएं खत्म हो गई हैं बल्कि महत्वपूर्ण बात यह है कि सरकार ने अब व्यवस्था बनाने, प्रक्रियाओं को आसान बनाने और बड़े पैमाने पर परिणाम देने की अपनी क्षमता को साबित किया है। सही तरीके से काम करने से उत्पादकता हफ्तों में नहीं बढ़ती बल्कि इसमें कई वर्ष लग जाते हैं।

कृषि और ग्रामीण क्षेत्र में कमियां गिनाना और यह मान लेना आसान है कि कुछ भी ठीक नहीं हो सकता। अब नीति का रुख बदल गया है। अब सरकार का ध्यान सीधे तौर पर मदद पहुँचाने और ऐसी संपदा बनाने पर है, जो उत्पादकता और सम्मान दोनों बढ़ाती है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण जल जीवन मिशन है, आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 12.5 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण घरों में नल से पानी का कनेक्शन पहुँचाया गया है। इससे न केवल सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार हुआ है, बल्कि परिवारों पर पानी भरने के बोझ कम हुआ है और समय की बर्बादी भी कम हुई है।

विकास के लाभ सब तक पहुँचने की कहानी स्वास्थ्य, आवास और ऊर्जा के क्षेत्र में भी दिखाई देती है। आयुष्मान भारत ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत 42 करोड़ से ज़्यादा कार्ड जारी किए हैं, जिससे परिवारों को गंभीर बीमारियों के भारी खर्च नहीं करने पर आर्थिक सुरक्षा प्राप्त हुई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत लगभग 3 करोड़ घर बनकर तैयार हो चुके हैं, जिससे परिवारों को न केवल अपनी संपत्ति मिली है बल्कि जीवन में आगे बढ़ने का एक ठोस आधार भी दिया है। इसी तरह, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से 10 करोड़ से ज़्यादा एलपीजी कनेक्शन दिए गए हैं, जिससे उन घरों तक स्वच्छ ईंधन पहुँचा है जो कभी धुएँ और कठिन परिश्रम के जाल में फंसे थे। ये केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि यह वह व्यावहारिक आधार है जिस पर लोगों की आकांक्षाएँ और उनकी कार्यक्षमता टिकी है।

सबसे ज़्यादा निराशा अक्सर राज्यों की स्थिति को लेकर जताई जाती है जैसे कि एक अरब से ज़्यादा लोगों के देश को एक ही तरीके से चलाया जा सकता हो। भारत का संघीय ढांचा थोड़ा शोर-शराबे वाला ज़रूर है, लेकिन यह वक्त के साथ बदलना भी जानता है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और राजस्थान जैसे कई राज्यों ने यह दिखा दिया है कि बेहतर कानून-व्यवस्था, परियोजनाओं की शीघ्र मंजूरी और अवसंरचना के निर्माण में निरंतर काम से निवेश और बेहतर नौकरियाँ मिल सकती हैं। केंद्र सरकार ने इस प्रतिस्पर्धी संघवाद को और मज़बूत किया है। इसके लिए ऐसे राष्ट्रीय प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं जिनसे राज्य जुड़ सकते हैं, ऐसा फंड बनाया है जो बेहतर काम करने पर इनाम के तौर पर दिया जाता है और सुधारों के आंकड़ों को इतना पारदर्शी बना दिया है कि जनता खुद सरकार के काम का फैसला कर सके।

भारत की प्रगति की कहानी अभी पूरी नहीं हुई है, इस पर हमेशा बहस होती रहेगी। सवाल यह है कि नए साल की शुरुआत में हम किस तरह की बहस चुनते हैं। जब बड़े-बड़े पेशेवर लोग केवल अनुमानों या इशारों को ही 'गहन विश्लेषण' मान लेते हैं, तो वे उन संस्थाओं को कमज़ोर करते हैं जो सुधारों को मुमकिन बनाती हैं। यहाँ नीत्शे की बात याद करना ज़रूरी है - एक गंभीर विचारक ऐसे मूल्य पैदा करता है जो समाज को जीने और बेहतर बनने में मदद करें। भारत ने काम करके दिखाने का कठिन रास्ता चुना है। ये नतीजे ही हैं, जो आंकड़ों में भी दिखते हैं और महसूस भी किए जाते हैं। यह किसी भी तरह की निराशा पर भारी पड़ेंगे और लंबे समय तक बने रहेंगे। साल 2026 में, भारत को ऐसी आलोचना की मांग करनी चाहिए जो नीतियों को बेहतर बनाए, न कि ऐसी टिप्पणियों की जो केवल वाहवाही लूटने के लिए देश के आत्मविश्वास को कमज़ोर करती हों। यह वह मानक हैं जो देश के भीतर सुधारों, निवेश और लोकतांत्रिक विकल्प की रक्षा करते हैं।

आम आदमी पार्टी का एक और काला झूठ बेनकाब, पंजाब के पवित्र सदन को फिर गुमराह किया गया : चुग

चंडीगढ़ – भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कहा कि पंजाब की जनता को गुमराह करने के लिए भगवंत मान सरकार द्वारा फैलाया गया एक और बड़ा झूठ अब पूरी तरह बेनकाब हो चुका है। जिस 20,000 करोड़ रुपये के राहत पैकेज का बड़े स्तर पर ढिंढोरा पीटा गया था, वह अब स्वयं पंजाब सरकार के अंतिम नुकसान आकलन में सिमटकर केवल 11,855 करोड़ रुपये रह गया है।

चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड
चंडीगढ़ प्रशासन का उपक्रम
8, जन मार्ग, सेक्टर 9-डी, चंडीगढ़

शुद्धिपत्र

इस समाचार पत्र में दिनांक 18.12.2025 को प्रकाशित सार्वजनिक सूचना में, जहां डी.यू. नं. 5249-3 निर्दिष्ट है, उसे डी.यू. नं. **5429-3 पढ़ा जाए** और निवासी डी.यू. सं. 5429-3, श्रेणी-I, एमएचसी, मनीमाजरा, चंडीगढ़ में शेष अपरिवर्तनीय रहेगा।

सचिव,
चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड,
चंडीगढ़

उत्तर रेलवे

ई-निविदा

खुली निविदा संख्या 49-अम्बाला/2025-26 दिनांक 07.01.2026

वरिष्ठ मंडल अभियंता–समन्वय/अम्बाला के द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई–निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्यों हेतु खुली निविदायें आमंत्रित की जाती है जो कि उन कार्यों के सामने दी गयी तिथि को **15.00 बजे** तक खुली रहेगी और उसके बाद खोली जाएगी।

1 कार्य का नाम: बरवाला (BXC) स्टेशन पर 3 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का प्रावधान।

अनुमानित लागत (रु.)	अग्रिम राशि (रु.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
79,85,048	1,59,700	12 महीने	30.01.2026

2 कार्य का नाम: अंबाला डिवीजन में LDH-DUI सेक्शन पर LC नंबर C-29 और C-52 तथा BTI-SGNR सेक्शन पर LC नंबर 48 के इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग गेटों पर IPS लगाने का प्रावधान। (केवल सिविल कार्य)

अनुमानित लागत (रु.)	अग्रिम राशि (रु.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
53,55,789	1,07,100	08 महीने	30.01.2026

3 कार्य का नाम: ADEN/SRE के अंतर्गत SRE-UMB सेक्शन पर KM 221/7-10 पर Br. No. 260 UP (3x12.04M) और DN (3x12.04M) के PSC स्लैब के साथ स्टील गर्डर का प्रतिस्थापन।

अनुमानित लागत (रु.)	अग्रिम राशि (रु.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
2,00,72,823	2,50,400	12 महीने	30.01.2026

4 कार्य का नाम: अंबाला डिवीजन (एलसी संख्या 43सी, 51ए और 72सी एसआईआर – डीएलपीसी अनुभाग) पर शेष इंटरलॉक्ड लेवल क्रॉसिंग पर आईपीएस के प्रावधान के संबंध में सिविल कार्य।

अनुमानित लागत (रु.)	अग्रिम राशि (रु.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
75,15,197	1,50,300	06 महीने	30.01.2026

5 कार्य का नाम: "एडीईन/एसएमएल के अंतर्गत एसएसई/डब्ल्यू/केएलके के सेक्शन में आर्च पुलों के सुदृढ़ीकरण सहित सम्पवेल के फर्श (फ्लोरिंग), पुलों के अप्रोच एवं जलमार्ग, कैच वाटर ड्रेन्स, साइड ड्रेन्स का सुधार, अवरुद्धध जलमार्गों की सफाई, पैरापेट तथा दीवारों की प्वाइंटिंग का कार्य।"

अनुमानित लागत (रु.)	अग्रिम राशि (रु.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
1,98,62,282	2,49,300	12 महीने	30.01.2026

6 कार्य का नाम: "एडीईएन/एसएमएल के अधीन SSE/W/SML के सेक्शन में आर्च पुलों के सुदृढ़ीकरण सहित समपवेल (Sumpwell) की फ्लोरिंग, अप्रोच एवं जल मार्ग (Water Way) का सुधार, कैच वाटर ड्रेन्स, साइड ड्रेन्स, अवरुद्धध जल मार्गों की सफाई, पैरापेट तथा दीवारों की प्वाइंटिंग का कार्य।

अनुमानित लागत (रु.)	अग्रिम राशि (रु.)	कार्य समाप्ति का समय	निविदा खुलने की तिथि
1,79,68,877	2,39,900	12 महीने	30.01.2026

नोट:- 1. ठेकेदार को शर्तों के अनुसार निविदा योग्यता पूरी करने हेतु सभी जरूरी सम्बंधित डॉक्यूमेन्टों के स्कैनिंग कॉपी को रेलवे वेबसाइट IREPS पर अपलोड करनी जरूरी है। **2.** अग्रिम राशि ऑन लाइन पेमेन्ट नेट बैंकिंग/गेटवे पेमेन्ट के द्वारा ही स्वीकार्य होंगे। **3.** निविदा की विस्तृत जानकारी हेतु रेलवे वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर लोग ऑन करें। **4.** ठेकेदार को ई–निविदा में भागीदारी हेतु (क्लास-III) डिजिटल सिगनेचर सार्टिफिकेट द्वारा लोग ऑन करना होगा। **5.** जी. एस. टी. एक्ट 2017 के अनुसार लागू होगी। **77/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

जवाबदेही के बजाए दिया जा रहा मुआवजा

इंदौर में पेयजल दूषित होने की वजह से कई लोगों की मौत के बाद राहत के तौर पर सरकार की ओर से मुआवजे की घोषणा की गई, लेकिन सवाल है कि क्या कुछ रस्मी औपचारिकताएं पूरी करना इस समस्या का हल हो सकता है! सबसे जरूरी था कि इस घटना के बाद निचले स्तर के संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के समांतर शीर्ष स्तर पर बरती गई लापरवाही के लिए भी जिम्मेदारी तय की जाती। मगर ऐसा लगता है कि इसे किसी सामान्य हादसे की शक्ल में देखा जा रहा है। वरना क्या कारण है कि इतने गंभीर मामले के बाद भी सरकार के रवैये में एक अफसोसनाक उदासीनता दिख रही है।इसकी जिम्मेदारी लेने के बजाय वहां के एक मंत्री सवालों को जिस तरह बेमानी बता रहे थे, उसमें एक विचित्र उपेक्षाभाव था। अव्वल तो पेयजल जैसी सबसे बुनियादी जरूरत के पूरी तरह सुरक्षित होने को लेकर सरकार अपनी ओर से सजग रहती, लेकिन इसके बजाय मध्य प्रदेश हाई कोर्ट को यह आदेश देना पड़ा है कि प्रभावित इलाके में पीने के पानी के अतिरिक्त टैंकर भेजे जाएं।इस घटना से फिर यही जाहिर हुआ है कि महज हादसा या चूक मानी जाने वाली कई घटनाएं अक्सर अधिकारियों की अदूरदर्शिता, लंबे समय से बरती जाने वाली लापरवाही और कई बार जानबूझ कर की गई उपेक्षा का नतीजा होती हैं। इंदौर के जिस इलाके में पेयजल दूषित होने की घटना सामने आई, क्या ऐसा अचानक हो गया होगा? अगर फिलहाल आई खबरों पर ही भरोसा किया जाए कि पानी की आपूर्ति वाले पाइप में गंदे नाले का पानी मिल गया, तो इस पर निगरानी रखना किसकी जिम्मेदारी है? एक बार पेयजल की पाइप बिछा देने के बाद उसमें पानी आ रहा है या नहीं या फिर वह पीने के लिहाज से पूरी तरह सुरक्षित है, इसकी नियमित जांच करने, गड़बड़ियों की निगरानी करने का दायित्व किस पर है? अगर संबंधित महकमे में निचले स्तर पर तैनात कर्मचारी लापरवाही बरत रहे थे।

विकास को मुंह चिढ़ाती दूषित जल से होने वाली मौतें

(योगेंद्र योगी)

कम्पोजिट वॉटर मैनेजमेंट इंडेक्स की रिपोर्ट के अनुसार भारत में दूषित यानी गंदा पानी पीने से हर साल दो लाख लोगों की मौत हो जाती है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2030 तक करीब 600 मिलियन लोगों को पानी की कमी से जूझना पड़ सकता है, जो देश की कुल आबादी का 40प्रतिशत है। केंद्र सरकार की तरफ से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भारत अब 4.18 ट्रिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इतनी बड़ी उपलब्धि के बावजूद देश में दूषित पेयजल जैसी बुनियादी समस्याएं विकास को मुंह चिढ़ा रही हैं। देश में स्वच्छता में नंबर एक रैंकिंग हासिल करने वाले मध्यप्रदेश के इंदौर शहर में दूषित पानी से पीने से आठ लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में करीब सौ लोग बीमार हो गए।

यह तस्वीर बताती है कि देश में पेयजल जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान अभी कोसो दूर है। सरकारें आंकड़ों के जरिए बेशक कितनी ही उपलब्धि का दावा कर लें किन्तु जमीनी हकीकत कुछ अलग है। जल गुणवत्ता सूचकांक में भारत 122 देशों में 120 वें स्थान पर है और देश के लगभग 70 प्रतिशत जल स्त्रोत प्रदूषित हैं।

इंदौर में जो हुआ उसने ये शक पैदा कर दिया है कि देश में कहीं भी ऐसी 'जहरीली मौत' की सप्लाई हो सकती है। ऐसा तब होता है जब सारे नियम और मानक भुला दिए जाते हैं। भारत में सप्लाई वॉटर की गुणवत्ता और पाइपलाइनों के रखरखाव को लेकर मानक तय हैं। ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स सप्लाई वाले पानी के केमिकल, फिजिकल और बायोलॉजिकल पैरामीटर्स तय करता है। गाइडलाइंस कहती हैं कि उपभोक्ता के नल तक पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करना एजेंसी की जिम्मेदारी है। फिर वो सरकारी हो या प्राइवेट। गाइडलाइंस के मुताबिक पाइपलाइनों को 30 से 50 वर्ष के अंदर बदला जाना जरूरी है। अगर बार-बार लीकेज की शिकायत आती है तो बिना देरी किए पाइप बदला जाना चाहिए। इन गाइडलाइंस का कितना पालन होता है इंदौर की घटना के बाद इस पर सवाल उठ रहे हैं। जिस पर सफाई भी दी जा रही है।

जुलाई 2022 में गंदे पानी से जुड़े आंकड़े लैंसेट स्टडी में बताया गया कि भारत में करीब 1.95 लाख बस्तियों में लोग दूषित पानी पी रहे हैं। जिसकी वजह से साल 2019 में 23 लाख से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। शहर ही नहीं गांवों में भी साफ पानी की दिक्कतें बढ़ती जा रही हैं। गंदे पानी में बैक्टीरिया, वायरस, टॉक्सिन्स और हेवी मेटल्स जैसे खतरनाक तत्व मौजूद होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाते हैं। अशुद्ध पानी पीने से हैजा, पीलिया, पेचिश, गले की बीमारी, टायफाइड जैसी बीमारियां हो सकती हैं। भारत में हर दिन बड़ी संख्या में लोगों को दूषित पानी पीना पड़ता है।

कम्पोजिट वॉटर मैनेजमेंट इंडेक्स की रिपोर्ट के अनुसार भारत में दूषित यानी गंदा पानी पीने से हर साल दो लाख लोगों की मौत हो जाती है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि 2030 तक करीब 600 मिलियन लोगों को पानी की कमी से जूझना पड़ सकता है, जो देश की कुल आबादी का 40 प्रतिशत है। दूषित पानी की समस्या से सबसे ज्यादा दिल्ली और एनसीआर प्रभावित है। यहां की आबादी बढ़ने के साथ साफ पानी की मांग बढ़ गई है, लेकिन गंदे पानी की आपूर्ति कई लोगों की सेहत को खराब कर रही है। भारत में विश्व की कुल आबादी का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा निवास करता है, जबकि देश में पीने योग्य जल संसाधनों का मात्र 4 प्रतिशत भाग ही उपलब्ध है। देश में अत्यधिक जल दोहन तथा अकुशल प्रबंधन के कारण भू-जल स्तर में निरंतर गिरावट आ रही है। इसके परिणामस्वरूप आने वाले समय में देश को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

देश के कई राज्य इस समय पानी की भारी किल्लत से जूझ रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और तमिलनाडु देश के ऐसे टॉप तीन राज्य हैं, जहां के अधिकतर जिलों में पानी का संकट छाया हुआ है। मौजूद आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश के 38 जिलों के लोग पानी की किल्लत का सामना कर रहे हैं। इनमें से कई जिले ऐसे हैं, जिन्हें अति-दोहित, गंभीर और अर्ध-गंभीर श्रेणी में रखा गया। इसके बाद राजस्थान में 29 और तमिलनाडु में 22 जिले हैं। केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा मूल्यांकित भारत के गतिशील भूजल संसाधनों का राष्ट्रीय संकलन 2024 की रिपोर्ट के अनुसार देश भर के 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 102 जिलों को 'अति-दोहित', 22 जिलों को 'गंभीर' और 69 जिलों को 'अर्ध-गंभीर' श्रेणी में रखा गया है। हरियाणा जैसे अन्य राज्यों में 16 अति-दोहित जिले हैं। पंजाब में 19 अति-दोहित और 1 गंभीर जिला है।

नीति आयोग के अनुसार, वर्तमान में स्वच्छ जल की अपर्याप्त पहुँच के कारण लगभग 60 करोड़ भारतीय गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं तथा इसके कारण प्रतिवर्ष लगभग 2 लाख लोगों की मृत्यु होती है। वर्ष 2030 तक देश में जल की मांग, आपूर्ति की दोगुनी होने की संभावना है। इससे देश में करोड़ों लोगों को जल के गंभीर संकट का सामना करना पड़ेगा तथा देश के सकल घरेलु उत्पाद में 6 प्रतिशत की हानि होने की संभावना है। जल संसाधन मंत्रालय के एकीकृत जल संसाधन विकास के लिये राष्ट्रीय आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, उच्च उपयोग परिदृश्य में वर्ष 2050 तक जल की आवश्यकता 1,180 अरब घन मीटर होने की संभावना है। देश में जल की उपलब्धता वर्तमान में 1,137 अरब घन मीटर है। वर्ष 2030 तक देश की 40 प्रतिशत आबादी को पीने योग्य स्वच्छ जल उपलब्ध नहीं होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, एक व्यक्ति को अपनी आवश्यकताओं के लिये प्रतिदिन 135 लीटर जल की आवश्यकता होती है जबकि सिर्फ भारत के कुछ बड़े शहरों जैसे- मुंबई, दिल्ली इत्यादि में शहरी विकास मंत्रालय के दिशा-निर्देशों के बावजूद प्रति दिन प्रति व्यक्ति को 150 लीटर से अधिक जल दिया जाता है। भारत प्रति व्यक्ति जल की खपत के मामले में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल है। यहाँ प्रति व्यक्ति प्रति दिन जल की खपत लगभग 250 लीटर है। इसका प्रमुख कारण जल की बर्बादी तथा औद्योगिक खपत है। बढ़ती जनसंख्या एवं नगरीकरण देश में बढ़ते जल संकट का एक प्रमुख कारण है। वर्ष 2001 में प्रतिव्यक्ति जल की उपलब्धता 1816 घन मीटर थी जो कि वर्ष 2011 में घटकर 1545 घन मीटर हो गई और वर्ष 2031 तक इसके घटकर 1367 घन मीटर होने की संभावना है। जल-गहन फसलों की कृषि- देश की कुल कृषि योग्य भूमि के लगभग 54 प्रतिशत भाग पर जल-गहन फसलों जैसे-चावल, गेहूँ, गन्ना, कपास इत्यादि की कृषि की जाती है। भूजल का 65 प्रतिशत और पीने के पानी के लिए 85 प्रतिशत हिस्सा है। इस पर अत्यधिक निर्भरता के कारण भूजल स्तर में भारी गिरावट आई है, खासकर पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और तमिलनाडु जैसे राज्यों में। सीमित जल संसाधनों के आवंटन को लेकर संघर्षों को भी जन्म देता है। केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को पार्क की जल आवश्यकताओं और स्थानीय किसानों की सिंचाई मांगों के बीच बार-बार होने वाले संघर्षों का सामना करना पड़ता है। इसी तरह महाराष्ट्र की ऊपरी गोदावरी परियोजना में पानी के असमान वितरण को लेकर विवाद उत्पन्न होते हैं। जल संसाधनों का अत्यधिक दोहन और सरकार की अपर्याप्त भागीदारी इन तनावों को और बढ़ा देती है। जनसंख्या वृद्धि से पानी के लिए प्रतिस्पर्धा तेज हो जाती है। सवाल यही है कि देश की तमाम उपलब्ध्यिों के सरकारी आंकड़ों के बावजूद आम लोगों को जब तक बुनियादी सुविधाएं मुहैया नहीं होंगी तब तक ये उपलब्धियां बेमानी साबित होंगी। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

एक्टिविस्ट या बुद्धिजीवी बताकर कानून को ठेंगा दिखाने वालों को लगा बड़ा झटका

(नीरज कुमार दुबे)

देखा जाये तो उच्चतम न्यायालय का यह फैसला केवल दो व्यक्तियों की जमानत याचिका का निपटारा नहीं है, बल्कि यह देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था और राष्ट्रीय संकल्प का स्पष्ट संदेश है। उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे लोग कोई साधारण आरोपी नहीं हैं। उच्चतम न्यायालय ने 2020 के दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में आरोपियों- उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से साफ इंकार करते हुए कहा है कि उनके खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत प्रथम दृष्टया मामला बनता है। अदालत ने साथ ही उमर खालिद और शरजील इमाम पर इस मामले में एक साल तक जमानत याचिका दाखिल करने पर भी रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने हालांकि इस मामले में अन्य आरोपियों- गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, मोहम्मद सलीम खान और शादाब अहमद को 12 शर्तों के साथ जमानत दे दी है। पीठ ने कहा, ''अदालत इस बात से संतुष्ट है कि अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत सामग्री से याचिकाकर्ताओं- उमर खालिद और शरजील इमाम के खिलाफ प्रथम दृष्टया आरोप सिद्ध होते हैं। इन याचिकाकर्ताओं के संबंध में वैधानिक कसौटी लागू होती है। कार्यवाही के इस चरण में उन्हें जमानत पर रिहा करना उचित नहीं है।'' अदालत ने कहा कि जिन लोगों को जमानत मिली है, उनकी भूमिका सीमित और परिस्थितिजन्य मानी गई है, जबकि उमर खालिद और शरजील इमाम पर दंगों की साजिश रचने, भीड़ को भड़काने और सुनियोजित तरीके से हिंसा को दिशा देने के गंभीर आरोप हैं। अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर हिंसा को जायज नहीं ठहराया जा सकता। देखा जाये तो उच्चतम न्यायालय का यह फैसला केवल दो व्यक्तियों की जमानत याचिका का निपटारा नहीं है, बल्कि यह देश की आंतरिक सुरक्षा, कानून व्यवस्था और राष्ट्रीय संकल्प का स्पष्ट संदेश है। उमर खालिद और शरजील इमाम जैसे लोग कोई साधारण आरोपी नहीं हैं। ये वे चेहरे हैं जिन्होंने विचारधारा की आड़ में सड़कों पर आग लगाने की मानसिकता को खाद पानी दिया। यह बार बार साबित हो चुका है कि दिल्ली दंगे अचानक नहीं भड़के थे। उनके पीछे शब्दों के बारूद, भाषणों की चिंगारी और योजनाबद्ध उकसावे की लंबी तैयारी थी। ऐसे मामलों में यदि अदालत नरमी दिखाती, तो यह न केवल न्याय के साथ अन्याय होता बल्कि समाज के लिए एक खतरनाक संकेत भी जाता। अदालत ने सही कहा कि इन दोनों की स्थिति अन्य आरोपियों से अलग है। यह अंतर केवल कानूनी नहीं, बल्कि नैतिक और सामाजिक भी है। दंगा केवल पत्थर फेंकने से नहीं होता, दंगा उस सोच से पैदा होता है जो समाज को बांटने का काम करती है। जब किसी मंच से यह कहा जाए कि सड़कों पर उतर कर व्यवस्था को जाम कर दो, तब वही शब्द बाद में आग बन जाते हैं। जमानत खारिज करने का फैसला उन सभी लोगों

के लिए चेतावनी है जो खुद को एक्टिविस्ट या बुद्धिजीवी बताकर कानून को ठेंगा दिखाना चाहते हैं। यह फैसला बताता है कि भारत में अभिव्यक्ति की आजादी का मतलब अराजकता फैलाने की छूट नहीं है। मुकदमे में देरी को लेकर अदालत की टिप्पणी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। वर्षों से एक तर्क गढ़ लिया गया था कि अगर मुकदमा लंबा चल रहा है, तो आरोपी को स्वतः राहत मिलनी चाहिए। यह सोच न्याय व्यवस्था को कमजोर करती है। अगर गंभीर साजिशों में केवल समय के आधार पर जमानत मिलने लगे, तो हर देश विरोधी ताकत समय को हथियार बना लेगी। इस फैसले का सबसे बड़ा असर उपद्रवी और दंगाई मानसिकता वाले लोगों पर पड़ेगा। अब यह भ्रम टूटेगा कि लंबी कानूनी प्रक्रिया अंततः उन्हें बचा लेगी। देखा जाये तो अदालत का सख्त रुख भारत की आतंकवाद के खिलाफ चल रही लडाई को मजबूत करता है। यह फैसला उन आम नागरिकों के लिए भी भरोसे का आधार है जिन्होंने दंगों में अपने घर, दुकानें और परिजन खोए। उनके लिए न्याय केवल सजा नहीं, बल्कि यह विश्वास है कि सिस्टम उनके साथ खड़ा है। कुछ लोग इसे कठोरता कहेंगे, लेकिन सच यह है कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए कठोर फैसले जरूरी होते हैं। उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत खारिज होना इस बात का प्रमाण है कि भारत की न्यायपालिका आज भी राष्ट्र की सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द और संविधान की मूल भावना को समझती है। यह फैसला आने वाले समय में न केवल कानूनी मिसाल बनेगा, बल्कि उन सभी ताकतों के लिए एक स्पष्ट चेतावनी भी होगा जो भारत को भीतर से तोड़ने का सपना देखती हैं। यह निर्णय बताता है कि भारत कमजोर नहीं है, भारत चुप नहीं है और भारत अब दंगों की राजनीति को बर्दाश्त करने के मूड में बिल्कुल नहीं है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

वर्ग पहेली 5968

1	2	3	■	4		5	6
7					■	8	
9		■	■	10	11	■	
■		■	12			■	■
13	■	14	■	15		16	17
18			19	■	■	20	
	■	21			■	22	
23		■		■	24		

संकेतः बाएं से दाएं

1. इस देश की सरकार द्वारा 15 मई 1999 को महिलाओं को संसदीय चुनावों में मताधिकार का हक प्रदान किया गया (3)
4. 15 मई 1907 को इस महान क्रांतिकारी का जन्म हुआ था, इन्हें भगतसिंह के साथ फांसी पर लटकाया गया था (4)
7. संध्याकाला के बाद समय (5)
8. नृत्य, संगीत के साथ अंगों का संचालन (2)
9. पुरूष, मर्द (2)
10. प्रभू, भगवान, ईश्वर (2)
12. हुक्म, आज्ञा, टेस्टामेंट (3)
15. ऊपर तक, कगार तक, किनारे तक, लबरेज (4)
19. भारतीय संगीतशास्त्र का आरंभ इसी वेद से शुरू हुआ था (4)
20. निष्पत्ति, समाधान, निराकरण (2)
21. पतंगा, फतिंगा (3)
22. एक चौपहिया वाहन जिसे पर्वतीय क्षेत्रों में आसीनी से घुमाया जा सकता है (2)
23. लगातार घंटे बजने का शब्द (2)
24. दबाव में लाना, गाड़कर रखना (3)

ऊपर से नीचे

1. मुस्लिम का धर्मग्रंथ जिसमें तीस पारे छोटी-बड़ी एक सौ चौदह सूरतें, 6640 आयतें, और 540 स्कूअ है (3)
2. कहते है मृत्यु के पश्चात इस नदी को पार करना होता है जिसमें गोदान करने वाला व्यक्ति ही सफल होता है (4)
3. तपस्या, योग्याभ्यास (2)
4. श्रुति गमय होना (5)
5. प्रदान करना, हस्तांतरित करना (2)
6. वादा संकल्प, प्रतिज्ञा (3)
11. खरगोश को यह भी कहते है (3)
13. आवासिता, भरापन, चहल-पहल (4)
14. उन्माद, उत्तेजना, जोश (3)
16. शिष्टता, नम्रता, शऊर (4)
17. कल्पना करना, दुखी होना (2)
19. रगड़ या पीसकर टुकडे-टुकडे करना (3)

वर्ग पहेली 5967 का हल

जा	पा	न	■	को	य	ल	■
न	न	द	■	स	म	त	ल
की	■	■	सु	■	द्धि	■	त
खै	रि	य	त	■	ती	त	र
र	■	वा	■	■	प	या	म
म	ज	मा	■	र	■	क	वि
ना	■	शू	■	वा	र	ना	■
ना	पा	क	■	ना	त	■	पौ

सोमनाथ मंदिर पर 17 बार हमले, फिर भी अडिग!

(दिव्यांशी भदौरिया)

गुजरात के सोमनाथ मंदिर पर 17 बार हमले हुए, जिसे महमूद गजनवी से लेकर खिलजी तक ने लूटा, लेकिन आजादी के बाद सरदार पटेल के प्रयासों से इसका पुनर्निर्माण हुआ और भव्यता फिर से स्थापित हुई।

इस समय पहला ज्योतिर्लिंग सोमनाथ मंदिर काफी सुर्खियों में है। सोमनाथ मंदिर गुजरात में स्थित है। यह देश के सबसे महत्वपूर्ण तीर्थस्थलों और 12 शिव ज्योतिर्लिंग में से एक है। इस मंदिर का इतिहास भी काफी पुराना है और धरोहर समेटे हुए है। गौरतलब है कि सोमनाथ का मंदिर का जिक्र होता है तो कहा जाता है कि यहां 1 या 2 नहीं बल्कि बार-बार हमले हुए। इतिहासकारों को मुताबिक, इस मंदिर पर 17 बार हमला हुआ और मुगलों ने इसे लूटा था। आइए आपको इस लेख में बताते हैं मंदिर पर कब-कब हमले हुए, इसका इतिहास और इसकी भव्यता की कहानी क्या है? सोमनाथ मंदिर गुजरात के सौराष्ट्र क्षेत्र के प्रभास पाटन, वेरावल में समुद्र तट पर स्थित है। बता दें कि, यह मंदिर भगवान शिव के 12 पवित्र ज्योतिर्लिंग में से एक है। सोमनाथ मंदिर का उल्लेख शिवपुराण के अध्याय-13 में भी है। इतिहासकार के मुताबिक, इस मंदिर को सोने-चांदी और पत्थरों से बनवाया था लेकिन इस पर मुगलों द्वारा कई बार हमला किया गया।

महमूद गजनवी ने किया था पहला हमला 11वीं सदी में विदेशी आक्रमणों की कड़ी की शुरुआत महमूद गजनवी से मानी जाती है। वर्ष 1026 में, गुजरात के शासक भीम प्रथम के समय तुर्क शासक महमूद गजनवी ने सोमनाथ मंदिर पर आक्रमण कर उसे भारी नुकसान पहुंचाया और पवित्र ज्योतिर्लिंग को खंडित कर दिया। वर्ष 1169 के एक शिलालेख के अनुसार, सोलंकी वंश के राजा कुमारपाल (1143-1172 ई.) ने इस पवित्र स्थल का पुनर्निर्माण करवाया और मंदिर को पुनः भव्य रूप देते हुए उसे रत्नों से सजाया। आपको बता दें कि, 1299 में गुजरात पर आक्रमण हुआ। इस दौरान अलाउद्दीन खिलजी की सेना का नेतृत्व उलुघ खान कर रहा था। उसने वाघेला राजा कर्ण को हराया और सोमनाथ मंदिर को लूटा था। वर्ष 1308 में सौराष्ट्र के चूड़ासमा राजा महिपाल प्रथम ने दोबारा इसका निर्माण कराया था। इनके बेटे खेंगारा ने 1331 और 1351 के बीच लिंगम की स्थापना की थी। लेकिन, 1395 में जफर खान मंदिर पर हमला किया और इसे नष्ट कर दिया। इतिहासकारों का मानना है कि इसी तरह से 17 बार मंदिर पर हमला हुआ था और मुगल इसे लूटते रहे। लगातार 17 बार मंदिर पर हमले के बाद इसकी भव्यता तब बढ़ी, जब भारत के लौह पुरुष और उप-प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने 12 नवंबर 1947 को जूनागढ़ आए। उन्होंने सोमनाथ मंदिर के दोबारा बनाने का आदेश दिया। पैसे एकत्र करने और मंदिर के निर्माण की देखरेख के लिए सोमनाथ ट्रस्ट की स्थापना की गई। वहीं, 11 मई 1951 को भारत के राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने मंदिर में मूर्ति स्थापना समारोह किया। जिसके बाद से मंदिर की भव्यता बढ़ गई।

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति करने वाला रहेगा। लंबे समय से चल रही परेशानियों का अंत होगा। भाग्य का साथ मिलने से धीरे-धीरे आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। यह समय साइड बिजनेस या किसी तरह के पार्ट-टाइम काम करने के लिए उत्तम रहेगा।

वृष

आज का दिन वृषभ राशि वालों का मांगलिक कार्यक्रमों में बीतने वाला है। परिवार में किसी मांगलिक कार्यक्रम के आयोजन को लेकर बातचीत बन सकती है। ऐसे में आपके लिए जरूरी होगा कि फिलहाल जरूरी चीजों की खरीद पर ही धन खर्च करें। इसी में आपके लिए समझदारी होगी।

तुला

आज आपका मन थोड़ा बेचैन रहेगा। आप खुद ही परेशानियों का पीछा करते-करते उनके पास पहुंच जाएंगे। कार्यस्थल में विरोधियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में आपको बेहद सतर्क रहना होगा। ऐसे समय में अपनी समझ और रणनीति पर भरोसा रखें।

वृश्चिक

आज अचानक कोई अच्छी खबर मिल सकती है। कामकाज से जुड़ा तनाव धीरे-धीरे कम होने लगेगा। नए विचारों और योजनाओं पर काम करने के लिए यह समय अनुकूल है। ऐसे में सफलता मिलने की भी संभावना अधिक दिख रही है। पुराने विवादों के सुलझने के संकेत मिल रहे हैं।

मिथुन

आज का दिन तेजी से आगे बढ़ने का है। आपकी मेहनत रंग लाएगी और काम में अप्रत्याशित प्रगति से आपके साथ-साथ आपके विरोधी भी दंग रह जाएंगे। हालांकि, इस सफलता को मेंटेन करके रखने में आपको अधिक मेहनत करनी पड़ेगी।

कर्क

आज का दिन परिवार की जिम्मेदारियों में बीतेगा। भाई-बहन या किसी करीबी रिश्तेदार की सेहत से जुड़ी चिंता आपको परेशान कर सकती है। आपका पूरा समय उनकी देखभाल में गुजरेगा। इस मानसिक स्थिति में आपको जरूरी फैसले लेने से बचना होगा।

धनु

आज किसी नए संपर्क से करियर में लाभ मिलेगा। पहले किए गए काम का फायदा भी अब मिल सकता है। रुका हुआ पैसा मिलने में थोड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है। ऐसे में रोजमर्रा के कामों में लापरवाही न करें। शाम के समय किसी शुभ कार्यक्रम में शामिल होने का मौका मिल सकता है।

मकर

आज धार्मिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। इससे आपकी पहचान बढ़ेगी। करियर के लिहाज से काम में अच्छे परिणाम मिलेंगे। व्यापार से जुड़े लोगों को लेन-देन में लाभ के संकेत हैं। कल के पूरे दिन आपको कोई न कोई अच्छी खबर मिलती रहेगी।

सिंह

आज आपको व्यवसाय और करियर की चिंता रहेगी। कामकाज में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। यह समय आपके लिए आराम को छोड़कर कई ठोस कदम उठाने का है। नौकरी में बेहतर परिणाम के लिए आपको मेहनत और अनुशासन दोनों की जरूरत पड़ेगी।

कन्या

आज काम के सिलसिले में ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ सकती है। इससे आपको अच्छे परिणाम देखने को मिलेंगे। आप जो प्रयास अभी करेंगे वही आगे चलकर आपके लिए आर्थिक लाभ देने वाला साबित होगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों की नजर में आपकी छवि मजबूत होगी।

कुंभ

आज उच्च अधिकारियों के साथ अच्छे संबंधों का फायदा मिलता दिख रहा है। उनकी सलाह आपके करियर के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। नए व्यापार की शुरुआत के लिए दिन अनुकूल है। आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों में आपकी रुचि बढ़ने से मानसिक शांति मिलेगी।

मीन

आज रिसर्च से जुड़े कार्यों में प्रगति देखने को मिलेगी। करियर में आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे। पुराने विवाद भी सुलझते दिख रहे हैं। इस दौरान सावधानी से अपनी योजनाओं पर काम करना पड़ेगा। आर्थिक मामलों में किसी को उधार देने से बचें। माता-पिता और गुरु का आशीर्वाद आपके लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

रोजगार कार्यालय अब करियर सेंटर बन सकेंगे

● हर खाली पद का एक यूनिक नंबर होगा ● हर खाली पद का एक यूनिक नंबर होगा, तय समय के अंदर करनी होगी पुष्टि

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र और राज्य सरकारें अब करियर सेंटर की स्थापना, संचालन और रख-रखाव कर सकेंगी। सरकार चाहें तो मौजूदा रोजगार कार्यालयों को ही करियर सेंटर में बदल सकती हैं या किसी डिजिटल पोर्टल को करियर सेंटर के रूप में घोषित कर सकती हैं। सरकार किसी संस्था, स्थानीय निकाय या निजी संस्था के साथ समझौता कर करियर सेंटर चला सकती है। सामाजिक सुरक्षा संहिता (केंद्रीय) नियम 2025 के मौसदे में रोजगार की सूचना और निगरानी को लेकर अहम प्रावधान किया है।

हाल में ही केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्रालय की तरफ से मसौदा जारी किया गया है, जिसमें रोजगार और निगरानी के लेकर भी प्रावधान किए गए हैं। इस प्रावधान के तहत दो तरह के करियर केंद्र बनाए जाएंगे। एक केंद्रीय होगा और दूसरा क्षेत्रीय होगा। राज्य और केंद्र स्तर पर अधिकारी करियर सेंटरों की निगरानी करेंगे। सरकार का मानना है कि इन नियमों से नौकरी की जानकारी को

पारदर्शिता आएगी। इस रोजगार पाने वाले कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित हो पाएगी। इसके साथ ही, नौकरियों जुड़े डिजिटल सिस्टम को मजबूत किया जा सकेगा और रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। तय मसौदे के हिसाब से सरकारी क्षेत्र के सभी संस्थानों को किसी भी पद पर भर्ती से पहले उसकी जानकारी तय करियर सेंटर को देनी होगी। वहीं, निजी क्षेत्र के वह संस्थान, जहां 50 या उससे अधिक कर्मचारी हैं, उन्हें भी भर्ती से पहले रिक्तियों की सूचना देनी होगी। इसके लिए डिजिटल सिस्टम बनेगा और हर रिक्ति को एक यूनिक नंबर दिया जाएगा। सेंटर की जिम्मेदारी होगी कि नियोक्ताओं और नौकरी चाहने वालों की जानकारी जुटाए, खाली पदों का रिकॉर्ड रखे। मसौदे के हिसाब से रिक्त पदों से लेकर भर्ती की स्थिति में नियोक्ताओं के लिए पुष्टि करना अनिवार्य होगा। पूर्वोत्तर राज्यों में सात कार्यदिवस और अन्य राज्यों में तीन कार्यदिवस के भीतर रिक्ति की पुष्टि की जाएगी। इसके साथ ही, चयन के बाद भी सूचना देना अनिवार्य होगा। मसौदे के मुताबिक हर नियोक्ता को रोजगार सूचना वार्षिक रिटर्न तय फॉर्म में 31 मार्च तक जमा करनी होगी, जिसमें बताना होगा कि किस श्रेणी में कितने कर्मचारियों की नियुक्ति की गई है।

2.2 करोड़ के ब्रांड की मालकिन

दुबई में 1 करोड़ की नौकरी को मारी लात, भारत लौट किया ये काम

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी लखनऊ की आरोही सूर्या की है। उन्होंने न सिर्फ इंजीनियरिंग करना पड़ा। वह फेल होते-होते बचीं। हालांकि, उन्होंने हार नहीं मानी और दुबई से एमबीए

के दौरान मुश्किलों को पार किया। अलबत्ता, दुबई में 1.1 करोड़ रुपये के शानदार पैकेज वाली नौकरी को भी लात मार दी। आरोही कभी कॉर्पोरेट जगत की ऊंचाइयों को छू रही थीं। अब वह भारत में डांसिंग काउ नाम का स्टार्टअप चला रही हैं। यह लोगों को गाय के दूध का स्वस्थ और टिकाऊ विकल्प ओट मिल्क देता है। आरोही की यात्रा सिर्फ पैसा कमाने के बारे में नहीं है। यह भारतीयों को लैक्टोज इनटोलरेंस (दूध न पचा पाना) के प्रति जागरूक करने और अपनी मां को स्वास्थ्य विकल्प देने की व्यक्तिगत प्रेरणा से उपजी है। आज उनके स्टार्टअप का रेवेन्यू 2.2 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। आइए, यहां आरोही सूर्या की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। लखनऊ की रहने वाली आरोही सूर्या की शुरुआती पढ़ाई चुनौतीपूर्ण रही। इंजीनियरिंग के दौरान उन्हें काफी संघर्ष करने के बाद वहां एचटीसी जैसी बड़ी कंपनी में मार्केटिंग हेड के पद तक पहुंचीं। 1.1 करोड़ रुपये के सालाना वेतन के बावजूद उनके भीतर एक उद्यमी छुपा था। उन्होंने दुबई में अपना पहला स्टार्टअप यल्ला सफलतापूर्वक चलाया और उसे बेचकर 2022 में भारत वापस लौट आईं। भारत लौटने पर आरोही ने देखा कि यहां वेगन और डेयरी-फ्री उत्पादों की भारी कमी है। इसी बीच उनकी मां को डायबिटीज का पता चला। डॉक्टर ने उन्हें डेयरी प्रोडक्ट छोड़ने की सलाह दी। विकल्प की कमी को देखते हुए आरोही ने खुद ओट मिल्क (जई का दूध) बनाने का फैसला किया। उन्होंने अपने पति अनमोल गोयल के साथ मिलकर सेविंग से डांसिंग काउ की नींव रखी। उनका मकसद एक ऐसा दूध बनाना था जो स्वाद में असली जैसा हो, लेकिन पचाने में आसान। यह सफर आसान नहीं था।

7 साल में पहली बार ऐपल से आगे निकली अल्फाबेट इंक कंपनी

अल्फाबेट का मार्केट कैप अब 3.892 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया

नई दिल्ली, एजेंसी। टेक कंपनियों की वैल्यूएशन में बड़ा फेरबदल हुआ है। गूगल की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट इंक अब दुनिया की दूसरी बड़ी वैल्यूएबल कंपनी बन गई है। उसके आईफोन बनाने वाली कंपनी ऐपल को पछाड़कर यह मुकाम हासिल किया है। साल 2019 के बाद यह पहला मौका है जब अल्फाबेट ने ऐपल को पीछे छोड़ा है। अल्फाबेट का मार्केट कैप अब 3.892 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है जबकि ऐपल की वैल्यू 3.863 ट्रिलियन डॉलर रह गई है। एनवीडिया 4.604 ट्रिलियन डॉलर के साथ पहले नंबर पर बनी हुई है। अल्फाबेट का शेयर बुधवार को 2.51 फीसदी तेजी के साथ 322.43 डॉलर पर बंद हुआ। पिछले एक साल में इस शेयर ने 64.73 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। दूसरी ओर ऐपल का शेयर 0.77 फीसदी गिरावट के साथ 260.33 डॉलर पर बंद

हुआ। पिछले 1 साल में इसके शेयर में सिर्फ 7.49 प्रतिशत का ही इजाफा हुआ है। वहीं पहले नंबर पर मौजूद एनवीडिया के शेयरों में पिछले एक साल में 25.32 प्रतिशत तेजी आई है। अल्फाबेट की मार्केट वैल्यू में उछाल उसके जनरेटिव एआई प्लेटफॉर्म जेमिनि के बढ़ते इस्तेमाल की वजह से आया है। इसके अलावा अल्फाबेट के पास वेमो भी है। यह अमेरिका में रोबोटैक्सी मार्केट का एक प्रमुख खिलाड़ी है। वेमो पहले से ही फीनिक्स, सैन फ्रांसिस्को बे एरिया, लॉस एंजेलिस, अटलांटा और ऑस्टिन जैसे शहरों में आम लोगों के लिए कमर्शियल रोबोटैक्सी सेवाएं चला रहा है। भारतीय मूल के सुंदर पिचाई अल्फाबेट के सीईओ हैं। आईआईटी खडगपुर से इंजीनियरिंग करने के बाद सुंदर पिचाई ने आगे की पढ़ाई अमेरिका के स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से की थी। अपना करियर शुरू किया और साल 2004 में एक मैनेजमेंट एक्जीक्यूटिव के रूप में गूगल में शामिल हो गए। साल 2015 में गूगल के को-फाउंडर लैरी पेज ने उन्हें गूगल का सीईओ बनाया था और साल 2019 में उन्हे अल्फाबेट के सीईओ की पोस्ट भी मिल गई।

मिनीरत्न कंपनी का खुल रहा आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। मिनीरत्न कंपनी भारत कोकिंग कोल का आईपीओ दांव लगाने के लिए खुलने जा रहा है। भारत कोकिंग कोल का आईपीओ शुक्रवार 9 जनवरी से खुल रहा है और यह 13 जनवरी तक ओपन रहेगा। आईपीओ के खुलने से पहले ही कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में दहाड़ रहे हैं। भारत कोकिंग कोल के शेयर अभी से ग्रे मार्केट में 49 पर्सेंट से ज्यादा के प्रीमियम के साथ कारोबार कर रहे हैं। कंपनी के आईपीओ का टोटल साइज 1071 करोड़ रुपये तक का है। भारत कोकिंग कोल, महार प्रतिशत कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड की पूर्ण मालिकाना हक वाली इकाई है। मिनीरत्न कंपनी भारत कोकिंग कोल के आईपीओ में शेयर का दाम 23 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयर ग्रे मार्केट में अभी 11.40 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहे हैं। अगर मौजूदा ग्रे मार्केट प्रीमियम के हिसाब से देखें तो भारत कोकिंग कोल के शेयर 34.40 रुपये पर बाजार में लिस्ट हो सकते हैं। भारत कोकिंग कोल के शेयर शुक्रवार 16 जनवरी को बाजार में लिस्ट हो सकते हैं। कंपनी के शेयर ह्रस्थ और बीएसई दोनों एक्सचेंज पर लिस्ट होंगे। भारत कोकिंग कोल के आईपीओ में आम निवेशक कम से कम 1 लॉट और अधिकतम 14 लॉट के लिए दांव लगा सकते हैं। आईपीओ की एक लॉट में 600 शेयर हैं। यानी, एक लॉट के लिए आम निवेशकों को 13,800 रुपये का इनवेस्टमेंट करना होगा। 1,93,200 रुपये का निवेश करना होगा। भारत कोकिंग कोल के आईपीओ में एंप्लॉयीज को आईपीओ प्राइस पर 1 रुपये का डिस्काउंट है। आईपीओ से पहले कंपनी में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 100 पर्सेंट थी, जो कि आईपीओ के बाद 90 पर्सेंट रह जाएगी।

13 को खुल रहा एक और आईपीओ

नई दिल्ली, एजेंसी। अगर आप किसी आईपीओ में दांव लगाने की सोच रहे हैं तो आपके लिए काम की खबर है। आने वाले दिनों में बैक टू बैक आईपीओ निवेश के लिए खुलने वाले हैं। इनमें से एक इंडो एसएमसी आईपीओ भी है। कंपनी ने अपने आईपीओ के लिए 149 रुपये प्रति शेयर प्राइस बैंड तय किया है। कंपनी का आईपीओ निवेश के लिए 13 जनवरी से खुल रहा है। निवेशक इस इश्यू में 15 जनवरी तक दांव लगा सकते हैं। यह इश्यू बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट होगा। कंपनी के शेयर अभी से ही 25 प्रीमियम पर उपलब्ध हैं।

2 दिन में 12000 रुपये उछलकर तोड़ा रिकॉर्ड, सोना कहां पहुंचा

चांदी पर वेनेज़ुएला इफेक्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बुधवार को

चांदी की कीमत ने नया रिकॉर्ड बनाया। चांदी 5,000 रुपये उछलकर 2,56,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। सुरक्षित निवेश की चाहत और उद्योगों से आई खरीदारी ने चांदी को यह मजबूती दी। सिर्फ दो दिनों में चांदी 12,000 रुपये चढ़ गई है। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी। मंगलवार को चांदी 2,51,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। व्यापारियों का कहना है कि अमेरिका और वेनेज़ुएला के बीच बढ़ते तनाव ने सुरक्षित निवेश वाली चीजों की मांग बढ़ा दी है। साथ ही, सप्लाई में दिक्कतें और उद्योगों से अच्छी मांग ने भी चांदी के दाम को और ऊपर पहुंचाया है। इस बीच, 99.9 फीसदी शुद्ध सोने का भाव 100 रुपये की मामूली गिरावट के साथ 1,41,400 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रहा। पिछले कारोबारी दिन यह 1,41,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के सीनियर एनालिस्ट (जिंस) सौमिल गांधी ने बताया, हाल की तेजी के बाद निवेशकों ने मुनाफावसूली की। इससे बुधवार को सोने के दाम में थोड़ी कमी आई। उन्होंने यह भी कहा कि डॉलर में आई मजबूती का भी सोने की कीमतों पर असर पड़ा। हालांकि, लगातार बनी हुई भू-राजनीतिक चिंताएं कीमती धातुओं को सुरक्षित निवेश के तौर पर सहारा दे रही हैं। इसी वजह से कीमतों में बड़ी गिरावट आने से रुकी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो हाजिर सोना 45.22 डॉलर यानी 1.01 फीसदी गिरकर 4,449.87 डॉलर प्रति औंस पर आ गया। वहीं, हाजिर चांदी 2.55 डॉलर यानी 3.15 फीसदी टूटकर 78.69 डॉलर प्रति औंस पर बोली गई। वैश्विक अनिश्चितताओं और औद्योगिक मांग के कारण आया है। सोने में आई मामूली गिरावट का मुख्य कारण निवेशकों की ओर से मुनाफावसूली और डॉलर का मजबूत होना बताया जा रहा है।

एयरपोर्ट्स खरीदने के बाद अब एयरक्राफ्ट भी बनाएंगे अडानी! ब्राजील की कंपनी से मिलाया हाथ

इन हवाई जहाजों में 70 से 146 यात्री बैठ सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत जल्द ही उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल होने जा रहा है जहां विमान बनाए जाएंगे। टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक अडानी ग्रुप और ब्राजील की कंपनी एम्ब्रेयर ने भारत में छोटे और मध्यम दूरी के विमान बनाने के लिए एक समझौता किया है। इन हवाई जहाजों में 70 से 146 यात्री बैठ सकते हैं। भारत दुनिया का सबसे तेजी से बढ़ता एविएशन मार्केट है। भारतीय एयरलाइन कंपनियों ने 1,800 से ज्यादा विमानों का ऑर्डर दे रखा है। सरकार चाहती है कि बड़ी विदेशी एविएशन कंपनियां भारत में अपने कमर्शियल एयरक्राफ्ट की फाइनल असेंबली लाइन स्थापित करें।

अडानी एयरोस्पेस ने ब्राजील में एम्ब्रेयर के साथ इस फाइनल असेंबली लाइन के लिए एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता भारत के मेक इन इंडिया प्रोग्राम के लिए एक बहुत बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। हालांकि दोनों कंपनियों ने इस खबर पर फिलहाल कोई टिप्पणी नहीं की है। अभी यह तय नहीं हुआ है कि यह फाइनल असेंबली लाइन कहां बनेगी, इसमें कितना पैसा लगेगा और यह कब तक चालू हो जाएगी। इन सब बातों की जानकारी इसी महीने हैदराबाद में होने वाले एयर शो में एक औपचारिक घोषणा के साथ सामने आने की उम्मीद है।

एम्ब्रेयर के विमानों का पहले से भारत में यूज हो रहा है। कंपनी के लगभग 50 विमान भारत में कमर्शियल, डिफेंस और बिजनेस एविएशन के लिए इस्तेमाल हो रहे हैं। फिलहाल कमर्शियल एयरलाइन में केवल स्टार एयर ही एम्ब्रेयर के विमानों का इस्तेमाल करती है। नए ऑर्डर देने पर अगले दशक के मध्य तक एयरबस और बोइंग से विमानों की डिलीवरी मिलना मुश्किल है। इस वजह से, भारत में कुछ नए स्टार्टअप्स अपनी उड़ानें शुरू करने के लिए एम्ब्रेयर के विमानों को खरीदने की योजना बना रही हैं।

क्या होगा फायदा?: एम्ब्रेयर के सीनियर वीपी राउल विलरॉन का कहना है कि भारत 80 से 146 सीटों वाले विमानों की क्षमता के लिए एक बहुत बड़ा बाजार है। कंपनी को विश्वास है कि अगले 20 साल में भारत को ऐसे 500 विमानों की जरूरत होगी। सुभा एविएशन के एमडी गौतम साहनी का कहना है कि उन्होंने सरकार से ऑपरेटर का परमिट मांगा है। माना जा रहा है कि साहनी एम्ब्रेयर से बातचीत कर रहे हैं। साहनी ने कहा, मैं सरकार से मंजूरी का इंतजार कर रहा हूं और इससे ज्यादा कुछ नहीं कह सकता। लेकिन यह सच है कि भारतीय रीजनल एविएशन मार्केट में भारी वृद्धि होने वाली है। इसका कारण टियर सेकंड और थर्ड शहरों में नए हवाई अड्डों का खुलना और उड़ान योजना पर ध्यान देना है। दिल्ली और मुंबई में दूसरे हवाई अड्डों के बनने से इन दो बड़े शहरी केंद्रों से क्षेत्रीय उड़ानों की कनेक्टिविटी बढ़ेगी। साहनी की योजना नोएडा के नए हवाई अड्डे को अपना बेस बनाने की है।

उत्तर रेलवे

ई–नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, उत्तर रेलवे, अंबाला कैंट भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए उत्तर रेलवे के अंबाला मंडल के रेलवे स्टेशनों पर अनुबंधों के आवंटन के लिए IREPS वेबसाइट पर ई–ऑक्शन के माध्यम से बोलियां आमंत्रित करते हैं।

Sr. No.	Auction Catalogue No.	Description	Lot Start Date Time
1	ADVT-EFF-110173-7-25-1	ट्रेन संख्या 22451/22452 (सीडीजी–बीडीटीएस एक्सप्रेस) के बाहरी हिस्से पर विनाइल रैपिंग के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के लिए स्थान	21.01.2026 12:00:00
2	ADVT-EFF-141603-6-25-1	ट्रेन संख्या 14521/14522 (डीएलआई-यूएमबी एक्सप्रेस) और 14507/14508 (डीएलआई-एफकेए एक्सप्रेस) के बाहरी हिस्से पर विनाइल रैपिंग के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन के लिए स्थान	21.01.2026 12:00:00
3	ADVT-UMB-DUI -OH- 327-25-1	धुरी रेलवे स्टेशन पर लॉलीपॉप क्यूबॉइड बोर्ड के माध्यम से विज्ञापनों के प्रदर्शन के लिए वाणिज्यिक प्रचार अधिकार, लॉलीपॉप क्यूबॉइड की कुल मात्रा 27 है और प्रत्येक लॉलीपॉप क्यूबॉइड का आकार 1.5'x1.5'x1.5' से अधिक नहीं होना चाहिए।	21.01.2026 12:00:00
4	ADVT-UMB-SIR -OH- 331-25-1	सरहिंद रेलवे स्टेशन पर लॉलीपॉप क्यूबॉइड बोर्ड के माध्यम से विज्ञापनों के प्रदर्शन के लिए वाणिज्यिक प्रचार अधिकार, लॉलीपॉप क्यूबॉइड की कुल मात्रा 15 है और प्रत्येक लॉलीपॉप क्यूवॉइड का आकार 1.5'x1.5'x1.5' से अधिक नहीं होना चाहिए।	21.01.2026 12:00:00
5	ADVT-UMB-NLDM- OH-333-25-1	नंगल डैम रेलवे स्टेशन पर लॉलीपॉप क्यूबॉइड बोर्ड के माध्यम से विज्ञापनों के प्रदर्शन के लिए वाणिज्यिक प्रचार अधिकार, लॉलीपॉप क्यूबॉइड की कुल मात्रा 10 है और प्रत्येक लॉलीपॉप क्यूबॉइड का आकार 1.5'x1.5'x1.5' से अधिक नहीं होना चाहिए।	21.01.2026 12:00:00
6	ADVT-UMB-UBC -OH- 329-25-1	अंबाला सिटी रेलवे स्टेशन पर लॉलीपॉप क्यूबॉइड बोर्ड के माध्यम से विज्ञापनों के प्रदर्शन के लिए वाणिज्यिक प्रचार अधिकार, लॉलीपॉप क्यूबॉइड की कुल मात्रा 10 है और प्रत्येक लॉलीपॉप क्यूबॉइड का आकार 1.5'x1.5'x1.5' से अधिक नहीं होना चाहिए।	21.01.2026 12:00:00
7	ADVT-UMB-ANSB- OH-334-25-1	आनंदपुर साहिब रेलवे स्टेशन पर लॉलीपॉप क्यूबॉइड बोर्ड के माध्यम से विज्ञापनों के प्रदर्शन के लिए वाणिज्यिक प्रचार अधिकार, लॉलीपॉप क्यूबॉइड की कुल मात्रा 12 है और प्रत्येक लॉलीपॉप क्यूवॉइड का आकार 1.5'x1.5'x1.5' से अधिक नहीं होना चाहिए।	21.01.2026 12:00:00
8	ADVT-UMB-AADR- OH-335-25-1	अंब अंदौरा रेलवे स्टेशन पर लॉलीपॉप क्यूबॉइड बोर्ड के माध्यम से विज्ञापनों के प्रदर्शन के लिए वाणिज्यिक प्रचार अधिकार, लॉलीपॉप क्यूबॉइड की कुल मात्रा 12 है और प्रत्येक लॉलीपॉप क्यूबॉइड का आकार 1.5'x1.5'x1.5' से अधिक नहीं होना चाहिए।	21.01.2026 12:00:00
9	ADVT-UMB-SAG -OH-326-25-1	संगरूर रेलवे स्टेशन पर लॉलीपॉप क्यूबॉइड बोर्ड के माध्यम से विज्ञापनों के प्रदर्शन के लिए वाणिज्यिक प्रचार अधिकार, लॉलीपॉप क्यूबॉइड की कुल मात्रा 14 है और प्रत्येक लॉलीपॉप क्यूबॉइड का आकार 1.5'x1.5'x1.5' से अधिक नहीं होना चाहिए।	21.01.2026 12:00:00
10	ADVT-UMB-RPJ -OH- 330-25-1	राजपुरा रेलवे स्टेशन पर लॉलीपॉप क्यूबॉइड बोर्ड के माध्यम से विज्ञापनों के प्रदर्शन के लिए वाणिज्यिक प्रचार अधिकार, लॉलीपॉप क्यूबॉइड की कुल मात्रा 09 है और प्रत्येक लॉलीपॉप क्यूबॉइड का आकार 1.5'x1.5'x1.5' से अधिक नहीं होना चाहिए।	21.01.2026 12:00:00
11	ADVT-UMB-YJUD-OH- 340-25-1	यमुना नगर जगाधरी रेलवे स्टेशन पर लॉलीपॉप क्यूबॉइड बोर्ड के माध्यम से विज्ञापनों के प्रदर्शन के लिए वाणिज्यिक प्रचार अधिकार, लॉलीपॉप क्यूबॉइड की कुल मात्रा 11 है और प्रत्येक लॉलीपॉप क्यूबॉइड का आकार 1.5'x1.5'x1.5' से अधिक नहीं होना चाहिए।	21.01.2026 12:00:00
12	ADVT-UMB-BTI-OSD-338-25-1	बठिंडा रेलवे स्टेशन पर 10 फीट x 8 फीट क्षेत्रफल की एक वीडियो वॉल के रूप में वाणिज्यिक विज्ञापन अधिकार (डिजिटल)	21.01.2026 12:00:00
13	ADVT-UMB-RPJ -OSD-337-25-1	राजपुरा रेलवे स्टेशन पर 20 फीट x 3.5 फीट क्षेत्रफल की एक वीडियो वॉल के रूप में वाणिज्यिक विज्ञापन अधिकार (डिजिटल)	21.01.2026 12:00:00
14	ADVT-UMB-PTA -OSD- 336-25-1	पटियाला रेलवे स्टेशन के पुराने प्रतीक्षालय की सामने की दीवार पर 112 वर्ग फुट के 02 वीडियो वॉल (प्रत्येक 14'x8') और स्टेशन भवन के बाहर 112 वर्ग फुट का एक वीडियो बॉल (14'x8') के माध्यम से वाणिज्यिक विज्ञापन अधिकार (डिजिटल) तीन वर्षों की अवधि के लिए। (विज्ञापन का कुल क्षेत्रफल 336 वर्ग फुट है।) (साइट प्लान के अनुसार)	21.01.2026 12:00:00
15	MSS-UMB-UBC-MCK-57-25-1	अंबाला सिटी रेलवे स्टेशन पर कुल डिस्प्ले क्षेत्रफल 40 वर्ग फुट के साथ चार (04) "बैक–लिट मोबाइल चार्जिंग कियोस्क" की स्थापना के लिए अनुबंध का आवंटन ।	21.01.2026 12:00:00
16	MSS-UMB-YJUD -MCK-64-25-1	यमुनानगर जगाधरी रेलवे स्टेशन पर कुल डिस्प्ले क्षेत्रफल 40 वर्ग फुट के साथ चार (04) "बैक–लिट मोबाइल चार्जिंग कियोस्क" की स्थापना के लिए अनुबंध का आवंटन।	21.01.2026 12:00:00
17	MSS-UMB-RPJ-MCK-60-25-1	राजपुरा रेलवे स्टेशन पर कुल डिस्प्ले क्षेत्रफल 40 वर्ग फुट के साथ चार (04) "बैक–लिट मोबाइल चार्जिंग कियोस्क" की स्थापना के लिए अनुबंध का आवंटन ।	21.01.2026 12:00:00
18	MSS-UMB-UMB-MCK-65-25-2	अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन पर कुल डिस्प्ले क्षेत्रफल 90 वर्ग फुट के साथ नौ (09) "बैक–लिट मोबाइल चार्जिंग कियोस्क" की स्थापना के लिए अनुबंध का आवंटन ।	21.01.2026 12:00:00
19	MSS-UMB-BTI-MCK-58-25-1	बठिंडा रेलवे स्टेशन पर कुल डिस्प्ले क्षेत्रफल 70 वर्ग फुट के साथ सात (07) "बैक–लिट मोबाइल चार्जिंग कियोस्क" की स्थापना के लिए अनुबंध का आवंटन ।	21.01.2026 12:00:00
20	MSS-UMB-SRE-MCK-61-25-1	सहारनपुर रेलवे स्टेशन पर कुल डिस्प्ले क्षेत्रफल 60 वर्ग फुट के साथ छह (06) "बैक–लिट मोबाइल चार्जिंग कियोस्क" की स्थापना के लिए अनुबंध का आवंटन ।	21.01.2026 12:00:00
21	MSS-UMB-ABS-MCK-56-25-1	अबोहर रेलवे स्टेशन पर कुल डिस्प्ले क्षेत्रफल 30 वर्ग फुट के साथ तीन (03) "बैक–लिट मोबाइल चार्जिंग कियोस्क" की स्थापना के लिए अनुबंध का आवंटन।	21.01.2026 12:00:00
22	MSS-UMB-PTA-MCK-59-25-1	पटियाला रेलवे स्टेशन पर कुल डिस्प्ले क्षेत्रफल 40 वर्ग फुट के साथ चार (04) "बैक–लिट मोबाइल चार्जिंग कियोस्क" की स्थापना के लिए अनुबंध का आवंटन ।	21.01.2026 12:00:00
23	MSS-UMB-SIR-MCK-63-25-1	सरहिंद रेलवे स्टेशन पर कुल डिस्प्ले क्षेत्रफल 40 वर्ग फुट के साथ चार (04) "बैक–लिट मोबाइल चार्जिंग कियोस्क" की स्थापना के लिए अनुबंध का आवंटन ।	21.01.2026 12:00:00
24	MSS-UMB-SML-MCK-62-25-1	शिमला रेलवे स्टेशन पर कुल डिस्प्ले क्षेत्रफल 40 वर्ग फुट के साथ चार (04) "बैक–लिट मोबाइल चार्जिंग कियोस्क" की स्थापना के लिए अनुबंध का आवंटन।	21.01.2026 12:00:00
25	MSS-UMB-ANSB -PSKsk-53-25-1	आनंदपुर साहिब रेलवे स्टेशन पर कुल क्षेत्रफल 64 वर्ग फुट की पूजा सामग्री की दुकान/कियोस्क स्थापित करने और संचालन के लिए अनुबंध का आवंटन (साइट प्लान के अनुसार)	21.01.2026 12:00:00

नीलामी लीजिंग आमंत्रण सूचना, नीलामी प्रपत्र, एक बार पंजीकरण व अधिक जानकारी हेतु, रेलवे वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर जाये।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

85/26

डोनाल्ड ट्रंप के ऐलान से भारत चुपचाप हो रहा खुश?

● ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला की अंतरिम सरकार अमेरिका को 3-5 करोड़ बैरल हाई-क्वालिटी वाला प्रतिबंधित तेल देगी

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को बड़ी घोषणा की। उनका यह बयान भारत के सबसे बड़े दर्द की दवा बन सकता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसका असर तुरंत दिखा भी। ट्रंप ने कहा कि वेनेजुएला की अंतरिम सरकार अमेरिका को 3-5 करोड़ बैरल हाई-क्वालिटी वाला प्रतिबंधित तेल देगी। इस तेल को बाजार भाव पर बेचा जाएगा। इससे मिलने वाले पैसे को वह कंट्रोल करेंगे। उन्होंने अमेरिकी ऊर्जा सचिव क्रिस राइट से इस योजना को तुरंत लागू करने को कहा है। यह तेल स्टोरेज जहाजों के जरिये सीधे अमेरिका के अनलोडिंग डॉक तक लाया जाएगा। इस घोषणा के तुरंत बाद अमेरिकी कच्चे तेल के वायदा भाव 1.3 फीसदी गिरकर

56.39 डॉलर प्रति बैरल हो गए।

इसके अलावा, ट्रंप शुक्रवार को व्हाइट हाउस में प्रमुख अमेरिकी तेल कंपनियों जैसे शेवरॉन, कोनोकोफिलिप्स और एक्सॉन मोबिल के प्रतिनिधियों के साथ अन्य घरेलू उत्पादकों से मिलने की योजना बना रहे हैं। इस बैठक में वेनेजुएला के तेल क्षेत्र में महत्वपूर्ण निवेश करने पर चर्चा होगी।

भारत के लिए क्यों है अच्छी खबर?

भारत के लिए क्रूड के भाव बहुत मायने रखते हैं। उसका क्रूड ऑयल बास्केट फरवरी 2021 के बाद पहली बार 60 डॉलर प्रति बैरल के नीचे आया है। वह कच्चे तेल की अपनी लगभग 88 प्रतिशत मांग को आयात से पूरी करता है। क्रूड की कीमत में प्रति बैरल 1 डॉलर की गिरावट से भारत के सालाना तेल आयात खर्च में करीब 13,000 करोड़ रुपये की कमी आती है। हालात बन गए हैं कि जून तक क्रूड के दाम 50 डॉलर प्रति बैरल या उससे भी कम हो हो सकते हैं। इससे भारत को अपना इम्पोर्ट बिल घटाने में मदद मिलेगी। भारत इस मद में बहुत ज्यादा खर्च करता है। पिछले वित्त वर्ष में उसने 161 अरब डॉलर का कच्चा तेल आयात किया था।

इस तेल को बाजार भाव पर बेचा जाएगा और उस पैसे को मैं अमेरिका के राष्ट्रपति के तौर पर नियंत्रित करूंगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इसका उपयोग वेनेजुएला और अमेरिका के लोगों के लाभ के लिए हो! ट्रंप की घोषणा वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस की गिरफ्तारी के कुछ दिनों बाद आई है। अमेरिकी सेना ने उन्हें काराकस से गिरफ्तार कर न्यूयॉर्क ले गई है, जहां उन पर एक संघीय नशीली दवाओं की तस्करी की साजिश का आरोप है।

कई सारी शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन

हमारी रसोई में उपलब्ध हल्दी वो औषधि है, जो देसी नुस्खों और उपायों में रामबाण के तौर पर इस्तेमाल की जाती है। एंटीऑक्सीडेंट और एंटीइंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन बेहद लाभकारी माना गया है लेकिन कहते हैं न कि एक निश्चित मात्रा से अधिक औषधि का सेवन भी जहर के समान है, हल्दी दूध के अधिक सेवन में भी यही बात लागू होती है।

अगर सेहत बनाने के लिए आप भी हल्दी वाले दूध का सेवन कर रहे हैं तो आपको इससे होने वाले नुकसान के बारे में भी जान लेना चाहिए। दरअसल, हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन कई सारी शारीरिक समस्याओं की वजह बन सकता है, तो वहीं कुछ विशेष परिस्थिति में तो ये घातक भी हो सकता है। तो चलिए जान लेते हैं कि आखिर हल्दी वाले दूध के अधिक सेवन से किस तरह की शारीरिक समस्याएं पेश आ सकती हैं।

शरीर में आयरन की कमी

आप पौष्टिकता के लिए हल्दी वाले दूध का सेवन करते हैं लेकिन आपको पता होना चाहिए इसकी अधिकता के कारण शरीर में आयरन की कमी हो सकती है। दरअसल, हल्दी में पाए जाने वाले करक्यूमिन नामक कंपाउंड, शरीर में आयरन के अवशोषण में बाधा बनता है। इसलिए जो लोग आयरन की कमी से जूझ रहे हैं, लोगों को खासतौर पर सीमित मात्रा में हल्दी वाले दूध का सेवन करना चाहिए।

लिवर की समस्या

हल्दी वाले दूध के सेवन का कारण लिवर की समस्या भी हो सकती है। असल में हल्दी में मौजूद करक्यूमिन लिवर में सूजन पैदा करता है, जिसके कारण लिवर की समस्या हो सकती है।

पेट की समस्याएं

हल्दी वाले दूध का अधिक सेवन शरीर के पीएच को प्रभावित करता है, जिसके कारण पेट में गैस और अपच की समस्या बढ़ सकती है। इसलिए अगर आप पेट की समस्या से पीड़ित हैं तो आपको हल्दी वाले दूध का सेवन से बचना चाहिए।

गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक

हल्दी वाले दूध का सेवन गर्भवती महिलाओं के लिए हानिकारक माना जाता है। एक्सपर्ट की माने तो हल्दी के अधिक सेवन से गर्भाशय में ऐंठन, दर्द हो सकता है। वहीं कई बार इसके चलते ब्लीडिंग की भी समस्या हो जाती है। इसीलिए डॉक्टर्स प्रेग्नेंट महिलाओं को हल्दी वाले दूध के सेवन से बचने की सलाह देते हैं।

शरीर में एलर्जी की प्रतिक्रिया

वहीं हल्दी दूध के अधिक सेवन से आपको एलर्जिक रिएक्शन भी हो सकते हैं, दरअसल हल्दी में पाए जाने वाले कंपाउड्स के चलते कुछ लोगों को स्किन पर रैशेज और सांस लेने में दिक्कत भी होती है। इसलिए अगर आपकी बॉडी एलर्जिक है तो आपको हल्दी वाले दूध के सेवन से परहेज करना चाहिए।

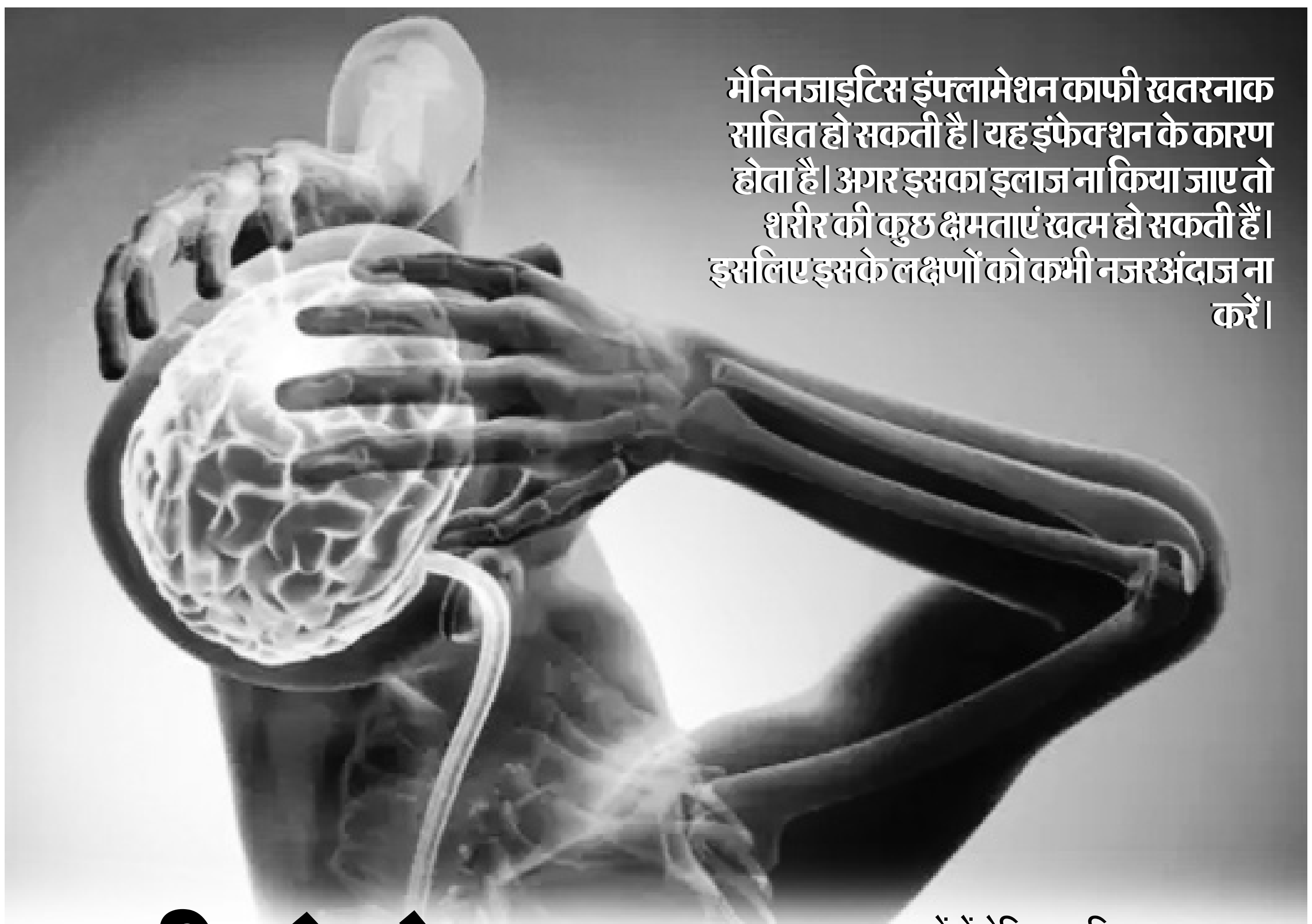

मेनिनजाइटिस इंफ्लामेशन काफी खतरनाक साबित हो सकती है। यह इंफेक्शन के कारण होता है। अगर इसका इलाज ना किया जाए तो शरीर की कुछ क्षमताएं खत्म हो सकती हैं। इसलिए इसके लक्षणों को कभी नजरअंदाज ना करें।

3 चीजों से बनता है मेनिनजाइटिस तुरंत चाहिए इलाज

दिमाग को बॉडी का प्रमुख कहा जाता है। यह शरीर के बाहरी और अंदरुनी सारे काम कंट्रोल करता है। अगर इसमें कोई भी खराबी आ जाए तो शरीर में भी खराबी आने लगती है। मेनिनजाइटिस भी दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड से जुड़ी समस्या है। इसके अंदर दिमाग और स्पाइनल कॉर्ड के आसपास के मेंब्रेन में इंफ्लामेशन आ जाती है। इसमें मरीज को तुरंत इलाज की जरूरत पड़ती है वरना शरीर कई काम करने बंद कर सकता है। यह बीमारी काफी खतरनाक है, इस कारण वर्ल्ड मेनिनजाइटिस डे की तारीख 24 अप्रैल से 5 अक्टूबर बदल दी गई। ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इसमें शामिल हो सकें।

मेनिनजाइटिस होने के पीछे इंफेक्शन होते हैं। यह वायरल, बैक्टीरियल और फंगल इंफेक्शन की वजह से हो सकता है। वायरल इंफेक्शन सबसे ज्यादा मेनिनजाइटिस के लिए जिम्मेदार देखा गया है। हालांकि दूसरे इंफेक्शन ज्यादा खतरनाक रूप ले सकते हैं।

मेनिनजाइटिस के लक्षण

इसके लक्षण कारण पर निर्भर करते हैं। हालांकि, कुछ आम संकेत निम्नलिखित हैं, जो किसी और बीमारी के कारण भी हो सकते हैं।

- भूख मरना
- चिड़चिड़ापन
- उल्टी
- डायरिया
- सांस की दिक्कत
- सिरदर्द
- बुखार
- गर्दन में अकड़न
- लाइट से सेंसिटिविटी
- ज्यादा नींद आना

बच्चों में मेनिनजाइटिस

यह इंफ्लामेशन छोटे बच्चों को भी हो सकती है। उनके अंदर निम्नलिखित लक्षण दिख सकते हैं।

- बुखार
- शरीर में अकड़न
- तेज रोना
- बच्चा शांत ना होना
- ज्यादा सोना
- चल ना पाना
- चिड़चिड़ापन

शरीर ये काम कर देता है बंद

मेनिनजाइटिस के कारण शरीर को काफी नुकसान झेलना पड़ सकता है। अगर इसका इलाज ना किया जाए तो सुनने की क्षमता, याददाश्त, देखने की क्षमता कम हो जाती है। इसकी वजह से दौरा पड़ना, माइग्रेन, ब्रेन डैमेज, सबड्यूरल एम्पायमा, हाइड्रोसेफालस भी हो सकता है।

फैल भी सकता है मेनिनजाइटिस

मेनिनजाइटिस संक्रामक भी हो सकता है। इसके कुछ प्रकार एक मरीज से दूसरे मरीज तक फैल सकते हैं। मरीज के खांसने, छींकने या चुंबन लेने से यह स्वस्थ व्यक्ति को संक्रमित बना सकता है। इंफेक्शन फैलाने वाले मरीजों में यह वायरस या बैक्टीरिया अक्सर गले या नाक में मौजूद रहता है।

सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए अपनाए ये घरेलू उपाय

अक्सर सिरदर्द की समस्या से कई लोग झूझते रहते है। ज्यादातर काम-काज का प्रेशर रहने से सिरदर्द जैसी परेशानी होती है तनाव, पर्याप्त नींद नहीं लेना, ज्यादा शोर, फोन पर ज्यादा देर बात करना, ज्यादा सोचना, थकावट, सिर में रक्तप्रवाह कम होना जैसे कई कारणों से अक्सर हम सिरदर्द जैसी परेशानी से झूझते है। नियमित दो बार 10-20 मिनट ध्यान करने से शरीर व मन दोनों को आराम मिलता है। सिर में रक्तप्रवाह बढ़ता है। जिसके कारण आप सिरदर्द की परेशानी में राहत मिलती है। सिर दर्द की समस्या से छुटकारा पाने के लिए बेहतर होगा की आप शरीर को डिहाइड्रेट होने से बचाए जिससे बचने के लिए अच्छा होगा की आप पर्याप्त मात्रा में पानी पिए जिससे आप खुद को सिरदर्द की परेशानी से बचा सकते है। मसल्स और शरीर में खिंचाव रहने से भी सिर दर्द होता है ऐसे में बेहतर होगा की आप थोड़े-थोड़े अंतराल पर स्ट्रेचिंग करें ऐसा करना बेहतर होगा। इन उपायों को करके आप सिरदर्द की परेशानी में राहत पा सकते है। सिरदर्द की परेशानी से तुरंत राहत पाने के लिए योग कारागार उपाय है। शरीर में ऑक्सीजन की कमी से भी आप सिरदर्द जैसी समस्या में आराम पा सकते है।

न जिम-न डाइटिंग, हल्दी से अंदर धंसेगी लटकती तोंद

अगर आप सोच रहे हैं कि हल्दी का उपयोग सिर्फ खाने का स्वाद और रंग बढ़ाने तक सीमित है, तो आप गलत हैं। यह एक ऐसा मसाला है, जो पेट की जिद्दी चर्बी को खत्म करने की ताकत रखता है, बस आपको इस्तेमाल करना आना चाहिए।

वजन कम करने के लिए लोग कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। लेकिन सर्दियों के दिनों में वजन कम करना बहुत मुश्किल होता है। लगातार बैठे रहने से पेट की चर्बी तो निकल जाती ही है लेकिन पेट के साथ-साथ जांघें और कमर भी मोटी दिखने लगती है। बहुत से लोग कमर और पेट के आकार को कम करने के लिए जिम जाकर घंटों एक्सरसाइज नहीं कर पाते हैं। वजन कम करने के लिए क्या करें? पेट और कमर की चर्बी कम करने और सुडौल शरीर पाने के लिए आप किचन में रखे मसालों का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर बात करें मसालों की तो इनमें हल्दी एक ऐसा जादुई मसाला है, जो पेट की चर्बी को काटने का काम करता है। खाने को स्वाद और रंग देने वाले इस मसाले को आप वजन कम करने वाले हथियार के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। चलिए जानते हैं कि आप वजन घटाने के लिए हल्दी का उपयोग कैसे कर सकते हैं।

पेट की चर्बी का नामोनिशान मिटा सकती है हल्दी

एक अध्ययन के अनुसार, हल्दी वजन घटाने के लिए फायदेमंद है। पशु अध्ययनों से पता चला है कि हल्दी में एक शक्तिशाली यौगिक करक्यूमिन होता है, जो फैट बर्न करने का काम करता है। वजन कम करने में असमर्थ 44 लोगों पर किए गए एक अध्ययन से पता चला कि दिन में दो बार 800 मिलीग्राम करक्यूमिन लेने से उनका बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) कम हो गया। इसके अलावा कमर और कूल्हे की चर्बी भी कम हुई।

हल्दी के गुण

कच्ची हल्दी में एंटीबैक्टीरियल, एंटी-ऑक्सीडेंट, एंटी-फंगल गुण होते हैं। इसमें विटामिन सी, पोटैशियम, प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम, कॉपर, जिंक, थायमिन, राइबोफ्लेविन होता है। ये पोषक तत्व शरीर को शारीरिक समस्याओं से बचाते हैं।

वजन घटाने के लिए हल्दी वाला पानी कैसे तैयार करें?

- मोटापा कम करने के लिए आप कच्ची हल्दी को गर्म पानी में उबालकर पी सकते हैं। इस मिश्रण का खाली पेट सेवन करने से आपको तेजी से वजन घटाने में मदद मिल सकती है।
- इसके लिए 2 गिलास पानी में कच्ची हल्दी के टुकड़े डालकर उबाल लें
- जब एक गिलास पानी बचे तो आंच बंद कर दें और पानी को छानकर एक गिलास में निकाल लें
- सुबह खाली पेट सबसे पहले इसका सेवन करें।
- अगर आप हल्दी वाला पानी नहीं पीना चाहते तो आप हल्दी वाले दूध का सेवन कर सकते हैं

हाइड्रेट और रीहाइड्रेट करने का सबसे अच्छा तरीका है पानी

पानी सबसे जरूरी पोषक तत्व है और पानी पीने के ढेरों फायदे हैं. वास्तव में पानी को जीवन के लिए अमृत कहा गया है। ऐसे में जरूरी है कि आप पानी से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्यों के बारे में जानें क्योंकि पानी मनुष्य के शरीर का 70 फीसदी हिस्सा बनाता है और शरीर की हर कोशिका को हाइड्रेट, डीटॉक्स करता है, शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखकर जीवनशैली को स्वस्थ बनाता है।

प्यास लगना डीहाइड्रेशन का संकेत है, इसलिए जरूरी है कि आप दिन भर पानी पीते रहें। डीहाइड्रेशन के कारण शरीर में ऊर्जा का स्तर कम हो जाता है और इम्यून सिस्टम (बीमारियों से लड़ने की ताकत) कमजोर पड़ जाता है। वे लोग जो अधिक सक्रिय रहते हैं, शारीरिक व्यायाम करते हैं, खेलते हैं, उनमें पसीना ज्यादा बहता है, ऐसे में उनके लिए अपने शरीर को नियमित रूप से हाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। शरीर से पानी ज्यादा निकल जाने से क्रैम्प्स पड़ने लगते हैं और शरीर लेक्टेट को बफर करने में सक्षम नहीं रहता। अक्सर देखा जाता है कि एथलीट्स और बॉस्केटबॉल खिलाड़ियों को हाइपरथर्मिया हो जाता है या पानी की कमी एवं बहुत ज्यादा डीहाइड्रेशन के चलते उनका ब्लड प्रेशर गिर जाता है। ऐसी स्थिति में रीहाइड्रेट करना बहुत जरूरी है। अगर आपमें डायरिया, कम पानी पीना, पेट में फ्लू, बहुत ज्यादा दवाएं लेना जैसी स्थितियां हैं या आपने पिछली रात ज्यादा शराब का सेवन किया है तो ऐसे में शरीर को रीहाइड्रेट करना बहुत अधिक महत्वपूर्ण होता है। रीहाइड्रेशन ओरल माध्यम से या इन्ट्रावीनस तरीके से किया जा सकता है। हममें से ज्यादातर लोग पानी पीने पर ठीक से ध्यान नहीं देते। दिन भर चलने वाले वर्चुअल मीटिंग्स, असाइनमेन्ट और घर के कामों के बीच अक्सर हम पानी पीना भूल जाते हैं। ऐसी स्थिति में हमें अपने पास पानी की बोतल रख या हेल्थ ऐप के जरिए रिमाइंडर लगाकर बार-बार पानी पीते रहना चाहिए।

कोशिका की संरचना में पानी का महत्व

कोशिकाओं को स्वस्थ बनाए रखने के लिए पानी जरूरी है, यह बालों, त्वचा और नाखुनों की कोशिकाओं का अभिन्न हिस्सा है। पानी कोलाजन के उत्पादन में मदद कर कोशिकाओं की उम्र बढ़ने से रोकता है। इसके अलावा, पानी जोड़ों एवं रीढ़ की हड्डी को स्वस्थ बनाए रखने के लिए भी जरूरी है क्योंकि पानी शरीर में लुब्रिकेन्ट की भूमिका निभाता है, जिसके परिणामस्वरूप जोड़ों के बीच फ्रिक्शन कम होता है।

शरीर का तापमान बनाए रखने में मदद करता है

शरीर का तापमान सामान्य बनाए रखने के लिए तरल का संतुलन बहुत महत्वपूर्ण होता है। आपके शरीर में एंजाइम ठीक से काम करते रहें, इसके लिए शरीर का तापमान सामान्य बना रहना बहुत जरूरी है, अगर ऐसा नहीं होगा तो शरीर के सभी काम रूक जाएंगे।

पाचन में मदद करता है

अक्सर लोग ये सवाल पूछते हैं 'पानी पीने का सही समय क्या है? खाना खाने से पहले? खाना खाने के बाद? खाना खाने के दौरान? इन तीनों समय में पानी पीने से भोजन को पचाने में मदद मिलती है। पानी पीने से सलाईवा यानि लार की सही मात्रा बनती है, लार में इलेक्ट्रोलाईट, म्यूकस और एंजाइम होते हैं जो भोजन पचाने में मदद करते हैं और मुख के स्वास्थ्य को सामान्य बनाए रखते हैं। भोजन का पाचन मुख में ही शुरू हो जाता है और उम्र बढ़ने के साथ लार का उत्पादन कम मात्रा में होने लगता है। अगर आपको महसूस हो रहा है कि आपका मुंह सूख रहा है तो ज्यादा मात्रा में पानी पीना शुरू कर दें।

शरीर में फैट यानि वसा को बर्न करने में मदद करता है

कई अध्ययनों में पाया गया है कि पानी का सेवन सही मात्रा में करने से शरीर की वसा को बर्न करने में मदद मिलती है, इस तरह यह वजन कम करने में भी मददगार है।

चौके-छक्कों से ठोके 90 रन

शे होप ने खेली एस20 के इतिहास की सबसे बड़ी पारी

नई दिल्ली, एजेंसी। साउथ अफ्रीका की टी20 लीग एस20 के 2025-26 सीजन में प्रिटोरिया कैपिटल्स के बल्लेबाज शे होप ने एक ऐतिहासिक पारी खेली. डरबन के किंग्समीड स्टेडियम में डरबन सुपर जायंट्स के खिलाफ 16वें मैच में होप ने नाबाद शतक ठोका और एस20 के इतिहास में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. शे होप ने ये पारी ओपनिंग करते हुए खेली और वह 20 ओवर पूरे होने के बाद नाबाद पवेलियन लौटे.

शे होप ने ठोका ऐतिहासिक शतक- शे होप ने इस मैच में 69 गेंदों का सामना करते हुए नाबाद 118 रनों की पारी खेली. जिसके चलते प्रिटोरिया कैपिटल्स की टीम 20 ओवर में 4 विकेट के नुकसान पर 201 रन बनाने में कामयाब रही. इसी के साथ शे होप ने एस20 के एक मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया. उनकी 118 रनों की नाबाद पारी में 9 चौके और इतने ही छक्के शामिल रहे, यानी उन्होंने 90 रन सिर्फ चौके-छक्कों से बटोरे. शे होप से पहले एस20 के एक मैच में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकॉर्ड काइल वेरेयने के नाम दर्ज था. उन्होंने पिछले साल स्ब्ब के खिलाफ 116 रनों की पारी खेली थी, वह भी नाबाद रहे थे. लेकिन शे होप ने उनसे 2 रन ज्यादा बनाए और रिकॉर्ड को तोड़ दिया. दूसरी ओर, शे होप का यह टी20 करियर का 200वां मैच था, जिसमें उन्होंने 195 पारियों में 5,350 रन बनाए हैं और औसत 31.10 का है. इस दौरान उन्होंने अपना चौथा शतक पूरा किया, साथ ही 27 अर्धशतक भी हैं. इस पारी में उन्होंने टी20 करियर में 400 चौके भी पूरे कर लिए, वहीं उनके नाम 244 छक्के दर्ज हैं.

शे होप ने खत्म किया बड़ी पारी का इंतजार- शे होप के लिए ये सीजन अभी तक कुछ खास नहीं रहा था. वह शुरुआती 5 मैचों में सिर्फ 88 रन ही बना सके थे. इस दौरान उनका सबसे बड़ा स्कोर 45 रन ही था. यानी वह एक भी अर्धशतक नहीं जड़ सके थे. लेकिन इस मैच में उन्होंने दमदार वापसी की और तूफानी शतक जड़ा. जो प्रिटोरिया कैपिटल्स के लिए भी एक अहम मौके पर आया, क्योंकि टीम को शुरुआती 5 मैचों में सिर्फ 1 ही जीत मिली है.

नाबालिग शूटर से रेप, आरोपी नेशनल कोच सस्पेंड 21 दिन सदमे में रही

फरीदाबाद। हरियाणा के फरीदाबाद की एक नाबालिग शूटर ने कोच पर रेप का आरोप लगाया है। शूटर का कहना है कि कोच ने

उसकी परफॉर्मेंस पर बात करने के बहाने फरीदाबाद की फाइव स्टार होटल के रूम में बुलाकर उसके साथ रेप किया। इस घटना के बारे में किसी को बताने पर उसका करियर खत्म करने की भी धमकी दी।

नाबालिग करीब 21 दिनों तक सदमे में रही। इसके बाद उसने हिम्मत जुटाकर अपनी मां को पूरी घटना बताई। 6 जनवरी को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। फरीदाबाद पुलिस ने पॉक्सो एक्ट में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले में होटल के स्टाफ से भी पूछताछ की जा रही है।

एशियाड स्वर्ण विजेता भारतीय एथलीट

भावुक होकर कही यह बात

जिनसन जॉनसन ने लिया संन्यास

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियाड स्वर्ण पदक विजेता और राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी धावक जिन्सन जॉनसन ने 15 साल लंबे करियर के बाद संन्यास की घोषणा की। 2018 उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ साल रहा, जबकि चोटों से जूझने के बाद 2023 में उन्होंने आखिरी बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर पदक जीता। उनका सफर भारतीय एथलेटिक्स के लिए प्रेरणादायक अध्याय बनकर रहेगा। भारतीय एथलेटिक्स को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाने वाले एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता और राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी मध्यम दूरी के धावक जिनसन जॉनसन ने बुधवार को अपने संन्यास की घोषणा कर दी। 34 वर्षीय केरल के इस एथलीट ने 15 साल लंबे करियर के बाद खेल को अलविदा कहते हुए कहा कि अब उनके जीवन में कुछ नया शुरू करने का समय आ गया है।

देश, कोच और सिस्टम के प्रति आभार

जिनसन ने अपने कोच, साथी खिलाड़ियों, सरकार और एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (स्ब्ब) का धन्यवाद करते हुए कहा, 'यह यात्रा अकेले मेरी नहीं थी। पर्दे के पीछे काम करने वाले हर व्यक्ति का दिल से धन्यवाद। आपने दर्द को ताकत और संघर्ष को मजबूती में बदला।'

2018: करियर का सुनहरा साल

जिनसन जॉनसन के करियर का सबसे यादगार साल 2018 रहा। उन्होंने जकार्ता एशियन गेम्स में 1500 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीतते हुए 3 मिनट 44.72 सेकंड का समय निकाला।

राष्ट्रीय रिकॉर्ड और अंतरराष्ट्रीय मंच

2018 कॉमनवेल्थ गेम्स (गोल्ड कोस्ट) में उन्होंने 1500 मीटर में 3:37.86 का समय निकालकर बहादुर प्रसाद का 23 साल पुराना राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। बाद में उन्होंने 2019 में बर्लिन मीट में 3:35.24 सेकंड का समय निकालकर अपना ही रिकॉर्ड फिर बेहतर किया। अपने करियर पर बात करते हुए जॉनसन ने कहा, 'दो राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ना और भारतीय एथलेटिक्स में योगदान देना मेरे जीवन के सबसे गर्व के पलों में से एक रहेगा।'

भावुक संदेश के साथ संन्यास का एलान

जिनसन जॉनसन ने सोशल मीडिया पर अपने संन्यास की घोषणा करते हुए लिखा, 'कोलकाता से एक सपने देखने वाले लड़के के रूप में शुरू हुई यह यात्रा हांगझोउ एशियाई खेलों के पोडियम तक पहुंची। धन्यवाद एथलेटिक्स।' उन्होंने आगे लिखा, 'कुछ यात्राएं मीटर और सेकंड में मापी जाती हैं, और कुछ आंसुओं, त्याग, विश्वास और उन लोगों से, जिन्होंने आपको कभी गिरने नहीं दिया।'

चोट और वापसी की जंग

2019 के बाद कोविड-19 और गंभीर एचिलीज़ टेंडन चोट ने उनके करियर को गहरा झटका दिया। तीन साल तक संघर्ष और रिकवरी के बाद उन्होंने 2023 हांगझोउ एशियन गेम्स में 1500 मीटर में कांस्य पदक जीतकर शानदार वापसी की। यही उनकी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आखिरी दौड़ साबित हुई।

आईएसएल के लिए उलटी गिनती शुरू, 13 क्लब तैयार

ओडिशा एफसी जल्द ले सकता है फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी। आईएसएल के आगामी सत्र के लिए 13 क्लबों ने अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है, जबकि ओडिशा एफसी से अंतिम मंजूरी का इंतजार है। एआईएफएफ को उम्मीद है कि ओडिशा एफसी 14 फरवरी से शुरू होने वाली लीग में शामिल होने की पुष्टि जल्द करेगा। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) को उम्मीद है कि ओडिशा एफसी 14 फरवरी से शुरू होने वाली इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में अपनी भागीदारी की पुष्टि कर देगा। खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने मंगलवार को घोषणा की थी कि वाणिज्यिक साझेदार न मिलने के कारण स्थगित हुई आईएसएल अब 14 फरवरी से शुरू होगी और सभी 14 क्लब इसमें हिस्सा लेंगे। हालांकि, सूत्रों के अनुसार ओडिशा एफसी ने लीग में भागीदारी की पुष्टि के लिए गुरुवार तक का समय मांगा है। एक सूत्र के हवाले से कहा, 'अब तक 13 क्लबों ने अपनी भागीदारी की पुष्टि कर दी है। ओडिशा एफसी ने एक दिन का अतिरिक्त समय मांगा है और एआईएफएफ को उम्मीद है कि वह बृहस्पतिवार को अंतिम पुष्टि कर देगा।' गौरतलब है कि ओडिशा एफसी ने इससे पहले डूरंड कप और सुपर कप में भी हिस्सा नहीं लिया था। इसके अलावा क्लब ने पिछले साल अगस्त में अपने खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के अनुबंध भी समाप्त कर दिए थे। आईएसएल में प्रत्येक टीम को 13 मैच खेलने हैं।

यदि ओडिशा एफसी लीग में शामिल नहीं होती है, तो प्रत्येक टीम को 12 मैच खेलने होंगे और कुल मुकाबलों की संख्या 78 रह जाएगी। इतने कम समय में 91 या 78 मैचों का आयोजन करना चुनौतीपूर्ण माना जा रहा है। पिछली बार आईएसएल का फाइनल 12 अप्रैल को खेला गया था। इसके अलावा 23 से 31 मार्च तक फीफा अंतरराष्ट्रीय विंडो है, जिसके दौरान भारतीय टीम 2027 एशियाई कप क्वालीफायर के मैच खेलेगी।

आखिरी गेंद पर छक्का उड़ाकर पलटा टी20 मैच

BBL में 19 साल के लड़के ने कर दिया खेला

नई दिल्ली, एजेंसी। बिग बैश लीग 2026 में मेलबर्न रेनेगेड्स ने रोमांचक मुकाबले में पर्थ स्कॉर्चर्स को चार विकेट से हरा दिया. पर्थ स्टेडियम में गुरुवार को पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉर्चर्स की टीम 19.2 ओवर में 127 रनों पर सिमट गई. जवाब में रेनेगेड्स ने आखिरी गेंद पर जीत हासिल की. मैच के हीरो 19 साल के पीक रहे, जिन्होंने दर्शकों के शोर के बीच आखिरी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई. जीत के लिए उनकी टीम को चार रन चाहिए थे और पीक ने एरोन हार्डी की गेंद को फाइन लेग के ऊपर से स्टैंड्स में भेज दिया. इससे पहले पीक 17वें ओवर में कैच आउट दिए गए थे, लेकिन रिप्ले में गेंद जमीन को छूती दिखी और उन्हें जीवनदान मिला. इसके बाद उन्होंने कप्तान विल सदरलैंड के साथ अहम साझेदारी निभाई. गेंदबाजी में गुरिंदर संधू ने चार विकेट लेकर स्कॉर्चर्स को बड़ा स्कोर बनाने से रोका. पर्थ की ओर से एरॉन हार्डी ने सबसे ज्यादा 44 रन बनाए, लेकिन टीम का मिडिल ऑर्डर बुरी तरह लड़खड़ा गया और आखिरी पांच विकेट सिर्फ 16 रन में गिर गए. पीक को उनकी दमदार पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' दिया गया.

टी-20 वर्ल्ड कप से पहले भारत को बड़ा झटका

तिलक वर्मा चोटिल, क्या शुभमन गिल की होगी वापसी?

नई दिल्ली, एजेंसी। टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले भारत को बड़ा झटका लगा है। एशिया कप फाइनल के हीरो और मिडिल-ऑर्डर बल्लेबाज तिलक वर्मा को पेट में चोट लग गई है। इसकी वजह से वह न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो सकते हैं। भारत 21 जनवरी को नागपुर में शुरू होने वाली सीरीज के लिए उनकी जगह किसी और खिलाड़ी को टीम में शामिल करने की कोशिश करेगा, लेकिन इस बात की संभावना कम है कि भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल पर विचार किया जाएगा। तिलक राजकोट में विजय हजारे ट्रॉफी खेल रहे थे, जब बुधवार सुबह नाश्ते के बाद उन्हें पेट में दर्द महसूस हुआ। इंडियन एक्सप्रेस को पता चला है कि उन्होंने बेंगलुरु में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के डॉक्टरों से सलाह ली है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के एक सूत्र ने पुष्टि की, 'तिलक को पेट में बहुत ज्यादा दर्द हुआ। उन्हें तुरंत राजकोट के एक अस्पताल ले जाया गया, जहां कई तरह के स्कैन किए गए और रिपोर्ट सीओई के डॉक्टरों को भेजी गई।'

गिल की नहीं होगी वापसी- बोर्ड तिलक के रिप्लेसमेंट के तौर पर किसे चुनता है यह देखना दिलचस्प होगा। गिल को न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज और वर्ल्ड कप के लिए नजरअंदाज किया गया था और उनके चुने जाने की संभावना कम है। पता चला है कि चयन समिति और टीम मैनेजमेंट उनकी वापसी की इच्छुक नहीं है। तर्क यह है कि टेस्ट और वनडे में भारत के कप्तान को बेंच पर बिठाना या ड्रिंक्स पिलाने का काम देना अजीब होगा।

सर्जरी कराने की सलाह

सूत्र ने बताया, 'डॉक्टरों ने उन्हें सर्जरी करवाने की सलाह दी है, जिससे ठीक होने में उन्हें तीन से चार हफ्ते लगेंगे। न्यूजीलैंड के खिलाफ पूरी टी20 सीरीज खेलने की संभावना कम लग रही है।' भारत को 7 फरवरी से शुरू होने वाले टी20 वर्ल्ड कप के लिए उनकी उपलब्धता की ज्यादा चिंता होगी। भारत का पहला मैच अमेरिका के खिलाफ उसी दिन होना है।

पांचवां एशेज टेस्ट

अंग्रेजों को 5 विकेट से धोया, सीरीज 4-1 से की नाम

पांचवें एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया विजेता

सिडनी, एजेंसी। पांचवें एशेज टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को 5 विकेट से हराकर सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली. सिडनी टेस्ट में जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज पर मुहर लगाई. हालांकि मैच का अंत थोड़ा अस्त-व्यस्त रहा, जहां एलेक्स कैरी और कैमरन ग्रीन के बीच विकेटों के बीच दौड़ में गड़बड़ी दिखी. इसके बावजूद ग्रीन ने दो शानदार चौके लगाते हुए 22 रन पर नाबाद रहकर टीम को जीत दिलाई.

यह सीरीज दोनों टीमों की बल्लेबाजी गलतियों से भरी रही, लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के मुकाबले कम चूक की और अहम मौकों पर बड़े व्यक्तिगत प्रदर्शन किए.

एडिलेड टेस्ट में ही एशेज का फैसला हो गया था. हालांकि आखिरी दो टेस्ट में इंग्लैंड का प्रदर्शन कुछ हद तक बेहतर रहा.

इसके साथ ही इंग्लैंड की टीम का ऑस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज जीतने का इंतजार और लंबा हो गया है. साल 2011 के बाद से इंग्लैंड अब तक ऑस्ट्रेलियाई की सरजमीं पर एक भी एशेज सीरीज नहीं जीत सका है. सिडनी टेस्ट में इंग्लैंड ने दूसरी पारी में दमदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 160 रन का लक्ष्य दिया, लेकिन कंगारू टीम ने इसे हासिल कर सीरीज 4-1 से अपने नाम कर ली. यह ऑस्ट्रेलिया की अपने घर में इंग्लैंड के खिलाफ लगातार चौथी एशेज सीरीज जीत है. सिडनी टेस्ट में इंग्लैंड की दूसरी पारी में युवा बल्लेबाज जैकब बेथेल ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 154 रन बनाए. यह उनके टेस्ट करियर का पहला शतक रहा, जो उन्होंने एशेज जैसे बड़े प्लेटफॉर्म पर जड़ा. इंग्लैंड की दूसरी पारी 342 रन पर सिमटी, जिसमें हैरी ब्रूक ने 42 रन का योगदान दिया. ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में मिचेल स्टार्क और ब्यू वेबस्टर ने तीन-तीन विकेट अपने नाम किए.

विजय हजारे ट्रॉफी, सातवां राउंड

गायकवाड-जगदीशन ने सेंचुरी लगाई; हार्दिक पंड्या का 19 गेंदों में अर्धशतक

राजकोट। विजय हजारे ट्रॉफी 2025-26 के सातवें राउंड के मुकाबले गुरुवार (8 जनवरी) को अहमदाबाद, राजकोट, जयपुर और बेंगलुरु में खेले जा रहे हैं। ग्रुप ए में झारखंड का मुकाबला त्रिपुरा, कर्नाटक का मुकाबला मध्य प्रदेश, केरल का मुकाबला तमिलनाडु, पुडुचेरी का मुकाबला राजस्थान से हो रहा है।

ग्रुप बी में बड़ौदा का मुकाबला चंडीगढ़, हैदराबाद का मुकाबला जम्मू-कश्मीर, असम का मुकाबला विदर्भ और बंगाल का मुकाबला उत्तर प्रदेश से हो रहा। ग्रुप सी में गोवा का मुकाबला महाराष्ट्र, मुंबई का मुकाबला पंजाब, छत्तीसगढ़ का मुकाबला उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश का मुकाबला सिक्किम से हो रहा है।

भारत के साथ तनाव के बीच बांग्लादेश ने दी टी20 वर्ल्ड कप से हटने की धमकी

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच तनाव जल्द ही कम होता नहीं दिख रहा है। बांग्लादेश टी20 वर्ल्ड कप के अपने मैचों को भारत से श्रीलंका में शिफ्ट करने की अपनी मांग पर अड़ा हुआ है। बांग्लादेश सरकार ने इस बीच ICC को धमकी दी है कि अगर उसकी मांगें नहीं मानी जाती तो बांग्लादेश टी20 विश्व कप से हटने में दो बार नहीं सोचेगा। बांग्लादेश सरकार के खेल मंत्रालय के सलाहकार आसिफ नजरुल ने ये बयान दिया है। 2000 में ICC की पूर्ण

सदस्यता मिलने के बाद से बांग्लादेश वैश्विक क्रिकेट समुदाय का एक सक्रिय सदस्य रहा है। टाइगर्स ने हमेशा क्रिकेट के मैदान पर प्रतिस्पर्धी भावना दिखाई है, यहां तक कि कई वर्ल्ड कप एडिशन में शानदार जीत भी हासिल की हैं। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के कारण देश के भारत के साथ संबंधों में अचानक बड़ा बदलाव आया है। नतीजतन, BCB ने गंभीर विरोध और सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए भारत की यात्रा ना करना का फैसला लिया है। ये फैसला मुस्तफिजुर रहमान को IPL 2026 से बाहर करने के बाद आया है जिन्हें नीलामी में 9.20 करोड़ में खरीदा गया था।

उत्तर रेलवे

ई-टेंडरिंग

खुली निविदा सूचना संख्या एनआईटी-19/2025-26 दिनांक 07.01.2026

सीनियर डिविजनल इलेक्ट्रिकल इंजीनियर/जी, उत्तर रेलवे, अंबाला द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से ई-निविदा के माध्यम से इच्छुक ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए 15:00 बजे तक या कार्य के सामने दिखाई गई समाप्ति की तिथि तक खुली निविदाएं आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	निविदा संख्या	कार्य का नाम	लगभग लागत (रु.)	बोली प्रतिभूति (रु.)	पूर्ण होने की अवधि	बंद करने और खोलने की तिथि
1	30-विद्युत-26/2025-26 (ओपन टेंडर)	अंबाला मंडल के विभिन्न स्थानों पर स्टेशन/सेवा भवनों/समतल क्रॉसिंग गेटों पर 1000 kWp ऑन ग्रिड सौर ऊर्जा संयंत्र का प्रावधान।	रु. 5,88,09,394.28	रु. 4,44,100.00	69 महीने	29.01.2026

1) निविदाकर्ताओं को शर्तों के अनुसार PAN / TIN / GST सहित सभी संबंधित पात्र दस्तावेजों की स्कैन की हुई प्रतियों को अपलोड करना आवश्यक है। 2) आवश्यक बोली सुरक्षा नेट बैंकिंग/या भुगतान गेटवे के माध्यम से केवल निविदा की अंतिम तिथि और समय के 15:00 बजे से पहले ही ऑनलाइन भुगतान स्वीकार्य होगी। 3) कार्य निविदाओं की ई-निविदा में भाग लेने के लिए निविदाकर्ताओं के पास तृतीय श्रेणी का डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र होना चाहिए। 4) विवरण के लिए, कृपया आईआरईपीएस वेबसाइट www.ireps.gov.in पर लॉग ऑन करें। 5) जीएसटी अधिनियम 2017 के अनुसार जीएसटी लगाया जाएगा।

78/2026

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

न्यूज डायरी

एमसीएम में फैकल्टी के लिए 'बेकिंग ब्लिस' कार्यशाला का आयोजन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (आईक्यूएसी) के तत्वावधान में संकाय सदस्यों के लिए 'बेकिंग ब्लिस' शीर्षक से एक दिवसीय बेकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य रचनात्मक और व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से अनुभवात्मक अधिगम, कौशल संवर्धन तथा फैकल्टी के कल्याण को बढ़ावा देना था।

गृह विज्ञान विभाग से सहायक प्रोफेसर डॉ. रति अरोड़ा, इस कार्यशाला में संसाधन वक्ता के रूप में शामिल हुईं। डॉ. अरोड़ा ने डेट्स एंड वॉलनट केक, मार्बल केक तथा डोनट्स सहित विभिन्न बेक्ड व्यंजनों की विधि का प्रदर्शन किया। उन्होंने बेकिंग से जुड़ी उपयोगी टिप्स, तकनीकें एवं प्रस्तुतीकरण कौशल भी साझा किए, जिससे प्रतिभागियों को बेकिंग की कला और विज्ञान की महत्वपूर्ण समझ प्राप्त हुई। फैकल्टी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक कार्यशाला में भाग लेते हुए सहयोगात्मक एवं रोचक वातावरण में बेकिंग की विभिन्न विधियों का व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।

यह कार्यशाला शैक्षणिक दिनचर्या से एक सुखद विराम सिद्ध हुई तथा प्रतिभागियों में टीम भावना, उत्साह और रचनात्मक अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम का समापन स्वादिष्ट व्यंजनों के चखने के सत्र के साथ हुआ, जिसने इस कार्यशाला को सभी के लिए स्मरणीय एवं समृद्ध अनुभव बना दिया।

कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने भी कार्यशाला में सक्रिय सहभागिता निभाई, फैकल्टी को प्रेरित किया तथा आपसी सौहार्द की भावना को सुदृढ़ किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रयास संस्थान की समग्र विकास, फैकल्टी संवर्धन एवं कल्याण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

थाना साईबर क्राईम पुलिस भिवानी ने ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर 03 करोड़ 27 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में आरोपी को किया गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
भिवानी (ब्यूरो)। पुलिस अधीक्षक भिवानी श्री सुमित कुमार के द्वारा जिला पुलिस को जिले में साइबर अपराधियों द्वारा आम नागरिकों से ऑनलाइन रुपए की धोखाधड़ी करने वाले आरोपियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर ऐसे आरोपियों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई अमल में लाए जाने के निर्देश दिए गए थे इन्हीं निर्देशों के तहत कार्रवाई करते हुए थाना साईबर क्राईम पुलिस ने ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर 03 करोड़ 27 लाख रुपए की धोखाधड़ी करने के मामले में आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

सुमित निवासी सिवानी ने थाना साईबर क्राईम पुलिस को एक शिकायत दर्ज करवाई थी जिसमें शिकायतकर्ता ने पुलिस को बतलाया कि उनके मोबाइल के व्हाट्सएप पर एक मैसेज आया था जो मैसेज करने वाले ने शिकायतकर्ता के व्हाट्सएप पर एक वेबसाइट https://m.coinex-vip.com का लिंक भेजा था जो शिकायतकर्ता द्वारा वेबसाइट पर आईडी बनाने के बाद आरोपियों के द्वारा दिनांक 17.09. 2025 से दिनांक 24.10.2025 तक 19 ट्रांजैक्शन के माध्यम से कुल 03 करोड़ 27 लाख रुपए इन्वेस्टमेंट के नाम पर डलवाए गए थे इसके बाद जब शिकायतकर्ता ने अपने रुपए वापस निकालना चाहे तो शिकायतकर्ता के रुपए वापस नहीं निकले थे जो इस शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत अभियोग थाना साईबर क्राईम भिवानी में दर्ज किया था।

दिनांक 07.01.2026 को अभियोग में प्रभावी कार्रवाई करते हुए थाना साईबर क्राईम भिवानी के मुख्य सिपाही अमरजीत ने 03 करोड़ 27 लाख रुपए की इन्वेस्टमेंट के नाम पर धोखाधड़ी करने के मामले में आठवें आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

थाना तोशाम पुलिस ने मादक पदार्थ (हेरोइन) बेचने के मामले में महिला को किया गिरफ्तार, 10.85 ग्राम हेरोइन बरामद

हिन्द जनपथ
भिवानी (ब्यूरो)। पुलिस अधीक्षक भिवानी श्री सुमित कुमार के निर्देशानुसार जिला पुलिस द्वारा मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध सख्त एवं प्रभावी कार्रवाई लगातार अमल में लाई जा रही है। इसी कड़ी में थाना तोशाम पुलिस ने मादक पदार्थ हेरोइन बेचने के मामले में एक महिला को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है।

दिनांक 7 जनवरी 2026 को थाना तोशाम में तैनात ASI राकेश कुमार अपनी पुलिस टीम के साथ गश्त व पड़ताल ड्यूटी के दौरान अनाज मंडी, तोशाम क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि वार्ड नंबर 16, तोशाम में एक महिला मादक पदार्थ बेचने का अवैध कार्य करती है तथा इस समय भी मादक पदार्थ की बिक्री कर रही है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर रेड की और एक महिला को मादक पदार्थ हेरोइन सहित रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार की गई आरोपी महिला की पहचान जीनू पत्नी रोशन, निवासी वार्ड नंबर 16, तोशाम के रूप में हुई है।

पुलिस टीम द्वारा आरोपी महिला के कब्जे से 10.85 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन बरामद किया गया।

आरोपी महिला के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीबद्ध कर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई अमल में लाई गई है। जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी महिला का पति रोशन भी मादक पदार्थ बेचने के मामलों में संलिप्त रहा है, जो पूर्व में दर्ज अभियोगों के तहत पिछले कई महीनों से जिला जेल भिवानी में बंद है। आज गिरफ्तार आरोपी महिला को माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जिला कारागार भेजने के आदेश दिए गए हैं।

सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी ने अवैध हथियार सप्लाई करने वाले आरोपी को किया गिरफ्तार

हिन्द जनपथ
भिवानी (ब्यूरो)। पुलिस अधीक्षक भिवानी श्री सुमित कुमार द्वारा जिला पुलिस को बिना लाइसेंस अवैध हथियार रखने, उनकी सप्लाई करने व उनका प्रयोग करने वाले अपराधियों के विरुद्ध सख्त व प्रभावी कार्रवाई के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। इन निर्देशों की अनुपालना में जिला पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है।

इसी क्रम में सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी की टीम ने अवैध हथियार सप्लाई करने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी की टीम द्वारा पूर्व में 12 दिसंबर 2025 में आरोपी विनोद पुत्र धर्मबीर, निवासी मानहेरू को अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया गया था। आरोपी के कब्जे से एक अवैध पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस बरामद किए गए थे। इस संबंध में थाना सदर भिवानी में आरोपी के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम के तहत अभियोग पंजीबद्ध किया गया था। पूछताछ के दौरान आरोपी विनोद ने खुलासा किया कि उसने यह अवैध हथियार राजेश पुत्र बालू, निवासी मानहेरू, जिला भिवानी से 10,000 में खरीदा था। मामले में आगे की कार्रवाई करते हुए सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी की टीम ने दिनांक 7 जनवरी 2026 को अवैध हथियार सप्लाई करने वाले आरोपी राजेश पुत्र बालू को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी राजेश को माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जिला कारागार भेजने के आदेश पारित किए गए हैं।

नीव पोर्टल से शिक्षा संस्थानों में नीति अनुपालन और गुणवत्ता में होगा सुधार – मुख्यमंत्री

- 'ज्ञान सेतु' पहल के तहत 28 प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ हुआ एमओयू, रिसर्च को मिलेगा बढ़ावा

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने देश की शिक्षा प्रणाली को 21वीं सदी की जरूरतों के अनुरूप ढालने की स्पष्ट रूपरेखा दी है, लेकिन किसी भी नीति की सफलता उसके समयबद्ध क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए नीव पोर्टल को विकसित किया गया है। नीव पोर्टल एक इंटेलिजेंट, डेटा-ड्रिवन डिसीजन सपोर्ट सिस्टम है, जो नीति निर्माण और संस्थागत क्रियान्वयन के बीच की दूरी को समाप्त करता है।

मुख्यमंत्री आज पंचकूला में आयोजित एमओयू एक्सचेंज कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि नीव पोर्टल का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रत्येक प्रावधान का वास्तविक, निष्पक्ष और सतत मूल्यांकन हो सके। यह पोर्टल रियल-टाइम डेटा, प्रदर्शन संकेतकों और भविष्यसूचक विश्लेषण के माध्यम से शिक्षा प्रणाली की निरंतर निगरानी करता है। इससे यह स्पष्ट रूप से पता चलता है कि कौन-सी संस्थाएं नीति के अनुरूप आगे बढ़ रही हैं और कहां सुधार की जरूरत है। इस प्रकार यह पोर्टल केवल निगरानी का साधन नहीं, बल्कि समय रहते सुधार और दिशा-निर्देशन का प्रभावी माध्यम है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले चरण में नीव पोर्टल को विश्वविद्यालयों में लागू किया जा रहा है। इसके बाद महाविद्यालयों और आगे चलकर स्कूलों तथा अन्य शैक्षणिक संस्थानों तक इसका विस्तार किया जाएगा। इस क्रमबद्ध विस्तार से शिक्षण संस्थानों

में एकरूपता, गुणवत्ता और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रति तत्परता सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य वर्ष 2047 तक एक ऐसा शिक्षा तंत्र विकसित करना है, जो वैश्विक मानकों पर खरा उतरे। नीव पोर्टल के माध्यम से 2047 तक सभी विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और शैक्षणिक संस्थानों में शत-प्रतिशत राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 अनुपालन की डिजिटल ट्रैकिंग संभव होगी। इससे संस्थागत गुणवत्ता संकेतकों में सुधार होगा, रियल-टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित होगी। साथ ही, साक्ष्य-आधारित बजट एवं नीति निर्माण सुनिश्चित किया जा सकेगा।

एमओयू के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 'ज्ञान सेतु' पहल के तहत स्वर्ण जयंती हरियाणा इंस्टीट्यूट फॉर फिस्कल मैनेजमेंट और राज्य के लगभग 28 प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के बीच समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया गया है। इसका उद्देश्य अकादमिक ज्ञान को वास्तविक प्रशासनिक और सामाजिक चुनौतियों से जोड़ना है, ताकि शोध केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर समाज और शासन की समस्याओं का समाधान बन सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सहयोगों के माध्यम से राज्य सरकार की प्राथमिक योजनाओं और कार्यक्रमों का इम्पैक्ट इवैल्यूएशन के साथ-साथ क्षमता-निर्माण कार्यक्रम तथा छात्रों के लिए इंटर्नशिप व फील्ड एंगेजमेंट को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे नीति निर्माण अधिक सशक्त होगा और युवा प्रतिभाओं को वास्तविक प्रशासनिक अनुभव भी प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नीव पोर्टल और ज्ञान सेतु, ये दोनों पहलें मिलकर हरियाणा की शिक्षा को भविष्य के लिए तैयार, समावेशी और वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने की दिशा में कार्य करेंगी। ये पहले सुनिश्चित करेंगी कि शिक्षा, कौशल, नवाचार, रोजगार और सामाजिक उत्थान का सशक्त आधार बने।

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री आतिशी की गुरुओं पर की गई टिप्पणी दुर्भाग्यपूर्ण

दिल्ली की पूर्व मुख्यमंत्री श्रीमती आतिशी द्वारा गुरुओं पर की गई टिप्पणी पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुओं ने धर्म, मानवता और देश की रक्षा के लिए अपनी पीढ़ियों को कुर्बान कर दिया। गुरुओं के प्रति उनकी ऐसी सोच ही दुर्भाग्यपूर्ण है। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरुओं की शिक्षा से हमें प्रेरणा और आने वाली पीढ़ियों को ऊर्जा मिलती है।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली का मुख्यमंत्री रहते हुए श्री अरविंद केजरीवाल ने शिक्षा की बजाय शराब के ठेके खोले। महिलाओं के लिए अलग से शराब के ठेके खोले। ऐसा पूरे देश में केवल दिल्ली में हुआ है।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के राज में नौकरियां तराजू में तोल कर दी जाती थी। आज प्रदेश में बिना पर्ची-बिना खर्ची मेरिट आधार पर नौकरियां दी जा रही हैं और अब तक लगभग 2 लाख नौकरियां दी गई हैं।

इस अवसर पर मुख्य सचिव श्री अनुराग रस्तोगी, शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विनित गर्ग, मुख्यमंत्री के ओएसडी एवं हरियाणा वित्तीय प्रबंधन संस्थान के महानिदेशक डॉ. राज नेहरू, मुख्यमंत्री के मीडिया सचिव श्री प्रवीण आत्रेय भी उपस्थित रहे।

हरियाणा में लंबित म्यूटेशन निपटाने के लिए 'जलसा-ए-आम' अभियान शुरू

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। जन सुविधाओं को सुदृढ़ करने और नागरिक-केंद्रित शासन को मजबूती देने की दिशा में हरियाणा सरकार ने समयबद्ध राज्यव्यापी अभियान 'जलसा-ए-आम' शुरू किया है। इसके तहत सभी लंबित म्यूटेशन मामलों का निपटान किया जाएगा। साथ ही एग्रीस्टैक के क्रियान्वयन, डिजिटल राजस्व सुधारों, भूमि विभाजन मामलों के निस्तारण, अंतर-राज्य सीमा चिह्नांकन तथा व्यापक शीतलहर तैयारियों को गति दी जाएगी।

इन उपायों की समीक्षा एवं घोषणा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग की वित्तायुक्त डॉ. सुमिता मिश्रा ने आज यहां वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपायुक्तों के साथ आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में की।

जलसा-ए-आम अभियान जनवरी माह के शनिवारों 10, 17, 24 और 31 जनवरी को आयोजित किया जाएगा, ताकि म्यूटेशन मामलों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जा सके। डॉ. मिश्रा ने अभियान का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए, ताकि अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित हो सके। वर्तमान में राज्य में 143 तहसीलों और 7,104 गांवों में 1,89,635 म्यूटेशन आवेदन प्रक्रियाधीन हैं। उपायुक्तों को 10 दिनों से अधिक समय से लंबित 50,794 मामलों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए हैं, जिनमें फरीदाबाद, पलवल और अंबाला पर विशेष फोकस रहेगा। जनता की असुविधा को कम करने के लिए राज्य ऑटो-म्यूटेशन की दिशा में आगे बढ़ रहा है, जिसके लिए मौजूदा बैकलॉग का प्राथमिकता से निपटान आवश्यक है।

भूमि विभाजन के लंबे समय से लंबित मामलों पर जोर देते हुए डॉ. मिश्रा ने पंजाब भूमि राजस्व अधिनियम की प्रतिस्थापित धारा 111ए के सख्त अनुपालन के निर्देश दिए, जो त्वरित निस्तारण का प्रावधान करती है।

निस्तारण में तेजी लाने के लिए प्रत्येक सहायक कलेक्टर (द्वितीय श्रेणी) को प्रति माह न्यूनतम 12 विभाजन मामलों का निपटान करने का लक्ष्य दिया गया है, जबकि कम कार्यभार वाले तहसीलदारों को प्रति माह 20 मामलों का लक्ष्य सौंपा गया है।

आरटीए कार्यालय द्वारा किया गया रक्तदान शिविर, हेल्थ चेकअप व नेत्र जांच का आयोजन

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त कम चेयरमैन डीआरएससी, पंचकूला श्री सतपाल शर्मा की अध्यक्षता व श्रीमती हैरतजीत कौर डीटीओ कम सेक्रेटरी आरटीए पंचकूला के निर्देशन में नैशनल रोड़ सेफ्टी माह के अंतर्गत आरटीए पंचकूला व विश्वास फाउंडेशन पंचकूला ने बस स्टैन्ड की बैक साइड में रक्तदान शिविर लगाया।

कैम्प में इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी जिला शाखा पंचकूला ने अहम भूमिका निभाई। शिविर सुबह 10 बजे शुरू हुआ व दोपहर 3:00 बजे तक चला। रक्त लेने से पहले डॉक्टरों की टीम ने रक्तदाताओं का चेकअप किया, डॉक्टरों ने बताया कि रक्तदान करने से किसी तरह की कोई दिक्कत नहीं होती है। बल्कि रक्तदान करने से व्यक्ति को गर्व महसूस होता है। इस साथ ही पारस अस्पताल द्वारा निशुल्क हेल्थ चेकअप का आयोजन भी किया गया, इसमें डॉक्टर मनोज शर्मा द्वारा 62 लोगों के बीपी, शुगर व स्वास्थ्य की जांच भी की गई। डॉक्टर अग्रवाल आई अस्पताल एमडीसी सेक्टर 5 पंचकुला द्वारा आँखों की जांच का कैम्प भी लगाया गया। जिसमें अभिलाषा राणा, जितेंद्र शर्मा व मोहम्मद साहिल ने 90 लोगों के नेत्रों की जांच की।

विश्वास फाउंडेशन की अध्यक्ष साध्वी नीलिमा विश्वास ने बताया कि शिविर का उद्घाटन उपायुक्त सतपाल शर्मा के करकमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर उनके साथ हैरतजीत कौर डीटीओ कम सेक्रेटरी

आरटीए पंचकूला भी उपस्थित रहीं। उन्होंने रक्तदाताओं को बैज लगाकर उनकी हौंसला अफजाई भी की और कहा की 3 महीने में एक बार अवश्य रक्तदान करें।

इस रक्तदान शिविर में आरटीए विभाग के असिस्टन्ट सेक्रेटरी शम्मी शर्मा व अन्य कर्मचारियों ने भी रक्तदान किया। शिविर को सफल बनाने में आरटीए विभाग से शम्मी शर्मा असिस्टन्ट सेक्रेटरी, सुभाष, रेखा सहगल, बृजेश पासी, रवींद्र सिंह, मोहित लकरा, संदीप कुमार, ममता, जैपान, गरिमा बेनीवाल, अंकुश, रोहताश, इंद्रजीत सिंह, मनमोहन व सोनिया का सहयोग अति सराहनीय रहा। ब्लड बैंक सिविल अस्पताल सेक्टर 6 पंचकुला की टीम द्वारा डॉक्टर अमित सम्मी की देखरेख में 40 यूनिट्स रक्त एकत्रित किया गया। जितने भी लोग इस रक्तदान शिविर में शामिल हुए उन सभी को यातायात के नियमों के बारे में भी जागरूक किया गया व उनको यातायात के नियमों का पालन करने के लिए शपथ भई दिलाई गई।

हैरतजीत कौर ने बताया कि पहले रक्तदान जब जरूरत होती थी तब किया जाता था। अब तो कई लोग ऐसे भी हैं, जो जन्मदिन और शादी की सालगिरह पर भी रक्तदान करते हैं। रक्तदान जीवन का सबसे बड़ा दान है, जिसमें मनुष्य ना जाति देखता है ना धर्म देखता।

गांव ठसका में ओपन जिम का उद्घाटन: विधायक कुलवंत सिंह ने ग्रामीणों को दीं कई और सौगातें

जिला योजना बोर्ड मोहाली के मद से जिम के लिए 5 लाख रुपये जारी

हिन्द जनपथ
मोहाली(ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा गांवों का सर्वांगीण विकास लगातार जारी है। इसी कड़ी के तहत गांव ठसका में ओपन जिम का उद्घाटन मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह तथा जिला योजना समिति की चेयरपर्सन बीबी प्रभजोत कौर द्वारा किया गया।

विधायक कुलवंत सिंह ने बताया कि यह जिम जिला योजना बोर्ड द्वारा जारी 5 लाख रुपये की लागत से तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए जिम एक वरदान है। अब तक पंजाब भर में 1000 से अधिक मोहल्ला क्लीनिक खोले जा चुके हैं और विधानसभा क्षेत्र मोहाली में 8 मोहल्ला क्लीनिक कार्यरत हैं, जहां रोजाना हजारों लोग इलाज करवाते हैं तथा जांच और दवाइयां मुफ्त उपलब्ध करवाई जाती हैं। इसके अलावा, स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत प्रत्येक परिवार को 10 लाख रुपये तक की सुविधा दी जाएगी, जो आम वर्ग के लिए अत्यंत सहायक सिद्ध होगी।

मीडिया से बातचीत करते हुए कुलवंत सिंह ने कहा

कि आज के प्रदूषित वातावरण में शारीरिक व्यायाम बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि पहले गांवों के युवाओं को जिम करने के लिए शहरों की ओर जाना पड़ता था, जिससे उनका समय और पैसा दोनों खर्च होते थे। अब गांव में ही जिम की सुविधा मिलने से लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे इस सुविधा का भरपूर लाभ उठाएं, ताकि एक स्वस्थ समाज का निर्माण हो सके।

विधायक ने कहा कि अब गांवों और शहरों में कोई अंतर नहीं रह गया है।

पंजाब सरकार गांवों में भी वही सुविधाएं उपलब्ध करवा रही है जो शहरों में मिलती हैं। उन्होंने बताया कि मोहाली के हर वार्ड और लगभग हर गांव में ओपन जिम लगाए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मोहाली शहर में भी कई स्थानों पर नए सिरे से जिम स्थापित किए जा रहे हैं।

संचार साथी पोर्टल – दूरसंचार धोखाधड़ी के खिलाफ नागरिकों को सशक्त बनाना

मोहाली: दूरसंचार विभाग (डीओटी), संचार मंत्रालय, पंजाब लाइसेंस्ड सर्विस एरिया (एलएसए), ने आज सेक्टर 70, मोहाली में टेलीकॉम एक्सचेंज बिल्डिंग में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, ताकि इसके नागरिक-केंद्रित डिजिटल पहलों पर प्रकाश डाला जाए, जिसमें संचार साथी पोर्टल पर विशेष ध्यान दिया गया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता श्री अनिल कुमार रंजन, अतिरिक्त महानिदेशक (दूरसंचार), पंजाब एलएसए ने की, और इसमें प्रसार भारती, पीआईबी चंडीगढ़, ऑल इंडिया रेडियो, डीडी न्यूज, फास्टवे, और अन्य प्रमुख मीडिया संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

ब्रीफिंग का केंद्र बिंदु संचार साथी की भूमिका पर था, जो दूरसंचार सुरक्षा को मजबूत करने, दूरसंचार-संबंधित धोखाधड़ी को रोकने, और नागरिकों को दूरसंचार संसाधनों के दुरुपयोग की रिपोर्ट करने के लिए सशक्त बनाने में है। श्री रंजन ने संचार साथी से संबंधित जानकारी के व्यापक प्रसार की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि अधिक नागरिक विभाग की डिजिटल सुरक्षा पहलों से लाभान्वित हो सकें और उभरती दूरसंचार और साइबर खतरों से खुद को सुरक्षित रख सकें।

कार्यक्रम की शुरुआत श्री बलविंदर सिंह, उप महानिदेशक (प्रशासन) के मुख्य भाषण से हुई, जिन्होंने दूरसंचार विभाग, पंजाब एलएसए के कार्यप्रणाली का अवलोकन प्रदान किया, और सुरक्षित तथा विश्वसनीय दूरसंचार सेवाओं को सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका पर चर्चा की।

इसके बाद, श्री गुरजिंदर पॉल सिंह, उप महानिदेशक (सुरक्षा), ने डीओटी पंजाब एलएसए द्वारा लागू की जा रही नागरिक-केंद्रित सेवाओं पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने संचार साथी पोर्टल और मोबाइल ऐप का परिचय दिया, और समझाया कि प्लेटफॉर्म उपयोगकर्ताओं को अपनी मोबाइल कनेक्शनों की सुरक्षा करने और संदिग्ध धोखाधड़ी की रिपोर्ट करने में कैसे सक्षम बनाता है।

उपायुक्त ने जिले में अभियान चलाकर अवैध खनन पर अंकुश लगाने के दिए निर्देश

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने एसडीएम पंचकूला व एसडीएम कालका व खनन अधिकारी को पुलिस को साथ लेकर जिले में अवैध माइनिंग को रोकने के लिए अभियान चलाकर ज्यादा से ज्यादा वाहनों को इम्पाउंड करने व उनके चालान करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने लघु सचिवालय के सभागार में आज अवैध खनन को रोकने के लिए संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक कर अवैध माइनिंग को रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि पिछले एक सप्ताह से उन्हें लगातार अवैध माइनिंग की शिकायतें मिल रही है।

श्री सतपाल शर्मा ने एसडीएम पंचकूला श्री चंद्रकांत कटारिया को अपने संबंधित क्षेत्र में पुलिस को साथ लेकर औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए और अवैध माइनिंग करता पाए जाने पर वाहनों को इम्पाउंड व उनके चालान करने के लिए कहा। उपायुक्त ने विशेष तौर पर आईटीबीपी के पीछे की जगह का औचक निरीक्षण करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने एसडीएम कालका संयम गर्ग को भी अपने क्षेत्र में अवैध माइनिंग को लेकर यह चैकिंग व औचक निरीक्षण व मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए ताकि अवैध खनन में संलिप्त लोगों की धरपकड कर अवैध माइनिंग से होने वाले नुकसान को रोका जा सके । खनन अधिकारी राघवेंद्र यादव ने बताया कि अप्रैल 2025 से दिसंबर 2025 तक 308 वाहनों को सीज किया गया और एक करोड 66 लाख 59 हजार 250 रुपये जुर्माना वसूल किया गया। उन्होंने बताया कि अवैध माईनिंग करने वाले 12 लोगों की एफआईआर दर्ज करवाई गई है और अवैध खनन कर रहे 113 वाहनों की भी एफआईआर दर्ज करवाई गई है।

फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी, हरियाणा: 2025-26 में ऐतिहासिक उपलब्धियाँ, 2026-27 के लिए नए लक्ष्य निर्धारित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। वर्ष 2025-26 हरियाणा की फॉरेंसिक साइंस लैबोरेटरी प्रणाली के लिए मील का पत्थर साबित हुआ है। इस दौरान किए गए सुधारों का सीधा प्रभाव जांच की गति और गुणवत्ता पर देखने को मिला है। एनडीपीएस मामलों में अब फॉरेंसिक रिपोर्ट एक माह के भीतर मिल रही है, वाणिज्यिक गुणवत्ता वाले मामलों में यह समय घटकर केवल 15 दिन रह गया है और कुल मामलों के निस्तारण में 28.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि मामलों की संख्या बढ़ने के बावजूद लंबित मामलों में लगभग 12 प्रतिशत की कमी आई है, जो हरियाणा की फॉरेंसिक प्रणाली की वास्तविक क्षमता और दक्षता को दर्शाता है।

डीजीपी अजय सिंघल का विज़न —"फॉरेंसिक साइंस भविष्य की जांच

व्यवस्था की नींव"

डीजीपी हरियाणा श्री अजय सिंघल ने कहा कि फॉरेंसिक साइंस सिर्फ जांच का एक हिस्सा नहीं, बल्कि भविष्य की संपूर्ण जांच प्रणाली की नींव है। आने वाले समय में हर अपराध की जांच वैज्ञानिक सबूतों पर आधारित होगी और पुलिस की पूरी प्रक्रिया फॉरेंसिक सपोर्ट पर निर्भर करेगी। उन्होंने बताया कि हरियाणा पुलिस का लक्ष्य न केवल रिपोर्टिंग को तेज करना है, बल्कि उसे इतना मजबूत और विश्वसनीय बनाना है कि अदालतों में अभियोजन को ठोस समर्थन मिले और निर्दोष व्यक्ति को बिना विलंब न्याय मिल सके। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हरियाणा आने वाले वर्षों में फॉरेंसिक रिपोर्टिंग, वैज्ञानिक जांच और तकनीकी उपयोग में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल होगा।

मानव संसाधन और तकनीकी क्षमता में बड़ा विस्तार

प्रदेश में फ़ोरेंसिक सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए सरकार ने अब तक का सबसे बड़ा मानव संसाधन विस्तार किया। कुल 243 नए पद स्वीकृत किए गए, जिनमें से 97 पदों पर नियुक्तियाँ पूरी हो चुकी हैं और 323 पदों पर भर्ती प्रक्रिया तेज़ी से चल रही है। अधिक वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञों के जुड़ने से जांच की गति बढ़ी है, रिपोर्ट अधिक सटीक और वैज्ञानिक आधार पर तैयार हो रही हैं और फॉरेंसिक कार्यप्रणाली की विश्वसनीयता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। एफएसएल मधुबन के डीएनए डिवीजन को उन्नत किया गया और आरएफएसएल गुरुग्राम में नया डीएनए डिवीजन स्थापित किया गया, जिससे डीएनए परीक्षण क्षमता पहले की तुलना में बहुत अधिक बढ़ गई है। हिसार में बैलिस्टिक्स और दस्तावेज़ परीक्षण की नई प्रयोगशालाएँ आरंभ होने से क्षेत्रीय स्तर पर ही तुरंत वैज्ञानिक सहायता उपलब्ध होने लगी है। भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के अनुसार अपराध स्थल पर 100 प्रतिशत फॉरेंसिक विशेषज्ञों की उपस्थिति सुनिश्चित की गई, जिससे प्रारंभिक जांच और भी मजबूत और प्रमाणिक बनी है।